सूर्योदय 5:39 सूर्यास्त 7:16

आज का तापमान

शिमला	16.6 न्यू	22.2 अधि
धर्मशाला	20.8 न्यू	29.1 अधि

बाजार

सेंसेक्स	78,094
निफ्टी	24,383

सोना 1,42,000 चांदी 2,17,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | रविवार, 2 अगस्त 2026 | 18 श्रावण, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 99, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

जापान में फिर लगे भूकंप के झटके, 5.8 रही तीव्रता

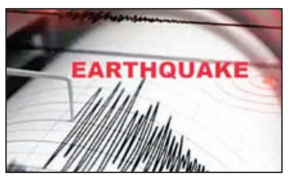

एजेंसी, टोक्यो। जापान में कुदरत का कहर थम नहीं रहा है। शनिवार को उत्तरी जापान के आओमोरी प्रांत के पास 5.8 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। जापान मौसम विज्ञान के अनुसार, यह भूकंप स्थानीय समय के अनुसार सुबह 11:48 बजे आओमोरी के प्रशांत तट से लगभग 80 किलोमीटर की गहराई में आया। जापानी पैमाने (7-पॉइंट स्केल) पर इसकी तीव्रता 4 दर्ज की गई। भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। भूकंप का केंद्र 41.3 डिग्री उत्तर अक्षांश और 142.0 डिग्री पूर्व देशांतर पर स्थित था। जापान में कुछ ही दिन पहले आए एक अन्य शक्तिशाली और विनाशकारी भूकंप के झटकों से 35 लोगों की मौत हुई थी।

अमेरिका में एफ-35बी फाइटर जेट दुर्घटनाग्रस्त

एजेंसी, कैलिफोर्निया। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित मरीन कॉर्प्स एयर स्टेशन मिरामार में शुक्रवार को एफ-35बी स्टील्थ फाइटर जेट दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे से पहले पायलट सुरक्षित रूप से विमान से बाहर निकल गया, जिसके बाद उसे जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। उसकी हालत स्थिर बताई गई है। दुर्घटना के बाद विमान में भीषण आग लग गई और दमकल की टीमों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। अमेरिकी मरीन कॉर्प्स के अनुसार, यह विमान थर्ड मरीन एयरक्राफ्ट विंग के मरीन एयरक्राफ्ट ग्रुप-11 का हिस्सा था। सेना ने हादसे को गंभीर श्रेणी की 'क्लास-ए' दुर्घटना मानते हुए जांच शुरू कर दी है। एफ-35बी पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ लड़ाकू विमान है, जिसकी कीमत करीब 109 मिलियन डॉलर बताई जाती है।

20 किलो हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी, अमृतसर। पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) अमृतसर ने सीमा पार से संचालित नशा तस्करी नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 20 किलोग्राम हेरोइन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान तरनतारन जिले के झबाल निवासी ओम शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से हेरोइन के साथ तस्करी में इस्तेमाल की जा रही होंडा सिटी कार भी जब्त की है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि आरोपी विदेशी हैंडलर के निर्देश पर पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से भेजी गई हेरोइन की खेप प्राप्त कर उसे पंजाब के विभिन्न हिस्सों में सप्लाई करता था। गुप्त सूचना के आधार पर काउंटर इंटेलिजेंस की टीम ने अमृतसर के फतेहगढ़ चूड़ियां रोड स्थित सोहियां कलां क्षेत्र में दाना मंडी के पास छापेमारी कर उसे गिरफ्तार किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर पूरे तस्करी नेटवर्क और उससे जुड़े अन्य लोगों की तलाश शुरू कर दी है।

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू की मंजूरी के बाद अब परीक्षा संशोधन बिल बना कानून

पेपर लीक माफिया पर बड़ा प्रहार, 10 साल की सजा व 10 करोड़ के जुर्माने का प्रावधान

एजेंसी, नई दिल्ली। पेपर लीक पर शिकंजा कसने के लिए संसद द्वारा पारित 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई है। विपक्षी दलों के वॉकआउट के बीच संसद के दोनों सदनों से पारित हुआ यह कानून अब देशभर में लागू हो गया है। यह नया कानून पेपर लीक रोकने और सरकारी व प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए है। इसका उल्लंघन करे वालों को 10 साल की सजा और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है।

सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 को राज्यसभा ने वीरवार को ध्वनि मत से पारित कर दिया। लोकसभा ने इस विधेयक को एक दिन पहले ही पारित कर दिया था। जिस पर अब राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई है। केंद्र सरकार के अनुसार, इस नए संशोधन का मुख्य उद्देश्य सरकारी और प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता बनाए रखना और लाखों युवाओं के भविष्य व हितों की सुरक्षा करना है।

संशोधित कानून के तहत सार्वजनिक परीक्षाओं में धांधली, पेपर लीक करने या अनुचित साधनों (चिटिंग) का इस्तेमाल करने के दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों को पांच से दस साल तक की कैद के साथ-साथ 50 लाख रुपये तक का जुर्माना भी देना होगा। वहीं, पेपर लीक से जुड़े संगठित गिरोहों या सिंडिकेट पर शिकंजा कसते हुए कानून में कम से कम 7 साल की कैद और कम से कम ₹10 करोड़ के जुर्माने का कड़ा प्रावधान किया गया है। संसद में विधेयक पारित होने के तुरंत बाद पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो संदेश साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा कि पेपर लीक के खिलाफ कड़ा कानून बनाने का महत्वपूर्ण कार्य पूरा हो गया है।

छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ न कर सके माफिया: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार पेपर लीक और परीक्षा में होने वाली धांधली को रोकने के लिए कदम उठा रही है, और नवीनतम तकनीक के उपयोग से परीक्षा प्रणाली को मजबूत करना अनिवार्य हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि कोई भी पेपर लीक माफिया छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ न कर सके।

प्रधानमंत्री को गाली देने वाली नाबालिग मांगी माफी

जंतर-मंतर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाली नाबालिग लड़की ने माफी मांगते हुए वीडियो जारी किया है। वीडियो में लड़की ने कहा कि वह केवल 15 साल की है और यह उसकी पहली व आखिरी गलती थी। उसने कहा कि वह बहकावे में आ गई थी और इसके लिए माफी मांगती है। इस मामले में 30 जुलाई को नोएडा में लड़की के खिलाफ केस दर्ज किया गया था।

'मावां-धियां सत्कार योजना' के तहत 35 .5 लाख महिलाओं के खातों में पहुंची सहायता राशि: सीएम मान

अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शनिवार को पठानकोट में आयोजित वित्तीय सहायता वितरण समारोह में **'मावां-धियां सत्कार योजना'** के तहत 35.5 लाख महिलाओं के बैंक खातों में वित्तीय सहायता राशि हस्तांतरित की। इसके साथ ही योजना का लाभ प्राप्त करने वाली महिलाओं की कुल संख्या बढ़कर 68.5 लाख हो गई है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इससे पहले 1 जुलाई को 33 लाख महिलाओं के खातों में सहायता राशि भेजी गई थी। अब दूसरी किस्त के तहत पंजाब की महिलाओं को जुलाई, अगस्त और सितंबर की तीन माह की एकमुश्त किस्त के रूप में 3,000 रुपये, जबकि अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं को 4,500 रुपये प्रदान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि विधवा, दिव्यांग और वृद्धावस्था पेंशन प्राप्त करने वाली महिलाओं को भी पहली बार सामाजिक सुरक्षा पेंशन के अतिरिक्त यह राशि अलग से दी जा रही है।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि योजना के तहत अब तक 73.5 लाख महिलाओं का पंजीकरण हो चुका है, जिनमें से पिछले सात दिनों में ही पांच लाख नए आवेदन प्राप्त हुए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पंजीकरण प्रक्रिया अभी भी जारी है और सत्यापन पूरा होने के बाद नए लाभार्थियों को भी अगले चरण में योजना का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि जो महिलाएं अब आवेदन करेंगी, उन्हें भी 1 जुलाई 2026 से देय किस्तों का लाभ मिलेगा।

- पंजाब की 68.5 लाख महिलाओं को मिला योजना का लाभ
- महिलाओं के सम्मान व आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम
- 97 फीसदी महिलाओं को जोड़ने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सहायता महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें सम्मान देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि अब महिलाओं को अपनी या अपने बच्चों की आवश्यकताओं के लिए किसी अन्य पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं होगी। सहायता राशि सीधे सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (PFMS) के माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जा रही है, जिससे भुगतान प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी बनी हुई है।

समारोह में वरिष्ठ आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसोदिया, कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा, डॉ. बलजीत कौर और लाल चंद कटारूचक भी मौजूद रहे। उन्होंने मुख्यमंत्री की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक सम्मान को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने योजना के लिए 9,300 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया है और इसका उद्देश्य पंजाब की अधिकांश पात्र महिलाओं तक इसका लाभ पहुंचाना है।

युवाओं के सपनों से बनेगा विकसित भारत: सीएम धामी

एजेंसी, हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी में युवा शक्ति संवाद सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पहुंचे। युवाओं ने उनका भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से युवाओं सवाल किए। जिनका जवाब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पूरी दुनिया भारत की ओर आशा और विश्वास के साथ देख रही है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि भारत विश्व का सबसे युवा देश है। आज हमारे देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। यह जनसांख्यिकीय लाभांश हमारी सबसे बड़ी ताकत है। मैं हमेशा कहता हूं कि हमारे युवा भारत का वर्तमान भी हैं और भविष्य भी। आज की हमारी जेन-जी पीढ़ी है मैं उन्हें इनजी कहता हूं, यह पीढ़ी केवल सपने देखने वाली पीढ़ी नहीं, बल्कि उन्हें साकार करने वाली पीढ़ी है। यह नई सोच, नवाचार, तकनीक और उद्यमिता के साथ आगे बढ़ने वाली पीढ़ी है। यही कारण है कि आज का युवा केवल नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि स्टार्टअप के माध्यम से हजारों लोगों को रोजगार देने वाला जॉब क्रिएटर बन रहा है। हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि देश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी जैसा दूरदर्शी नेतृत्व मिला है, जो युवाओं की क्षमता और सामर्थ्य को भली-भांति समझते हैं।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने नीरज चोपड़ा-मुक्केबाजों को दी बधाई, बोले-

हरियाणा के खिलाड़ियों ने फिर बढ़ाया देश का मान

एजेंसी, चंडीगढ़। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में हरियाणा के एथलीटों के शानदार प्रदर्शन पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने भाला फेंक (जेवलिन थ्रो) में रजत पदक जीतने पर स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा को बधाई दी है और फाइनल मुकाबले में पहुंचे प्रदेश के मुक्केबाजों को अपनी शुभकामनां भेजी हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर अपने बेहतरीन खेल से पूरे विश्व में हरियाणा का नाम रोशन किया है। हरियाणा के खिलाड़ियों ने हमेशा ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम उंचा किया है। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में फाइनल खेलने जा रहे खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए कामना की कि सभी मुक्केबाज अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर देश की पदक तालिका को और भी ऊपर लेकर जाएं। नीरज चोपड़ा द्वारा मेडल हासिल करने पर उनके परिजनों ने भी तालियां बजाकर खुशी व्यक्त की। बता दें कि अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर हरियाणा के खिलाड़ियों ने एक बार फिर अपना दबदबा साबित किया है। नीरज चोपड़ा ने रजत पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया है, वहीं आज मुक्केबाज़ी में देश का नाम रोशन करने के लिए 10 मुक्केबाज फाइनल मुकाबले में उतर रहे हैं। इन 10 फ़ाइनलिस्टों में से 7 खिलाड़ी अकेले हरियाणा के हैं, जिनमें पुरुषों में सचिन सिवाच (60 किग्रा), अंकुश पंघाल (80 किग्रा) व नरेंद्र बेरवाल (+90 किग्रा) और महिलाओं में साक्षी चौधरी (51 किग्रा), प्रीति पंवार (54 किग्रा), जैस्मिन लांबोरिया (57 किग्रा) व प्रिया घनघस (60 किग्रा) शामिल हैं।

हरियाणा की खेल नीति से निखर रही प्रतिभाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं, आधुनिक खेल अवसंरचना, बेहतर प्रशिक्षण तथा पारदर्शी खेल नीति उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी का परिणाम है कि प्रदेश के खिलाड़ी लगातार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि हरियाणा के खिलाड़ी आने वाले समय में भी इसी तरह देश के लिए नए कीर्तिमान स्थापित करते रहेंगे।

स्पेन-मोरक्को सीमा संकट में 67 लोगों की मौत, हजारों प्रवासी लौटे

एजेंसी, मैड्रिड। स्पेन और मोरक्को के बीच चल रहे सेउटा सीमा संकट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 67 हो गई है। स्पेनिश सरकार ने शनिवार को यह जानकारी दी। मारे गए लोगों में से कुछ की मौत समुद्र में डूबने से हुई, जबकि कुछ समुद्री दीवार यानी ब्रेकवाटर बैरियर पार करते समय मची भगदड़ का शिकार हो गए। वीरवार और शुक्रवार के बीच लगभग 60,000 प्रवासियों ने स्पेन के इस छोटे से क्षेत्र की सीमा में घुसपैठ की। इस भारी घुसपैठ के बाद, स्पेन ने घोषणा की है कि वह समुद्र में ब्रेकवाटर बाड़ के साथ-साथ 500 मीटर लंबा एक नया कंटेनमेंट बैरियर स्थापित कर रहा है।

शनिवार की सुबह जो कुछ थके-हारे प्रवासी तैरकर सेउटा के शहरी ताराजल समुद्र तट पर पहुंचे, उनका सामना वहां तैनात सैनिकों से हुआ। सैनिकों ने उन्हें तुरंत वापस सीमा पार खदेड़ दिया। स्पेन के गृह मंत्रालय के अनुसार, उत्तरी अफ्रीका स्थित स्पेनिश क्षेत्र में प्रवेश करने वाले अधिकांश प्रवासी पहले ही मोरक्को लौट चुके हैं। स्पेन में बेहतर जीवन की उम्मीद लेकर आए लोगों की भारी भीड़ और कई दिनों की अराजकता के बाद, शनिवार को सेउटा के निवासी एक असहज शांति के साथ सोकर उठे। हालांकि, 84,000 की आबादी वाले इस स्वायत्त शहर के निवासियों में सुरक्षा को लेकर अभी भी डर और चिंता का माहौल है।

- समुद्र में डूबने और भगदड़ से गई जानें

सेउटा के राष्ट्रपति जुआन जीसस विवास ने स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि सीमा पर हुई इस घटना के कारण शहर का जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है।

एफएसएसएआई ने किया स्विट्ज फूड्स का लाइसेंस निलंबित

एजेंसी, नई दिल्ली। खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने स्विट्ज फूड्स प्राइवेट लिमिटेड का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने शनिवार को इंटरनेट मीडिया पोस्ट में कहा कि फैक्ट्री के निरीक्षण के दौरान पाई गई गंभीर अनियमितताओं के बाद स्विट्ज फूड्स का लाइसेंस निलंबित किया गया। एफएसएसएआई ने कहा, फैक्ट्री में खाने-पीने की चीजे साफ-सफाई के बिना बनाई, पैक और स्टोर की जा रही थीं, जिससे उनके दूषित होने का बहुत अधिक खतरा था और खाने की सुरक्षा से समझौता किया जा रहा था। फैक्ट्री परिसर में मक्खियां, मच्छर और मकड़ी के जाले पाए गए। शाकाहारी और मांसाहारी खाने को एक ही जगह पर रखा गया था। एफएसएसएआई ने कंपनी को निर्देश दिए कि जब तक कमियों को ठीक न कर लिया जाए और खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के प्रविधानों का पूरी तरह से पालन न होने लगे वह उस जगह पर खाने-पीने से जुड़ी सभी गतिविधियां तुरंत रोक दे।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर सस्ता, दिल्ली में 202 व कोलकाता में 209 रुपए की कटौती

एजेंसी, नई दिल्ली। अगस्त के पहले दिन कमर्शियल एलपीजी उपभोक्ताओं को राहत मिली है। तेल विपणन कंपनियों ने 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बड़ी कटौती की है। दिल्ली में इसकी कीमत 202 रुपए और कोलकाता में 209 रुपए कम की गई है। नई दरों के अनुसार दिल्ली में 19 किलो वाला कमर्शियल सिलेंडर अब 2,728 रुपए में मिलेगा, जबकि कोलकाता में इसकी कीमत 2,872.50 रुपए हो गई है। यह कटौती होटल, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए राहत लेकर आई है, जहां खाना पकाने के लिए कमर्शियल एलपीजी का इस्तेमाल होता है। हालांकि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 14.2 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

- तेल कंपनियों ने घटाए एलपीजी के दाम
- 5 किलो वाले सिलेंडर की कीमत भी हुई कम

कमर्शियल एलपीजी की कीमतों में यह लगातार दूसरे महीने की कटौती है। इसके अलावा 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडर की कीमत में भी कमी की गई है। दिल्ली में इसकी कीमत 13 रुपए घटकर 808.50 रुपए हो गई है।

कुलगाम में आतंकियों ने दो हिंदू मजदूरों को नाम पूछकर मारी गोली

एजेंसी, श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में आतंकियों ने शुक्रवार रात ईंट-भट्ठे पर काम कर रहे दो हिंदू मजदूरों को नाम पूछकर गोली मार दी। हमले में दोनों मजदूरों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान छत्तीसगढ़ निवासी 24 वर्षीय दीपक रात्रे और 28 वर्षीय भूपेंद्र के रूप में हुई है। अधिकारियों के अनुसार घटना कुलगाम से करीब 20 किलोमीटर दूर केलाम क्षेत्र में हुई। स्थानीय लोगों ने गोलीबारी की 10-12 आवाजें सुनीं। घटना के बाद सुरक्षाबलों ने करीब दो किलोमीटर क्षेत्र को घेरकर तलाशी अभियान शुरू किया है। प्रारंभिक जांच में दो आतंकियों के बाइक से आने की बात सामने आई है। आशंका जताई जा रही है कि हमले में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) का हाथ हो सकता है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मृतकों के परिवारों को अतिरिक्त सहायता राशि देने की घोषणा की है।

राष्ट्रीय सुरक्षा के मजबूत स्तंभ बने अजीत डोभाल

अमित शाह ने की लोकमान्य तिलक अवॉर्ड सेरेमनी में एनएसए की तारीफ

एजेंसी, मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पुणे में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया। इस अवसर पर शाह ने डोभाल की जमकर तारीफ की और कहा कि 2014 के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिए गए हर बड़े राष्ट्रीय सुरक्षा फैसले के पीछे डोभाल की अहम भूमिका रही है।

अमित शाह ने कहा कि डोभाल की सलाह और रणनीतिक इनपुट्स ने भारत की सुरक्षा संरचना और रक्षा तैयारियों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि जब भी इतिहास लिखा जाएगा और कोई आंतरिक और बाहरी सुरक्षा का विश्लेषण करेगा, तो निश्चित रूप से अजीत डोभाल जी के लिए एक सुनहरा पन्ना सुरक्षित रखना होगा। इसमें कोई शक नहीं है।

शाह ने याद दिलाया कि 2014 में पदभार संभालने के बाद पीएम मोदी द्वारा लिए गए पहले फैसलों में से एक डोभाल को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त करना था। उन्होंने कहा कि इस कदम ने भारत के रणनीतिक रुख को बदल दिया। शाह ने कहा कि आज भारत की विदेश नीति इस्पात की रीढ़ वाली विदेश नीति बन गई है, इससे कोई इनकार नहीं कर सकता। हमने आत्मसम्मान के साथ दुनिया में अपनी स्थिति मजबूत की है।

इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) में डोभाल के दशकों लंबे करियर की प्रशंसा करते हुए, शाह ने कहा कि डोभाल ने सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण, तकनीक को मजबूत करने, परिचालन क्षमता बढ़ाने और देश की रक्षा तैयारियों में सुधार करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई है।

सीएम रेखा गुप्ता ने किया दिल्ली लक्ष्मी योजना पोर्टल लॉन्च, पात्र महिलाओं को हर माह मिलेंगे 2500 रुपए

एजेंसी, नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को पूर्वी दिल्ली के जिला अधिकारी (डीएम) कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान दिल्ली लक्ष्मी योजना के ऑनलाइन पोर्टल का शुभारंभ किया। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। सरकार का लक्ष्य 17 लाख से अधिक महिलाओं को योजना का लाभ पहुंचाना है।

योजना के लिए वर्ष 2026-27 के बजट में 5,110 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। आवेदन प्रक्रिया पोर्टल के माध्यम से शनिवार से शुरू हो गई और पात्रता के सत्यापन के बाद पहली किस्त रक्षाबंधन के अवसर पर जारी करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह योजना केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता को मजबूत करने का माध्यम है।

उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि पात्र महिलाओं तक योजना का लाभ पारदर्शी तरीके से पहुंचे, जिससे वे अपनी जरूरतों को पूरा कर सकें और परिवार की आर्थिक मजबूती में योगदान दे सकें। कार्यक्रम में विधायक एवं जिला विकास समिति के चेयरमैन अनिल गोयल, विधायक संजय गोयल, विधायक ओमप्रकाश शर्मा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

वहीं, कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को पोर्टल के माध्यम से आवेदन प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई और अधिक से अधिक पात्र महिलाओं से योजना का लाभ उठाने की अपील की गई।

सौगात प्रधानमंत्री मोदी ने किया आंध्र प्रदेश के पहले ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का उद्घाटन

विजयनगरम को मिला आधुनिक हवाई अड्डे का तोहफा

एजेंसी, अमरावती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अपने आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले के भोगपुरम में नवनिर्मित अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का भव्य उद्घाटन किया। एयरपोर्ट के उद्घाटन से पहले पीएम मोदी ने पैसेंजर टर्मिनल भवन का दौरा कर वहां उपलब्ध विश्वस्तरीय आधुनिक सुविधाओं का जायजा लिया व परिसर का निरीक्षण किया।

लगभग 5,600 करोड़ रुपए की लागत से पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत 2,700 एकड़ से अधिक भूमि पर तैयार यह ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट देश के सबसे तेजी से निर्मित होने वाले एयरपोर्ट्स में से एक है। यह परियोजना अपने निर्धारित समय से करीब पांच महीने पहले ही पूरी हो गई है। इसे डीजीसीए से पूर्ण संचालन का लाइसेंस भी मिल चुका है। शुरुआती चरण में यह एयरपोर्ट प्रतिवर्ष 60 लाख यात्रियों को संभालने में सक्षम है, वहीं भविष्य की आवश्यकताओं को देखने हुए 4 करोड़ यात्रियों तक बढ़ाने की व्यापक योजना है। इसके पैसेंजर टर्मिनल का स्थापत्य डिजाइन आंध्र प्रदेश की पारंपरिक चुट्टिलू झोपड़ी, अराकू घाटी की प्राकृतिक सुंदरता और उड़ती हुई मछली की सुंदर चाल से प्रेरित होकर तैयार किया गया है। हवाई अड्डे पर 3,800 मीटर लंबा कोड-ई रनवे बनाया गया है, जिस पर बोइंग 777, 787 ड्रीमलाइनर और एयरबस ए330/ए340 जैसे दुनिया के बड़े यात्री और मालवाहक विमान आसानी से लैंड कर सकते हैं।

- भोगपुरम एयरपोर्ट में मिलेंगी विश्वस्तरीय सुविधाएं
- एआई, बायोमेट्रिक एंट्री व ऑटोमेटेड बैगेज जैसी सुविधाओं से लैस

इस एयरपोर्ट के संचालन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), बायोमेट्रिक एंट्री, बैगेज ऑटोमेशन और प्रेडिक्टिव टेक्नोलॉजी जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का प्रयोग किया गया है। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए यहां 5 मेगावाट का सोलर पावर प्लांट, वर्षा जल संचयन और इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग स्टेशन जैसी हरित व्यवस्थाएं की गई हैं।

कोटखाई में बड़ी उपलब्धि बना केंद्रीय विद्यालय : रोहित

शिक्षा मंत्री ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों से किया संवाद, जल्द बनेगा स्थायी भवन

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने केंद्रीय विद्यालय कोटखाई में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं अभिभावकों से संवाद कर शिक्षा के महत्व पर विचार साझा किए तथा विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर दिए। उन्होंने कहा कि कोटखाई में केंद्रीय विद्यालय की स्वीकृति और शैक्षणिक सत्र का आरंभ क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इससे सरकार के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के प्रयासों को मजबूती मिलेगी और आने वाले समय में इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि केंद्रीय विद्यालय संगठन देशभर में एक समान, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा उपलब्ध कराता है। यहां एनसीईआरटी और सीबीएसई के पाठ्यक्रम का प्रभावी ढंग से पालन किया जाता है, जिससे विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी का अवसर मिलता है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय विद्यालयों में कम एवं पारदर्शी शुल्क पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, देशभर में सहज ट्रांसफर सुविधा, एक समान पाठ्यक्रम, अखिल भारतीय स्तर पर चयनित शिक्षक तथा आधुनिक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जाता है।

उन्होंने कहा कि स्मार्ट क्लासरूम, विज्ञान प्रयोगशालाएं, रोबोटिक्स, खेल सुविधाएं, यूथ पार्लियामेंट, साइंस फेयर और कला गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। रोहित ठाकुर ने बताया कि केंद्रीय विद्यालय का स्थायी भवन शीघ्र ही कोटखाई के समीप कुफटू फार्म में बनाया जाएगा। वर्तमान में विद्यालय का संचालन राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (कन्या), कोटखाई के भवन से किया जा रहा है।

प्रदेश सरकार की शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य के कुल बजट का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा शिक्षा पर व्यय किया जा रहा है। सरकार की प्राथमिकता दुर्गम क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना है। इसी उद्देश्य से प्रदेश के 151 विद्यालयों में प्रथम चरण में सीबीएसई पाठ्यक्रम लागू किया गया है। उन्होंने बताया कि सरकार के कार्यकाल की शुरुआत में शिक्षा विभाग में लगभग 15 हजार पद रिक्त थे, जिनमें से करीब 9 हजार पद भरे जा चुके हैं, जबकि लगभग 3 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है।

शिक्षा मंत्री ने डीएवी महाविद्यालय, कोटखाई में 1.60 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित कन्या छात्रावास भवन का उद्घाटन भी किया। छात्रावास में 36 बेड, मैस तथा दो वार्डन कक्ष बनाए गए हैं। इस परियोजना के लिए वर्ष 2024 में रूसा के तहत 1.60 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए थे।

महाविद्यालय में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि डीएवी देश के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित निजी शैक्षणिक नेटवर्क में से एक है। स्वामी दयानंद सरस्वती के विचारों और आर्य समाज के सिद्धांतों पर आधारित यह संस्थान आधुनिक शिक्षा को भारतीय संस्कृति और वैदिक मूल्यों के साथ जोड़ने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि डीएवी महाविद्यालय, कोटखाई क्षेत्र का एक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान है, जो विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करा रहा है।

कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र मेहता, जिला परिषद सदस्य रेखा चौहान एवं मीनाक्षी मांजटा, पंचायत समिति अध्यक्ष विजया राजटा, तहसील यूनियन कोटखाई के गुमान सिंह, कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के निदेशक देविंदर नेगी, उपनिदेशक शिक्षा लेखराज भारद्वाज, युवा कांग्रेस अध्यक्ष दीपक काल्टा, ब्लॉक युवा कांग्रेस अध्यक्ष अतुल चौहान, उपमंडल दंडाधिकारी गुरमीत नेगी, विभिन्न विभागों के अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हिमाचल में प्रतिशोध की राजनीति कर रही कांग्रेस सरकार : जयराम ठाकुर

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कांग्रेस सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध और प्रशासन के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा नेताओं, विधायकों, जिला परिषद सदस्यों और पंचायत प्रतिनिधियों को चुन-चुनकर निशाना बनाया जा रहा है तथा झूठे मुकदमे दर्ज कर विपक्ष की आवाज़ दबाने का प्रयास हो रहा है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने विकास कार्यों को गति देने के बजाय राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ कार्रवाई को प्राथमिकता दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल, विधायक सुधीर शर्मा, होशियार सिंह, आशीष शर्मा तथा पूर्व मंत्री सुखराम चौधरी सहित कई नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की गई। साथ ही भाजपा से जुड़े जनप्रतिनिधियों को भी विभिन्न नोटिस देकर परेशान किया जा रहा है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ रही है और अपराध बढ़ रहे हैं, लेकिन सरकार का पूरा ध्यान राजनीतिक विरोधियों पर मामले दर्ज कराने में लगा है। उन्होंने फोन टैपिंग और कथित सर्विलांस के आरोपों की निष्पक्ष जांच की भी मांग की।

जयराम ठाकुर ने कहा कि भाजपा प्रदेशभर से कांग्रेस सरकार के कथित भ्रष्टाचार, वित्तीय कुप्रबंधन, सत्ता के दुरुपयोग और जनविरोधी निर्णयों से जुड़े मामलों का दस्तावेजी संकलन कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से प्रतिशोध की राजनीति छोड़कर लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करने की अपील करते हुए कहा कि यदि सरकार ने अपनी कार्यशैली नहीं बदली तो प्रदेश की जनता 2027 के विधानसभा चुनाव में इसका लोकतांत्रिक जवाब देगी।

ऊना बल्क ड्रग पार्क को केंद्र से 1000 करोड़ की मंजूरी

हिमाचल में फार्मा उद्योग को मिलेगी नई उड़ान : अनुराग

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा लोकसभा में पूछे गए अतारांकित प्रश्न के उत्तर में केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने बताया है कि ऊना जिले के हरोली में स्थापित किए जा रहे बल्क ड्रग पार्क के कॉमन इंफ्रास्ट्रक्चर फैसिलिटीज (CIF) के विकास के लिए केंद्र सरकार ने प्रमोशन ऑफ बल्क ड्रग पार्क्स योजना के अंतर्गत ₹1000 करोड़ की ग्रांट-इन-एड स्वीकृत की है। परियोजना की कुल अनुमानित लागत ₹1923 करोड़ है, जबकि कॉमन इंफ्रास्ट्रक्चर फैसिलिटीज की लागत ₹1118.46 करोड़ निर्धारित की गई है।

मंत्रालय के अनुसार पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए 5 मिलियन लीटर प्रतिदिन (MLD) क्षमता वाले जीरो लिक्विड डिस्चार्ज (ZLD) आधारित कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (CETP) को ₹244.43 करोड़ की लागत से स्वीकृति दी गई है। परियोजना को 25 सितंबर 2025 को पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है तथा सिविल कार्यों, साइट डिमार्केशन और स्टीम जनरेशन से जुड़े प्रमुख टेंडर आवंटित किए जा चुके हैं। पहले चरण में 800 एकड़ क्षेत्र में कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है।

अनुराग ने कहा कि यह परियोजना हिमाचल प्रदेश के औद्योगिक विकास की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश को देश के केवल तीन बल्क ड्रग पार्कों में स्थान दिलाना निरंतर प्रयासों, दूरदर्शी सोच और केंद्र सरकार के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना प्रदेश को देश के प्रमुख फार्मास्यूटिकल विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करेगी और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करेगी। अनुराग ने कहा कि बल्क ड्रग पार्क के विकसित होने से प्रदेश में ₹8,000 से ₹10,000 करोड़ तक का निवेश आकर्षित होने की संभावना है तथा 15,000 से 20,000 युवाओं के लिए प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि पार्क में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, सॉल्वेंट रिकवरी सिस्टम, केंद्रीकृत यूटिलिटीज, विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति और पर्याप्त जल उपलब्धता जैसी विश्वस्तरीय साझा सुविधाएं विकसित की जा रही हैं, जिससे उद्योगों की पूंजीगत एवं परिचालन लागत में उल्लेखनीय कमी आएगी।

हिमाचल विधानसभा सत्र 21 से होगा शुरू

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि चौदहवीं विधान सभा का 12वां सत्र 21 अगस्त को पूर्वाह्न 11:00 बजे आरंभ होगा। पठानिया ने कहा कि यह सत्र 3 सितंबर तक चलेगा तथा कुल 10 बैठकें आयोजित की जाएंगी। उन्होने कहा कि राज्यपाल की संस्तुती उपरान्त विधानसभा सचिवालय द्वारा शनिवार को इसकी अधिसूचना जारी की गई है। पठानिया ने कहा कि 22 अगस्त को शनिवार के दिन भी बैठक आयोजित की जाएगी जबकि 28, 29 व 30 अगस्त को बैठके नहीं होंगी। उन्होंने कहा कि 28 अगस्त को रक्षा बंधन तथा 29 अगस्त को शनिवार होने की वजह से बैठकें आयोजित नहीं की जाएंगी। पठानिया ने कहा कि 27 अगस्त, का दिन गैर सरकारी सदस्य कार्य दिवस के लिए निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि सत्र की अधिसूचना जारी होने के साथ ही माननीय सदस्य अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित सूचनाएं ऑफलाइन तथा ऑनलाइन विधानसभा सचिवालय को भेज सकते हैं।

शिमला पुलिस ने नशा तस्करी के 3 किंगपिन किए गिरफ्तार

तकनीकी और वित्तीय जांच से टूटे अंतरराज्यीय चिट्टा तस्करी नेटवर्क, 48 गिरोह ध्वस्त

अनीश सूद, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। नशा तस्करी के खिलाफ शिमला पुलिस ने अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव करते हुए अब केवल नशे की खेप पकड़ने तक सीमित रहने के बजाय पूरे सप्लाई नेटवर्क के मुख्य संचालकों (किंगपिन) तक पहुंचने की कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस वैज्ञानिक, तकनीकी और वित्तीय जांच के माध्यम से नशा तस्करी के अंतरराज्यीय नेटवर्क को तोड़ने में जुटी है। इसी अभियान के तहत दो अलग-अलग मामलों में बाहरी राज्यों से जुड़े तीन मुख्य सप्लायरों को गिरफ्तार किया गया है।

पहला मामला पुलिस थाना पश्चिमी शिमला का है। 8 जुलाई 2026 को शोघी बैरियर पर स्पेशल सेल ने एचआरटीसी बस की जांच के दौरान अनुज राजटा निवासी कुमारसैन के कब्जे से 6 ग्राम चिट्टा बरामद किया था। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

जांच के दौरान पुलिस ने मोबाइल फोन, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर), इंटरनेट रिकॉर्ड, डिजिटल साक्ष्यों और गूगल पे लेन-देन का विश्लेषण कर पूरे नेटवर्क का खुलासा किया। जांच में साजन सिंह निवासी कपूरथला और जतिन कुमार निवासी फिरोजपुर की संलिप्तता सामने आई। पुलिस टीम ने पंजाब में दबिश देकर दोनों को गिरफ्तार किया। जांच में साजन सिंह को नेटवर्क का मुख्य संचालक और जतिन कुमार को सप्लाई करने वाला व्यक्ति पाया गया।

दूसरा मामला पुलिस थाना रामपुर का है। 17 जुलाई 2026 को रोपड़ू नाला क्षेत्र में जांच के दौरान पुलिस ने एक कार से 9 ग्राम चिट्टा, डिजिटल वजन मशीन और 26 हजार रुपये नकद बरामद किए। मामले में अजेन्द्र कुमार, मोनिका और निखिल को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ और तकनीकी जांच में सामने आया कि बरामद नशा चंडीगढ़ के मनीमाजरा क्षेत्र में सक्रिय रवि उर्फ रवि गिल से खरीदा गया था। पुलिस ने हरियाणा के पिंजौर से रवि गिल को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार वर्ष 2026 में अब तक शिमला पुलिस ने 63 मुख्य सप्लायरों को गिरफ्तार कर 48 बड़े अंतरराज्यीय नशा तस्करी नेटवर्क ध्वस्त किए हैं। यह उपलब्धि पिछले वर्षों की तुलना में काफी अधिक है। पुलिस का कहना है कि भविष्य में भी वित्तीय नेटवर्क और मुख्य सप्लायरों पर कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि नशे की सप्लाई चेन को पूरी तरह समाप्त किया जा सके।

बिलासपुर पुलिस ने 24 घंटे में 43 .57 ग्राम चिट्टे के साथ 9 आरोपी दबोचे

- नशा तस्करों पर शिकंजा पुलिस ने दर्ज किए 5 मामले और तोड़ी सप्लाई चेन
- बैकवर्ड-फॉरवर्ड लिंकेज से मुख्य सप्लायरों तक पहुंचेगी पुलिस

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बिलासपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर 43.57 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद कर 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक धीमान ने बताया कि 31 जुलाई से 1 अगस्त 2026 के बीच अलग-अलग क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए पांच मामले दर्ज किए गए हैं। 1 अगस्त को पट्टा फोरलेन पर नाकाबंदी के दौरान वोल्वो बस की जांच में फरीदकोट निवासी तरसेम सिंह (41) के कब्जे से 15.40 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया। वहीं 31 जुलाई को तुनू फोरलेन पर बाइक सवार गुड्डू राम और विक्रम निवासी सुंदरनगर से 9.01 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ।

इसी दिन डुमेहर क्षेत्र में पिकअप वाहन की जांच के दौरान संजय कुमार उर्फ काला और शशिकांत निवासी घुमारवीं से 8.24 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया। मझासू (कंदरौर) के पास वोल्वो बस से गोरखपुर निवासी रामू (21) के कब्जे से 8.72 ग्राम हेरोइन मिली। इसके अलावा गसौड़ क्षेत्र में पुलिस ने मनीश कुमार, सुभाष ठाकुर और संदीप कुमार से 2.20 ग्राम चिट्टा बरामद किया।

पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज किए हैं। पुलिस प्रशासन ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ कर नशे की सप्लाई चेन, स्रोत और आगे की बिक्री से जुड़े नेटवर्क की जांच की जा रही है। पुलिस का लक्ष्य केवल छोटे तस्करों तक सीमित न रहकर मुख्य सप्लायरों तक पहुंचना है।

11 से 25 अगस्त तक लगेगा विश्व विख्यात श्री ज्वालामुखी श्रावण अष्टमी नवरात्र मेला

लाखों श्रद्धालुओं के स्वागत को तैयार ज्वालामुखी

- श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा व सुव्यवस्थित दर्शन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता : संजय रत्न
- मेले में 50 अतिरिक्त होमगार्ड और 80 अस्थायी सफाई कर्मी रहेंगे तैनात

भारतेन्दु संवाददाता, ज्वालामुखी। विश्व विख्यात शक्तिपीठ श्री ज्वालामुखी मंदिर में आयोजित होने वाले श्रावण अष्टमी नवरात्र मेले के सफल आयोजन को लेकर मंदिर न्यास के स्वागत कक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। सहायक आयुक्त (मंदिर) एवं उपमंडलाधिकारी (ना.) ज्वालामुखी डॉ. संजीव शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में स्थानीय विधायक संजय रत्न ने विशेष रूप से शिरकत की और विभिन्न विभागों द्वारा की जा रही तैयारियों का विस्तृत ब्योरा लिया।

बैठक में विधायक संजय रत्न ने कहा कि इस वर्ष श्रावण अष्टमी नवरात्र मेला 11 से 25 अगस्त तक कुल 15 दिनों तक चलेगा। उन्होंने कहा कि देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित दर्शन प्रणाली को प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को प्रभावी कतार प्रबंधन के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए विशेष इंतजाम करने के निर्देश दिए। मेले के दौरान सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल के अलावा 50 अतिरिक्त होमगार्ड जवानों की तैनाती की जाएगी और नगर परिषद को पूरे क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने के लिए 80 अस्थायी सफाई कर्मचारी तैनात करने के निर्देश दिए गए । इसके अतिरिक्त, यातायात को सुचारू रखने, पार्किंग स्थलों के बेहतर प्रबंधन और श्रद्धालुओं के मार्गदर्शन के लिए जगह-जगह सूचना संकेतक लगाने पर बल दिया गया। स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा मानकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए विधायक ने मंदिर परिसर में मेडिकल कैंप लगाने, पर्याप्त दवाइयों, डॉक्टरों व 108 एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग को मेले में बिकने वाली सामग्री की गुणवत्ता जांचने और दुकानों पर खाद्य पदार्थ ढककर रखवाने के आदेश दिए गए। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से सेवा भावना और स्नेहपूर्ण व्यवहार के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

बैठक के समापन पर सहायक आयुक्त डॉ. संजीव शर्मा ने सभी संबंधित विभागों को सौंपे गए कार्यों को समय सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए और विश्वास जताया कि सभी विभागों के बेहतर समन्वय से मेले का आयोजन भव्य, सुरक्षित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होगा।

इस अवसर पर सहायक आयुक्त मंदिर एवं एसडीएम ज्वालामुखी डॉ संजीव शर्मा, तहसीलदार अजय मडंयाल, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग विवेक शर्मा, जल शक्ति विभाग अनीश, बिजली बोर्ड करणवीर सिंह, नगर परिषद अध्यक्ष सोम किरण, उपाध्यक्ष दीप्ति शर्मा, न्यास सदस्य प्रधान दिव्याशु भूषण दत्त, सदस्य जितेश, दपीक, अवनिंद्र, शैलेन्द्र, विरेन्द्र सूद सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय में अजय पाराशर और अश्वनी कुमार को दी विदाई

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय में संयुक्त निदेशक अजय पाराशर और वरिष्ठ आशुलिपिक अश्वनी कुमार के सम्मान में गरिमामय सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक सूचना एवं जन सम्पर्क राजीव कुमार ने की। उन्होंने दोनों अधिकारियों की दीर्घकालीन सेवाओं और विभाग के प्रति उनके समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उनकी कार्यशैली, अनुशासन और निष्ठा आने वाली पीढ़ी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगी। अजय पाराशर ने वर्ष 1998 में जिला लोक सम्पर्क अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं शुरू की थीं, जबकि अश्वनी कुमार ने 1988 में आशुलिपिक के रूप में विभाग में योगदान दिया था। दोनों ने अपने लंबे कार्यकाल के दौरान विभिन्न दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। समारोह में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी दोनों को सम्मानित करते हुए उनके स्वस्थ, सुखद व आनंदमय सेवानिवृत्त जीवन की शुभकामनाएं दीं।

मानसून कई जिलों में येलो चेतावनी, भूस्खलन और बाढ़ का खतरा बढ़ा, लोगों से सतर्क रहने की सलाह

हिमाचल में 7 तक भारी बारिश का अलर्ट

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में अगले एक सप्ताह तक मानसून सक्रिय रहने का अनुमान है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार 7 अगस्त तक राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। इसे देखते हुए अलग-अलग दिनों में कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। लगातार बारिश के कारण भूस्खलन और अचानक बाढ़ का खतरा भी बना हुआ है।

शनिवार को राजधानी शिमला सहित राज्य के अधिकांश हिस्सों में दिनभर बादल छाए रहे। मौसम विज्ञान केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के कई क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक 50 मिलीमीटर वर्षा मंडी जिले के पंडोह में हुई। इसके अलावा चंबा के चुआड़ी और शिमला में 40-40 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। शिमला के सराहन, मंडी के सलापड़ और कटौला, जुब्बड़हट्टी, जोत, चंबा और कुफरी में 30-30 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के लिए कांगड़ा, मंडी और सिरमौर जिलों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। 3 अगस्त को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा और कांगड़ा में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। 4 अगस्त को चंबा और मंडी, जबकि 5 अगस्त को शिमला और सिरमौर जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। विभाग ने लोगों को नदी-नालों के किनारे जाने से बचने और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

लगातार हो रही बारिश का असर राज्य के सड़क नेटवर्क पर भी साफ दिखाई दे रहा है। भूस्खलन और मलबा आने के कारण प्रदेश में 100 से अधिक सड़कें अब भी बंद हैं। इनमें सबसे अधिक सड़कें मंडी और कुल्लू जिलों में अवरुद्ध हैं, जिससे कई ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क प्रभावित हुआ है। लोक निर्माण विभाग और प्रशासन की टीमें सड़कों को बहाल करने में जुटी हैं, लेकिन लगातार बारिश के कारण राहत कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक मॉनसून की गतिविधियां बनी रहेंगी। ऐसे में संवेदनशील इलाकों में भूस्खलन, चट्टानें गिरने और जलभराव की घटनाएं बढ़ सकती हैं। प्रशासन ने लोगों से मौसम की चेतावनियों का पालन करने और बिना जरूरी काम के खराब मौसम में यात्रा से बचने की अपील की है।

पोस्टरों में उभरा अंगदान का मानवीय संदेश

काशिका चंद्र ने पोस्टर मेकिंग में हासिल किया पहला स्थान

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राज्य अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन हिमाचल प्रदेश द्वारा *"अंगदान जीवन संजीवनी अभियान-2026"* के तहत शनिवार को जवाहर लाल नेहरू राजकीय ललित कला महाविद्यालय, शिमला में अंतर महाविद्यालय पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समाज में इसके महत्व का संदेश पहुंचाना था।

कार्यक्रम में आईजीएमसी शिमला के रीनल ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. संजीव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवित अंगदान और मरणोपरांत अंगदान की प्रक्रिया एवं महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अंगदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है और एक व्यक्ति का निर्णय कई जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन दे सकता है। उन्होंने युवाओं से स्वयं जागरूक होने के साथ-साथ परिवार और समाज को भी अंगदान के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. कामायनी बिष्ट और पेंटिंग विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर अंजना भारद्वाज से स्ह ह की टीम ने शिष्टाचार भेंट की। प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने आकर्षक और संदेशपूर्ण पोस्टरों के माध्यम से अंगदान की महत्ता को रचनात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। निर्णायकों ने कला, संदेश की स्पष्टता और प्रस्तुति के आधार पर विजेताओं का चयन किया।

प्रतियोगिता में काशिका चंद्र ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। हंस जोशी और दीपिका संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान पर रहे, जबकि दिव्या और अंजलि जायसवाल ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान हासिल किया। समापन अवसर पर विजेताओं और प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। आयोजकों ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी और अंगदान के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने में सहायक हैं।

उत्तराखंड में बारिश का कहर, 82 सड़कें बंद

भारी बारिश की चेतावनी के बीच प्रशासन अलर्ट

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने राज्य के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा तथा कई पर्वतीय जिलों में भारी बारिश, आकाशीय बिजली और तेज से अति तीव्र वर्षा की चेतावनी जारी की है। लगातार बारिश के कारण प्रदेश में 82 सड़कें बंद हैं, जबकि रुद्रप्रयाग में मंदाकिनी नदी चेतावनी स्तर पर पहुंच गई है।

मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, देहरादून, टिहरी, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, नैनीताल और चम्पावत जिलों में कहीं-कहीं भारी वर्षा हो सकती है। पर्वतीय क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने तथा तेज से अति तीव्र वर्षा के दौर की भी संभावना है। वहीं हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर में भी गरज-चमक के साथ बिजली चमकने की चेतावनी जारी की गई है।

मानसून की मार से उत्तराखंड बेहाल, भूस्खलन का बढ़ा खतरा

मौसम विभाग ने भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने, अनावश्यक यात्रा से बचने तथा नदी-नालों से दूर रहने की सलाह दी है। विभाग ने चेताया है कि भारी वर्षा के कारण संवेदनशील क्षेत्रों में भूस्खलन, चट्टान गिरने, सड़कों के अवरुद्ध होने, निचले इलाकों में जलभराव तथा छोटे नदी-नालों के उफान पर आने की स्थिति बन सकती है।

◆ भारी बारिश की चेतावनी के बीच उत्तराखंड हाई अलर्ट पर

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की सुबह की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में कुल 82 सड़कें अवरुद्ध हैं। इनमें तीन राष्ट्रीय राजमार्ग, एक राज्य राजमार्ग, दो बीआरओ मार्ग, दो एमडीआर, एक ओडीआर और 73 अन्य सड़कें शामिल हैं। सबसे अधिक 24 सड़कें चमोली, 14 पिथौरागढ़, नौ-नौ रुद्रप्रयाग और टिहरी बागेश्वर में सात सड़कें में बंद हैं।

बारिश से बिगड़े हालात, मंदाकिनी नदी चेतावनी स्तर पर पहुंची

रुद्रप्रयाग में मंदाकिनी चेतावनी स्तर पर

जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र (डीईओसी) के अनुसार, शनिवार सुबह जनपद में मौसम बादलों और कोहरे से घिरा रहा। सुबह सात बजे जारी आंकड़ों के मुताबिक मंदाकिनी नदी का जलस्तर 625.00 मीटर दर्ज किया गया, जो इसके चेतावनी स्तर के बराबर है। वहीं अलकनंदा नदी का जलस्तर 625.80 मीटर रहा, जबकि इसका चेतावनी स्तर 626.00 मीटर है। स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने नगर निकायों के माध्यम से लाउडस्पीकर से लोगों से नदी किनारों से दूर रहने और अनावश्यक रूप से नदी के समीप नहीं जाने की अपील की है।

प्रशासन ने की लोगों से अपील

प्रशासन ने बताया कि भूस्खलन, सड़क अवरुद्ध होने, जलभराव, मकान क्षति अथवा अन्य किसी भी आपदा संबंधी सूचना मिलते ही संबंधित विभागों और राहत-बचाव दलों को तत्काल मौके पर भेजा जाएगा। नागरिकों से अपील की गई है कि किसी भी आपात स्थिति में जिला आपदा नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 9068187120 और 7055753124 पर तुरंत सूचना दें। प्रशासन ने लोगों से वर्षा के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचने, नदी-नालों एवं संवेदनशील क्षेत्रों से दूर रहने और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने की अपील की है।

धारचूला में चीन सीमा का संपर्क मार्ग बहाल, सात घंटे बाद खुला रास्ता

◆ बीआरओ की कार्रवाई से बहाल हुआ सीमांत क्षेत्र का रास्ता

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड के सीमांत क्षेत्र धारचूला में चीन सीमा को जोड़ने वाला संपर्क मार्ग सात घंटे बाद फिर से बहाल हो गया। कैलास मानसरोवर यात्रा मार्ग पर टनकपुर तवाघाट हाईवे के एलागाड़ क्षेत्र में भारी मलबा और बड़े बोल्डर गिरने से यातायात पूरी तरह बाधित हो गया था। इससे चीन सीमा से लगे क्षेत्रों का संपर्क कुछ समय के लिए कट गया था।

मार्ग बंद होने की सूचना मिलते ही सीमा सड़क संगठन यानी बीआरओ ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। बीआरओ की टीम ने मशीनों की मदद से सड़क पर जमा मलबे और पत्थरों को हटाने का कार्य किया। लगातार प्रयास के बाद करीब सात घंटे में मार्ग को आवाजाही के लिए खोल दिया गया।

मार्ग बहाल होने से स्थानीय लोगों के साथ साथ सीमांत क्षेत्रों में तैनात सुरक्षा बलों को भी राहत मिली है। मानसून के दौरान पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन और पत्थर गिरने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ऐसे में बीआरओ की त्वरित कार्रवाई से लोगों को बड़ी राहत मिली।

कैलास मानसरोवर यात्रा मार्ग रणनीतिक और धार्मिक दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। इस मार्ग के बंद होने से यात्रियों और स्थानीय लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। प्रशासन और बीआरओ की टीमें लगातार क्षेत्र में निगरानी बनाए हुए हैं ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कदम उठाए जा सकें।

न्यूज शॉर्ट्स

चंपावत में बीएसएनएल पोल लगाते समय करंट से मजदूर की मौत

भारतेंदु संवाददाता, चंपावत। चंपावत के पाटी ब्लॉक के जौलाडी क्षेत्र में शनिवार को बीएसएनएल पोल लगाने के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से चार मजदूर करंट से झुलस गए। हादसे में 19 वर्षीय सुशील शाही की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य मजदूर घायल हो गए। एक घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई।

सतौली गांव में छेड़छाड़ के आरोप पर दो युवक पकड़े गए

भारतेंदु संवाददाता, नैनीताल। नैनीताल के रामगढ़ ब्लॉक के सतौली गांव में युवतियों से कथित छेड़छाड़ और हंगामे का मामला सामने आया है। आरोप है कि बाहरी क्षेत्र से आए कुछ युवकों ने युवतियों से अभद्रता की। विरोध करने पर ग्रामीणों ने एकजुट होकर दो युवकों को पकड़ लिया और उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति बनी रही। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

देहरादून में घर लौटते समय नाले में गिरा युवक, देर रात मिला शव

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। माजरा क्षेत्र में शुक्रवार देर रात 21 वर्षीय युवक की नाले में गिरकर मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और काफी प्रयास के बाद युवक का शव नाले से बाहर निकाला। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान अमित सेमवाल (21 वर्ष) निवासी माजरा, पटेलनगर के रूप में हुई है। अमित सेंट ज्यूड्स स्कूल की कैंटीन में कार्यरत था।

मसूरी में अवैध मजार पर चला प्रशासन का बुलडोजर भारी पुलिस बल तैनात

भारतेंदु संवाददाता, मसूरी। प्रशासन ने लंढौर क्षेत्र के अंडाखेत के नीचे स्थित एक धार्मिक संरचना को भारी पुलिस बल की मौजूदगी में ध्वस्त कर दिया। इस अवसर पर मुस्लिम समाज द्वारा विरोध भी किया गया, लेकिन विरोध करने वालों को संरचना स्थल से बहुत पहले रोक दिया गया था।

देहरादून: आयुष वर्मा मौत मामले में पिता ने निष्पक्ष जांच की उठाई मांग

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। देहरादून में पीएचडी छात्र आयुष वर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में उनके पिता संत कुमार वर्मा ने निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने

◆ पिता बोले- आत्महत्या मानना जल्दबाजी होगी

शासन और पुलिस प्रशासन को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि घटना से जुड़े कई तथ्य सामान्य आत्महत्या की घटना से अलग और संदिग्ध प्रतीत होते हैं। पिता के अनुसार घटना के दिन घर की सीसीटीवी व्यवस्था बंद थी, सुरक्षा गार्ड मौजूद नहीं था और घरेलू सहायिका भी नहीं आई थी। उन्होंने पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फोरेंसिक साक्ष्य, मोबाइल रिकॉर्ड, लोकेशन डाटा और घटनास्थल की वैज्ञानिक जांच कराने की मांग की है। आयुष वर्मा देहरादून में पीएचडी कर रहे थे और कथित रूप से फांसी लगने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया था, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके पिता का कहना है कि मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए किसी वरिष्ठ अधिकारी, विशेष जांच दल या सीआईडी से जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी निर्दोष व्यक्ति को आरोपित करना नहीं, बल्कि बेटे की मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाना है।

ऋषिकेश : बाढ़ सुरक्षा कार्यों को मिली वित्तीय मंजूरी, 4.73 करोड़ से होंगे विकास कार्य

भारतेंदु संवाददाता, ऋषिकेश। ऋषिकेश विधानसभा क्षेत्र के साहब नगर डांडी गांव और भट्टोंवाला गुमानीवाला क्षेत्र के लोगों के लिए राहत भरी खबर है। सौंग नदी और बंगाला नाला क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही बाढ़ और जलभराव की समस्या के समाधान के लिए सिंचाई विभाग उत्तराखंड को बाढ़ सुरक्षा कार्यों की वित्तीय स्वीकृति मिल गई है। इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत लगभग 4.73 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए इस योजना की पहली किश्त के रूप में 2.83 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। स्वीकृति मिलने के बाद क्षेत्र में सुरक्षा कार्यों का रास्ता साफ हो गया है। इन कार्यों के पूरा होने से स्थानीय निवासियों, किसानों और क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को बाढ़ के खतरे से राहत मिलने की उम्मीद है।

प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाते हुए किया पौधारोपण।

साहब नगर, डांडी गांव, भट्टोंवाला और गुमानीवाला क्षेत्र बरसात के दौरान जलभराव और नदी के कटाव की समस्या से प्रभावित रहे हैं। इससे लोगों को कई बार नुकसान उठाना पड़ा है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए ऋषिकेश विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने शासन और प्रशासन के स्तर पर लगातार प्रयास किए। अब वित्तीय स्वीकृति मिलने से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने की उम्मीद है।

देहरादून की पावनी छाबड़ा बनीं मिस टीन टूरिज्म ग्लोब 2026

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारतीय संस्कृति और प्रतिभा का परचम लहराया

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून की युवा प्रतिभा पावनी छाबड़ा ने अपनी मेहनत, आत्मविश्वास और प्रतिभा के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है। पावनी ने मिस टीन टूरिज्म ग्लोब 2026 का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम कर भारत के साथ-साथ उत्तराखंड को भी गौरवान्वित किया है। इस उपलब्धि के बाद देहरादून सहित पूरे प्रदेश में खुशी का माहौल है और लोग पावनी की सफलता को युवा प्रतिभाओं के लिए प्रेरणादायक बता रहे हैं।

फिलीपींस की प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संस्था की ओर से आयोजित मिस टीन टूरिज्म ग्लोब 2026 प्रतियोगिता में दुनिया के कई देशों की प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। जापान, रूस, भारत, दुबई, संयुक्त अरब अमीरात और फिलीपींस सहित कई देशों की प्रतिभागियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। पावनी ने अपनी प्रभावशाली व्यक्तित्व, आत्मविश्वास, मंच प्रस्तुति और भारतीय संस्कृति की शानदार अभिव्यक्ति के माध्यम से निर्णायकों को प्रभावित किया और विजेता का ताज अपने नाम किया।

मेहनत और प्रतिभा से विश्व में बनाई पहचान

पावनी की सफलता यह संदेश देती है कि छोटे शहरों से आने वाले युवा भी अपने सपनों को मेहनत और लगन के बल पर पूरा कर सकते हैं। आज के समय में प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए आत्मविश्वास, अनुशासन और निरंतर प्रयास सबसे महत्वपूर्ण हैं। पावनी ने साबित किया है कि सही दिशा और मजबूत इच्छाशक्ति के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सफलता हासिल की जा सकती है। उनकी इस उपलब्धि पर परिवार, मित्रों और शुभचिंतकों ने खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है।

प्रतियोगिता में भारत का नाम रोशन कर लौटीं पावनी

देहरादून। पावनी छाबड़ा की इस ऐतिहासिक सफलता पर परिवार, मित्रों और शुभचिंतकों ने खुशी जताई है। पूरे देहरादून और उत्तराखंड में उनकी उपलब्धि को गर्व के साथ देखा जा रहा है। मिस टीन टूरिज्म ग्लोब 2026 का खिताब जीतकर पावनी ने भारत का मान बढ़ाया है और आने वाली पीढ़ी के लिए सफलता की नई राह दिखाई है। उनकी यह उपलब्धि लंबे समय तक प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी।

◆ छोटे शहर की बेटी ने वैश्विक मंच पर बनाई बड़ी पहचान

हरिद्वार में उमड़ी आस्था, हरियाणा से आए सबसे अधिक कांवड़िए

हरिद्वार कांवड़ यात्रा में करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, हरियाणा से पहुंचे सबसे ज्यादा भोले भक्त।

हाई कोर्ट शिफ्टिंग को लेकर विवाद तेज, वन्यजीवों के रास्ते बाधित होने का दावा

पीएमओ पहुंचा उत्तराखंड हाई कोर्ट शिफ्टिंग विवाद

भारतेंदु संवाददाता, नैनीताल। उत्तराखंड हाई कोर्ट को नैनीताल से हल्द्वानी स्थानांतरित करने के प्रस्ताव को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। इस मामले में नैनीताल हाई कोर्ट के अधिवक्ता कौशल साह जगती ने प्रधानमंत्री कार्यालय को शिकायत भेजकर प्रस्तावित स्थान पर कई सवाल उठाए हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि हाई कोर्ट परिसर के निर्माण के लिए जिस भूमि का चयन किया गया है, वह पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है और वहां आवश्यक केंद्रीय अनुमतियों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

शिकायत के अनुसार प्रस्तावित भूमि आरक्षित वन क्षेत्र से जुड़ी हुई है और यह एशियाई हाथियों के आवागमन वाले गलियारों को प्रभावित कर सकती है। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार वन्यजीवों के प्राकृतिक रास्तों में किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य उनके जीवन और पारिस्थितिकी संतुलन पर असर डाल सकता है। इसी आधार पर प्रस्तावित निर्माण को लेकर पर्यावरण संरक्षण से जुड़े सवाल उठाए जा रहे हैं।

हाई कोर्ट शिफ्टिंग प्रस्ताव पर पर्यावरण और प्रशासनिक सवाल

नैनीताल। हाई कोर्ट को हल्द्वानी स्थानांतरित करने की योजना को लेकर स्थानीय स्तर पर भी अलग-अलग राय सामने आ रही है। कुछ लोगों का मानना है कि हल्द्वानी में बेहतर संपर्क सुविधाओं के कारण न्यायिक कार्यों को सुगम बनाया जा सकता है, जबकि विरोध करने वालों का कहना है कि नैनीताल की ऐतिहासिक और प्रशासनिक पहचान को ध्यान में रखना चाहिए। उनका तर्क है कि स्थानांतरण से स्थानीय रोजगार और आर्थिक गतिविधियों पर भी प्रभाव पड़ सकता है। प्रशासन की ओर से प्रस्तावित भूमि को हल्द्वानी क्षेत्र में बेलबाबा मंदिर के पास बताया गया है। यह स्थान हल्द्वानी रेलवे स्टेशन से लगभग 11 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

एनआई एक्ट के वांछित आरोपी को गुप्तकाशी पुलिस ने किया गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग पुलिस ने अपराध नियंत्रण और न्यायालय से जारी वारंटों की शत प्रतिशत तामीली के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। कोतवाली गुप्तकाशी पुलिस ने एनआई एक्ट की धारा 138 के तहत वांछित चल रहे आरोपी टीकाराम पुत्र घनश्याम निवासी ग्राम फेगू पोस्ट नागजगई को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ माननीय न्यायालय द्वारा गैर जमानती वारंट जारी किया गया था। आरोपी लंबे समय से न्यायालय की कार्रवाई से बच रहा था। मामले को गंभीरता से लेते हुए गुप्तकाशी पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया और नियमानुसार न्यायालय के समक्ष पेश किया। न्यायालय के आदेश के बाद आरोपी को जिला कारागार भेज दिया गया है।

उत्तराखण्ड क्रांति दल की प्रेस वार्ता में 2027 चुनावी रोडमैप होगा पेश

यूकेडी आज करेगी 2027 विधानसभा चुनाव की रणनीति और कार्ययोजना का खुलासा

देहरादून। उत्तराखण्ड क्रांति दल (यूकेडी) रविवार, 2 अगस्त 2026 को देहरादून में महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता आयोजित करेगा। यह प्रेस वार्ता दोपहर 12:30 बजे प्रेस क्लब के समीप स्थित उज्ज्वल होटल में होगी। पार्टी के अनुसार इसमें केंद्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र कुकरेती, सर्वोच्च नेता एवं पूर्व विधायक काशी सिंह ऐरी, नीति निर्धारण समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक नारायण सिंह जंतवाल सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे।

प्रेस वार्ता में वर्ष 2027 के उत्तराखण्ड विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति, संगठन विस्तार, नीतिगत निर्णयों और आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की जाएगी। इसके साथ ही प्रदेश के विकास, रोजगार, पलायन, मूल निवास, भू-कानून तथा उत्तराखण्ड के मूल सरोकारों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी पार्टी अपना आधिकारिक पक्ष रखेगी। यूकेडी का कहना है कि वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों का विश्लेषण करते हुए भविष्य की कार्ययोजना और जनहित के मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी। पार्टी ने प्रदेश के सभी प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल और सोशल मीडिया संस्थानों के संपादकों, संवाददाताओं तथा छायाकारों से प्रेस वार्ता में उपस्थित होकर कार्यक्रम का कवरेज करने का अनुरोध किया है।

9 साल की उम्र में राष्ट्रीय स्तर पर छाए शुभांग रावत

नासिक में शुभांग का जलवा, पेंचक सिलट चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

◆ तीन राष्ट्रीय स्वर्ण जीतकर चमके उत्तराखंड के युवा खिलाड़ी शुभांग रावत

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। वर्षीय पेंचक सिलट खिलाड़ी शुभांग रावत ने एक बार फिर उत्तराखंड का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। नासिक, महाराष्ट्र में आयोजित 14वीं राष्ट्रीय पेंचक सिलट चैम्पियनशिप में मैकन श्रेणी (22-24 किलोग्राम भार वर्ग) में स्वर्ण पदक जीतकर लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय गोल्ड अपने नाम किया।इस शानदार उपलब्धि के साथ शुभांग रावत अब लगातार तीन राष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीत चुके हैं, जिससे वे उत्तराखंड के सबसे उभरते हुए युवा पेंचक सिलट खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं।

इससे पूर्व उन्होंने सितंबर 2025 में कोप्पल, कर्नाटक में आयोजित 13वीं राष्ट्रीय पेंचक सिलट चैम्पियनशिप तथा नवंबर 2024 में श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर में आयोजित 12वीं राष्ट्रीय पेंचक सिलट चैम्पियनशिप में भी स्वर्ण पदक हासिल किया था।

टीम उत्तराखंड के सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों में शामिल शुभांग ने अपने अनुशासन, समर्पण और उत्कृष्ट खेल कौशल से लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है।

समयसीमा डाटा अपडेशन में देरी पर संबंधित विद्यालयों के प्रधानाचार्य होंगे पूरी तरह जिम्मेदार

4 अगस्त तक बढ़ी बोड परीक्षार्थियों के डाटा अपडेशन की तिथि

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद ने हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट बोर्ड परीक्षा वर्ष-2027 के संस्थागत परीक्षार्थियों के डाटा अपडेशन की अंतिम तिथि विस्तरित की है। बोर्ड ने आगामी 4 अगस्त तक सभी विद्यालयों को छात्रों का डाटा पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करने को कहा है। सचिव विद्यालयी शिक्षा परिषद ने सभी जनपदों के मुख्य शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी कर सभी छात्रों के रिकॉर्ड को निर्धारित समय सीमा के भीतर पोर्टल पर शत-प्रतिशत अपडेट सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

परिषद के सचिव विनोद कुमार ढौंडियाल ने बताया कि बोर्ड ने 15 जुलाई से 31 जुलाई तक डाटा अपडेशन के लिए पोर्टल खोला था, लेकिन कुछ विद्यालयों द्वारा अभी तक यह कार्य पूर्ण नहीं किया। उन्होंने कहा कि छात्रों के हितों को देखते हुए परिषद ने अंतिम अवसर प्रदान करते हुए डाटा अपडेशन की तिथि का विस्तार किया है, ताकि किसी भी विद्यार्थी को बोर्ड परीक्षा से संबंधित असुविधा का सामना न करना पड़े।

उन्होंने स्पष्ट किया कि 4 अगस्त के बाद डाटा अपडेशन की तिथि किसी भी स्थिति में आगे नहीं बढ़ाई जाएगी। इसके बाद विद्यार्थियों के विवरण में किसी भी प्रकार की त्रुटि अथवा विसंगति के लिए संबंधित विद्यालय के प्रधानाचार्य पूर्णतः उत्तरदायी होंगे। उन्होंने बताया कि परिषद ने विद्यालयों को नामावली तैयार करने का विकल्प भी 4 अगस्त से उपलब्ध कराने की जानकारी दी है।

◆ डॉ धन सिंह रावत, विद्यालयी शिक्षा मंत्री, उत्तराखंड।

सचिव ने यह भी बताया कि कक्षा 10 एवं 12 के संस्थागत विद्यार्थियों के नवीन पंजीकरण एवं स्थानांतरण के लिए पोर्टल 11 अगस्त से 24 अगस्त 2026 तक खुला रहेगा। वहीं व्यक्तिगत परीक्षार्थियों के नवीन पंजीकरण हेतु पोर्टल 25 अगस्त से 31 अगस्त 2026 तक संचालित किया जाएगा।

शिक्षा परिषद शिक्षा अधिकारियों को दिए निर्देश

विद्यालयी शिक्षा परिषद ने सभी मुख्य शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी कर अपने-अपने जनपदों में निर्धारित समय सीमा के भीतर डाटा अपडेशन का कार्य पूर्ण करवाने को कहा है ताकि परीक्षा प्रक्रिया सुचारु, त्रुटिरहित एवं समयबद्ध रूप से संपन्न हो सके।

शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत का बयान

बोर्ड परीक्षार्थियों का डाटा समय पर और त्रुटिरहित अपलोड होना अत्यंत आवश्यक है। सभी विद्यालय निर्धारित समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत डाटा अपडेट करें, ताकि किसी भी छात्र को परीक्षा से संबंधित असुविधा का सामना न करना पड़े। सरकार पारदर्शी, समयबद्ध और छात्रहितैषी परीक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

भुई आंवला से कैंसर इलाज की जगी नई उम्मीद

पंजाब यूनिवर्सिटी के शोध में प्राकृतिक अणुओं ने प्रयोगशाला परीक्षणों में कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने की दिखाई क्षमता

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

कैंसर जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारी के इलाज की दिशा में पंजाब यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने भुई आंवला के पौधे के भीतर प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले एक बैक्टीरिया से ऐसा प्राकृतिक अणु खोजा है, जिसने प्रयोगशाला परीक्षणों में कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने की क्षमता दिखाई है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह खोज भविष्य में कैंसर की नई और अधिक प्रभावी दवा विकसित करने की दिशा में अहम भूमिका निभा सकती है।

शोधकर्ताओं के अनुसार, यह प्राकृतिक अणु एक्यूट टी-सेल ल्यूकेमिया नामक रक्त कैंसर की कोशिकाओं पर प्रयोगशाला में प्रभावी पाया गया। परीक्षण के दौरान इस अणु ने कैंसर कोशिकाओं के नष्ट होने की प्राकृतिक प्रक्रिया को सक्रिय करने में सकारात्मक परिणाम दिए। हालांकि वैज्ञानिकों ने स्पष्ट किया है कि यह शोध अभी शुरुआती चरण में है और इस अणु का उपयोग फिलहाल मरीजों के उपचार में नहीं किया जा सकता। इसके लिए पशु परीक्षण, क्लीनिकल ट्रायल और कई अन्य वैज्ञानिक प्रक्रियाओं से गुजरना आवश्यक होगा।

यह शोध पंजाब यूनिवर्सिटी के माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी विभाग के प्रोफेसर रोहित शर्मा, बायोटेक्नोलॉजी विभाग की डॉ. मोनिका शर्मा तथा पूर्व शोधार्थी डॉ. श्रुति नागरथ ने संयुक्त रूप से किया है। उनके शोध को 'एक्सप्लोरिंग द एंटी-कैंसर एफिकेसी ऑफ एंडोफाइटिक बैसिलस सेफेंसिस-डिराइव्ड रैम्नोलिपिड ऑन एक्यूट टी-सेल ल्यूकेमिया सेल्स' शीर्षक से पेटेंट भी प्राप्त हुआ है।

शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने भुई आंवला के पौधे के भीतर रहने वाले बैसिलस सेफेंसिस नामक बैक्टीरिया से बायोसर्फेक्टेंट पदार्थ निकाला। इसे शुद्ध करने के बाद इसके जैविक गुणों का परीक्षण किया गया।

शोध से जगी उम्मीद

शोधकर्ताओं ने बताया कि आगामी चरणों में इस प्राकृतिक अणु की प्रभावशीलता और सुरक्षा का विस्तृत अध्ययन किया जाएगा। यदि आगे के वैज्ञानिक परीक्षण सफल रहते हैं तो यह खोज कैंसर उपचार को अधिक सुरक्षित, प्रभावी और किफायती बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

"वैज्ञानिकों का कहना है कि प्राकृतिक स्रोतों से विकसित होने वाली ऐसी दवाओं के दुष्प्रभाव अपेक्षाकृत कम हो सकते हैं। इससे भविष्य में मरीजों को बेहतर उपचार विकल्प मिलने और कैंसर चिकित्सा में नई संभावनाएं खुलने की उम्मीद है।"

क्लीनिकल परीक्षणों के बाद मिलेगी मंजूरी

पंजाब यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने स्पष्ट किया है कि भुई आंवला के पौधे से प्राप्त प्राकृतिक अणु को अभी कैंसर की दवा नहीं माना जा सकता। यह शोध फिलहाल प्रयोगशाला स्तर तक सीमित है, जहां इस अणु ने एक्यूट टी-सेल ल्यूकेमिया की कैंसर कोशिकाओं पर सकारात्मक प्रभाव दिखाया है। वैज्ञानिकों के अनुसार किसी भी नई दवा को मरीजों तक पहुंचाने से पहले उसकी सुरक्षा, प्रभावशीलता और संभावित दुष्प्रभावों की विस्तृत वैज्ञानिक जांच आवश्यक होती है। इसलिए इस खोज को व्यावहारिक उपचार का रूप देने में अभी समय लगेगा। शोधकर्ताओं ने बताया कि अगले चरण में इस प्राकृतिक अणु का पशुओं पर परीक्षण किया जाएगा, ताकि यह समझा जा सके कि यह शरीर के विभिन्न अंगों पर किस प्रकार असर डालता है और कहीं इसके दुष्प्रभाव तो नहीं हैं। यदि इन परीक्षणों के परिणाम संतोषजनक रहे, तभी नियामक संस्थाओं की अनुमति मिलने के बाद इंसानों पर चरणबद्ध क्लीनिकल ट्रायल शुरू किए जाएंगे।

प्रॉपर्टी विवाद में महिला को लगी गोली, मचा हड़कंप

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

शहर के सेक्टर-42 में शनिवार को प्रॉपर्टी विवाद को लेकर हुई फायरिंग की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। आरोप है कि कोर्ट के आदेश पर कोठी का कब्जा खाली करवाने पहुंची एक महिला पर एक वकील ने अपनी लाइसेंसी दोनाली बंदूक से गोली चला दी। इस घटना में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसके बाद उसे तत्काल इलाज के लिए पीजीआई चंडीगढ़ में भर्ती कराया गया है।

घायल महिला की पहचान राजिंदर कौर कोड़ा के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अदालत के आदेश के तहत सेक्टर-42 स्थित कोठी का कब्जा खाली करवाने की कार्रवाई चल रही थी। इसी दौरान विवाद बढ़ गया और आरोप है कि कोठी पर कब्जा किए बैठे वकील जेपीएस चड्ढा ने अपनी लाइसेंसी दोनाली बंदूक से फायरिंग कर दी। गोली महिला के चेहरे पर लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। वहां तैनात पुलिसकर्मियों ने तुरंत स्थिति को नियंत्रित किया और घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना मिलने के बाद संबंधित थाना पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं और वहां मौजूद लोगों से पूछताछ कर बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि फायरिंग किन परिस्थितियों में हुई और घटना के पीछे वास्तविक कारण क्या था।

जांच के दौरान पुलिस लाइसेंसी हथियार से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, हथियार का लाइसेंस, फायरिंग की परिस्थितियां और पूरे विवाद से जुड़े सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है।

पुलिस का कहना है कि मामले में उपलब्ध तथ्यों और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं घायल महिला का पीजीआई में उपचार जारी है। चिकित्सकों द्वारा उनकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है और पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

कोठी कब्जा विवाद में वकील पर लाइसेंसी बंदूक से फायरिंग का आरोप

न्यूज ब्रीफ

बलटाना में जलभराव से राहत को नई पाइपलाइन योजना

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर। बलटाना क्षेत्र में वर्षों से चली आ रही जलभराव की समस्या से लोगों को जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। नगर परिषद ने बरसाती पानी की निकासी के लिए नई पाइपलाइन बिछाने की योजना तैयार की है। इस प्रस्ताव को आगामी नगर परिषद बैठक में मंजूरी के लिए रखा जाएगा। मंजूरी मिलने के बाद निविदा प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। बलटाना के सैणी विहार, आनंद विहार, गिल कॉलोनी और मार्डन एनक्लेव जैसे क्षेत्रों में हर बरसात के दौरान जलभराव की समस्या गंभीर हो जाती है। सड़कों और गलियों में पानी भरने से लोगों का आवागमन प्रभावित होता है और गंदगी व बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। नगर परिषद प्रधान गुरप्रीत सिंह विर्क ने बताया कि जल निकासी व्यवस्था सुधारने के लिए योजना तैयार की गई है। नई पाइपलाइन से बरसाती पानी की निकासी तेज होगी और जलभराव की समस्या काफी हद तक कम होने की उम्मीद है। प्रभावित अन्य क्षेत्रों में भी चरणबद्ध तरीके से सुधार किया जाएगा।

मोहाली सिविल अस्पताल में खुलेगा केंद्रीय दवा भंडार

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। फेज-6 स्थित सिविल अस्पताल में जल्द ही केंद्रीय भंडार शुरू किया जाएगा। यह पंजाब का पहला सरकारी अस्पताल होगा, जहां मरीजों को एक ही स्थान पर दवाएं और सर्जिकल सामग्री रियायती दरों पर उपलब्ध कराई जाएंगी। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, केंद्रीय भंडार में सामान्य दवाओं के अलावा हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, किडनी, थायरॉयड, अस्थमा और संक्रमण रोधी दवाएं भी मिलेंगी। इसके साथ ही ऑपरेशन में उपयोग होने वाली सामग्री, इंजेक्शन, ड्रेसिंग सामान, टांके, कैनुला और सिरिंज जैसी जरूरी चीजें भी उपलब्ध रहेंगी। मेडिकल सुपरिटेंडेंट अमित अग्रवाल ने बताया कि इस सुविधा से मरीजों को इलाज के दौरान बाहर से दवाएं और सामग्री खरीदने की परेशानी नहीं होगी। इससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय भंडार शुरू करने की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। अस्पताल प्रशासन का दावा है कि यह सुविधा मरीजों के लिए बड़ी राहत साबित होगी।

मोहाली में डेंगू खतरे पर स्वास्थ्य विभाग सतर्क

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। लगातार हो रही बारिश के कारण जिले में डेंगू का खतरा बढ़ गया है। स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू की रोकथाम और निगरानी के लिए अभियान तेज कर दिया है। हर शुक्रवार चलाए जा रहे डेंगू ते वार अभियान के तहत स्वास्थ्य टीमों ने विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर मच्छरों के लार्वा को नष्ट किया। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने लोगों को घरों और आसपास पानी जमा न होने देने के लिए जागरूक किया। सिविल सर्जन संगीता जैन ने नागरिकों से अपील की कि कूलर, गमले, पानी की टंकियों और अन्य बर्तनों को सप्ताह में एक बार खाली कर साफ करें। जिला महामारी विशेषज्ञ अनामिका सोनी ने बताया कि स्वास्थ्य कर्मियों ने लोगों को डेंगू के लक्षणों, बचाव और उपचार की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तेज बुखार, सिर दर्द, शरीर पर चकत्ते या अन्य लक्षण दिखाई देने पर तुरंत सरकारी अस्पताल में जांच करवानी चाहिए। उन्होंने बताया कि सभी सरकारी अस्पतालों में डेंगू की जांच और उपचार निशुल्क उपलब्ध है। किसी भी सहायता के लिए लोग हेल्पलाइन नंबर 104 पर संपर्क कर सकते हैं।

सिंघपुरा चौक बना शहीद ऊधम सिंह चौक

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर। सिंघपुरा चौक का नाम बदलकर अब शहीद ऊधम सिंह चौक कर दिया गया है। नगर परिषद ने इस चौक और आसपास के क्षेत्र के व्यापक सुंदरीकरण की योजना तैयार की है। इस परियोजना पर करीब 39.40 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। शहीद ऊधम सिंह के शहीदी दिवस के अवसर पर शुक्रवार को इस योजना का शुभारंभ किया गया। सुंदरीकरण कार्य के तहत चौक से लेकर चंडीगढ़-अंबाला हाईवे तक जाने वाले मार्ग को आकर्षक रूप दिया जाएगा। सड़क के दोनों ओर ग्रीन बेल्ट विकसित की जाएगी, जहां सजावटी पौधे, रंग-बिरंगे फूल और लैंडस्केपिंग की व्यवस्था की जाएगी। पौधों की देखभाल और सिंचाई के लिए भी विशेष प्रबंध किए जाएंगे। नगर परिषद के ईओ परविंदर सिंह भट्टी ने बताया कि लंबे समय से शहर के प्रवेश मार्गों को आधुनिक और सुंदर बनाने की मांग की जा रही थी। इसी को ध्यान में रखते हुए यह परियोजना तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि शहीद ऊधम सिंह के नाम पर चौक का नामकरण युवाओं में देशभक्ति और बलिदान की भावना को बढ़ावा देगा। वहीं, सुंदरीकरण से जीरकपुर की सकारात्मक छवि भी मजबूत होगी। स्थानीय लोगों ने नगर परिषद की इस पहल का स्वागत किया है। उनका कहना है कि चौक के विकसित होने से शहर की खूबसूरती बढ़ेगी और आने-जाने वाले लोगों को बेहतर अनुभव मिलेगा। यह चौक भविष्य में जीरकपुर की पहचान के रूप में विकसित हो सकता है।

पंजाब शिक्षा बोर्ड के करोड़ों रुपए सरकारी विभागों में अटके

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड कर्मचारी एसोसिएशन ने पंजाब सरकार से बोर्ड की करीब 450 करोड़ रुपये की लंबित राशि जल्द जारी करने की मांग की है। एसोसिएशन का कहना है कि लंबे समय से भुगतान नहीं मिलने के कारण बोर्ड की वित्तीय स्थिति प्रभावित हो रही है और कर्मचारियों के कई जरूरी भुगतान अटके हुए हैं। कर्मचारियों के अनुसार, छठे वेतन आयोग के एरियर सहित अन्य देनदारियों का भुगतान भी लंबित है। एसोसिएशन ने बताया कि वर्ष 2020-21 से 2023-24 तक समाज कल्याण विभाग के 229 करोड़ रुपये, परीक्षा फीस के 185 करोड़ रुपये और भवन किराये के 35 करोड़ रुपये सरकार पर बकाया हैं। महासचिव परमजीत सिंह बैनीपाल ने कहा कि पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड एक स्वायत्त संस्था है और बकाया राशि को लंबे समय तक रोकना उचित नहीं है। उन्होंने सरकार से जल्द राशि जारी कर कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने की मांग की।

हरियाणा में अवैध कॉलोनियों पर रोक, नई योजना लागू

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने अवैध कॉलोनियों पर रोक लगाने और सुनियोजित आवासीय विकास को बढ़ावा देने के लिए नई टाउन प्लानिंग स्कीम लागू कर दी है। यह योजना 66 नगर परिषदों और नगर समितियों में लागू होगी। इसके तहत कॉलोनी विकसित करने के लिए कम से कम 5 एकड़ जमीन जरूरी होगी। प्लॉट का आकार 50 से 250 वर्गमीटर तक तय किया गया है। योजनाओं में पार्क, हरित क्षेत्र, जल संरक्षण और सौर ऊर्जा जैसे प्रावधान अनिवार्य होंगे। सभी परियोजनाओं को पांच साल में पूरा करना होगा। डेवलपर को सड़क, सीवरेज, पेयजल और अन्य सुविधाएं स्वयं विकसित करनी होंगी।

सेक्टर-68 में सीवर ओवरफ्लो से लोग परेशान

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। शहर के पॉश सेक्टर-68 में सीवर ओवरफ्लो की समस्या ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। नगर निगम की लापरवाही के कारण कई दिनों से सड़कों पर गंदा और बदबूदार पानी बह रहा है। इससे स्थानीय निवासियों को आने-जाने में दिक्कत हो रही है और क्षेत्र में बीमारियां फैलने का खतरा भी बढ़ गया है।

स्थानीय पार्षद परविंदर कौर के पति कुलविंदर सिंह संजू ने बताया कि सेक्टर-68 में कोठी नंबर 4180 से 4290 तक सीवर लाइनें पूरी तरह जाम पड़ी हैं। उन्होंने बताया कि इस समस्या को लेकर नगर निगम के संबंधित एसडीओ को कई बार जानकारी दी गई, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया।

संजू ने आरोप लगाया कि अधिकारी सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का हवाला देकर जिम्मेदारी से बच रहे हैं। वहीं सेक्टर-68 स्थित सिटी पार्क में भी बारिश के पानी की निकासी व्यवस्था ठप पड़ी है।

पंजाब में सभी लंबित पुलिस शिकायतों का हुआ निस्तारण

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में पंजाब पुलिस ने राज्य में लंबित शिकायतों के निस्तारण को लेकर बड़ा दावा पेश किया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की ओर से दाखिल हलफनामे में अदालत को बताया गया कि राज्यभर में विशेष अभियान चलाकर लंबित शिकायतों और जांचों का तेजी से निपटारा किया गया है। पुलिस के अनुसार 27 जुलाई 2026 तक 13 जुलाई 2026 से पहले प्राप्त कोई भी शिकायत पंजाब के किसी भी जिले अथवा पुलिस कमिश्नरेट में लंबित नहीं रही।

मामले की सुनवाई जस्टिस एनएस शेखावत की एकल पीठ के समक्ष हुई। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता ने विशेष पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) के निर्देशों के आधार पर अदालत को बताया कि लंबित शिकायतों और जांचों के शीघ्र निस्तारण के लिए पूरे राज्य में विशेष अभियान संचालित किया गया। इस अभियान के तहत सभी जिलों और पुलिस

कमिश्नरेट में पुराने मामलों की नियमित समीक्षा की गई तथा जांच प्रक्रिया में तेजी लाकर शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया गया।

राज्य सरकार ने अदालत को यह भी बताया कि डीजीपी पंजाब ने सभी पुलिस आयुक्तों, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि शिकायतों की जांच पूरी तरह कानून के दायरे में रहकर की जाए। किसी भी स्तर पर कानूनी प्रक्रिया का उल्लंघन न हो और प्रत्येक मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों का पुलिस व्यवस्था पर विश्वास और मजबूत हो सके।

अदालत को यह भी अवगत कराया गया कि आम नागरिकों की शिकायतों के त्वरित और प्रभावी निस्तारण के लिए पंजाब पुलिस ने 'पब्लिक ग्रीवांसेज रिड्रेसल पोर्टल' शुरू कर दिया है। इस पोर्टल के माध्यम से लोग एक ही मंच पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे, उसकी प्रगति की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और निस्तारण की प्रक्रिया पर निगरानी रख सकेंगे। इसके साथ ही राज्यभर में 'समाधान कैंप' आयोजित किए जाएंगे, जहां पुलिस अधिकारी आम लोगों की शिकायतें सुनेंगे और मौके पर ही उनका समाधान करने का प्रयास करेंगे।

सड़क हादसे में मृत हरप्रीत के परिवार को मिलेगा 32 लाख का मुआवजा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

◆ मोटर क्लेम ट्रिब्यूनल ने कार चालक को मुआवजा देने का दिया आदेश

चार साल पहले सड़क हादसे में जान गंवाने वाले हरप्रीत सिंह के परिवार को मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल ने बड़ी राहत दी है। ट्रिब्यूनल ने मृतक के परिवार को 32.27 लाख रुपये मुआवजा देने का फैसला सुनाया है। खास बात यह है कि यह मुआवजा उस कार चालक को देना होगा, जिसके साथ बैठकर हरप्रीत सिंह यात्रा कर रहा था।

जानकारी के अनुसार, हादसा 2 अगस्त 2022 को हुआ था। सेक्टर-24 निवासी हरप्रीत सिंह अपने दोस्त के साथ मोहाली से हरिद्वार जा रहा था। सुबह करीब साढ़े चार बजे यमुनानगर-हरिद्वार मार्ग पर उनकी कार आगे चल रही ट्रैक्टर-ट्रॉली के पिछले हिस्से से टकरा गई थी।

हादसे में हरप्रीत सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे इलाज के लिए यमुनानगर के सिविल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद मृतक की पत्नी ने मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल में याचिका दायर कर उचित मुआवजे की मांग की थी।

याचिका में बताया गया कि हरप्रीत सिंह एक निजी कंपनी में नौकरी करता था और परिवार का आर्थिक सहारा वही था। वहीं, कार चालक उत्तम देसवाल ने अदालत में अपना पक्ष रखते हुए कहा कि हादसे में उसकी कोई गलती नहीं थी। उसने दावा किया कि वह सामान्य गति से वाहन चला रहा था और दुर्घटना ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक की लापरवाही के कारण हुई।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद ट्रिब्यूनल ने मामले की जांच और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर कार चालक उत्तम देसवाल को हादसे के लिए जिम्मेदार माना। अदालत ने फैसला सुनाते हुए हरप्रीत सिंह के परिवार को 32.27 लाख रुपये मुआवजा देने के आदेश जारी किए।

शास्त्री मार्केट में प्रॉपर्टी डीलर पर जानलेवा हमला

डेयरी उत्पादों सहित कई खाद्य पदार्थों में मिलावट, किडनी और लिवर रोगों का बढ़ा खतरा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

शहर के सबसे व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्रों में शामिल सेक्टर-22 स्थित शास्त्री मार्केट में देर रात हुई सरेआम मारपीट की घटना ने कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पैसों के लेन-देन के विवाद में करीब 15 से 20 युवकों ने एक प्रॉपर्टी डीलर को घेरकर बेरहमी से पीट दिया। घटना तीन दिन पहले देर रात की बताई जा रही है, लेकिन इसका वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा का विषय बन गया है।

जानकारी के अनुसार 27 वर्षीय प्रॉपर्टी डीलर आदित्य शास्त्री मार्केट क्षेत्र में मौजूद था। इसी दौरान तीन अलग-अलग वाहनों में सवार होकर आए 15 से 20 युवकों ने उसे चारों तरफ से घेर लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हमलावरों ने पहले आदित्य को गर्दन से पकड़कर उसकी गाड़ी से बाहर खींचा और फिर सड़क पर

गिराकर लात-घूंसों तथा डंडों से हमला कर दिया।

हमले से बचने के लिए आदित्य ने मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन हमलावरों ने उसका पीछा कर दोबारा उसे सड़क पर गिरा दिया और बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि कुछ हमलावरों के हाथों में डंडे थे, जबकि यह भी आशंका जताई जा रही है कि उनके पास लोहे की रॉड भी मौजूद थी, जिनका इस्तेमाल मारपीट के दौरान किया गया। घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जब एक युवक ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया तो हमलावरों ने उसके साथ भी धक्का-मुक्की और मारपीट की। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

घटना का वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय व्यापारियों और लोगों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि शहर के सबसे व्यस्त बाजारों में इस तरह की गुंडागर्दी पुलिस की गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है।

पंजाब में लेडयुक्त पेंट पर सख्ती, नए नियम हुए लागू

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने राज्य में घरेलू और सजावटी पेंट को पूरी तरह सुरक्षित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। बोर्ड ने सभी पेंट निर्माता कंपनियों के लिए नए दिशा-निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि अब घरेलू और सजावटी पेंट में लेड (सीसा) की मात्रा 90 पार्ट्स प्रति मिलियन (पीपीएम) से अधिक नहीं होनी चाहिए। इस नियम का पालन सुनिश्चित करने के लिए कंपनियों को अपने उत्पादों की जांच मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं से करानी होगी और जांच प्रमाणपत्र प्राप्त करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही प्रमाणपत्र की प्रति डीलरों और विक्रेताओं को भी उपलब्ध करानी होगी, ताकि बाजार में बिकने वाले पेंट की गुणवत्ता और सुरक्षा की पुष्टि की जा सके।

पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने राज्य के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों को निर्देश जारी किए हैं कि पेंट उद्योगों को दी जाने वाली कंसेंट टू एस्टैब्लिश और कंसेंट टू ऑपरेट की प्रक्रिया में लेड संबंधी शर्तों को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। यदि कोई उद्योग निर्धारित मानकों का पालन नहीं करता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

यह पहल पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा वर्ष 2016 में अधिसूचित नियमों के अनुरूप की गई है। इन नियमों के तहत 90 पीपीएम से अधिक लेड वाले घरेलू और सजावटी पेंट के निर्माण, बिक्री, आयात और निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है।

समगौली में अवैध खनन पर पुलिस की कार्रवाई शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, डेराबस्सी। डेराबस्सी क्षेत्र के गांव समगौली में अवैध खनन का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। खनन विभाग की शिकायत पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों की तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार खनन विभाग की टीम ने 29 जुलाई को गांव समगौली में निर्धारित स्थान का निरीक्षण किया था। जांच के दौरान मौके पर तीन बड़े गड्ढे पाए गए, जिससे बड़े स्तर पर मिट्टी और खनिज सामग्री निकाले जाने की पुष्टि हुई। विभाग के अधिकारियों के अनुसार यह खनन बिना किसी अनुमति के किया गया था।

मामले में माइनिंग इंस्पेक्टर पवनजीत सिंह की शिकायत के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। निरीक्षण के समय घटनास्थल पर न तो कोई व्यक्ति मिला और न ही खनन में इस्तेमाल होने वाली मशीनरी बरामद हुई।

अनदेखी न्यायिक ढांचे के विस्तार को लेकर प्रशासन की तैयारी अब भी अधूरी

न्यायिक सुविधाओं के विस्तार में प्रशासन की बड़ी लापरवाही

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ में अदालतों के बुनियादी ढांचे के विस्तार की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही है, लेकिन इस दिशा में अपेक्षित गति से काम नहीं हो पा रहा है। हाल ही में देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने भी न्यायिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए अदालतों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर जोर दिया था। इसके बावजूद चंडीगढ़ प्रशासन की ओर से इस विषय में कोई ठोस पहल सामने नहीं आई है। अब केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा में दी गई जानकारी से यह स्पष्ट हो गया है कि प्रशासन ने अदालतों के विस्तार के लिए न तो केंद्र से आर्थिक सहायता प्राप्त की है और न ही इस संबंध में कोई औपचारिक प्रस्ताव भेजा है।

यह जानकारी केंद्र सरकार ने लोकसभा में चंडीगढ़ से सांसद मनीष तिवारी द्वारा पूछे गए प्रश्न के लिखित उत्तर में दी। सांसद ने सरकार से जानना चाहा था कि शहर में न्यायिक ढांचे के विकास के लिए क्या योजनाएं बनाई गई

प्रशासन अदालतों के ढांचे के विस्तार के लिए आवश्यक प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजेगा

हैं, केंद्र सरकार की ओर से कितना वित्तीय सहयोग दिया गया है तथा हाईकोर्ट और जिला अदालतों में न्यायाधीशों के लिए कोर्ट रूम, सरकारी आवास और वकीलों के चैंबर की वर्तमान स्थिति क्या है।

केंद्र सरकार ने अपने उत्तर में स्पष्ट किया कि जिला एवं अधीनस्थ अदालतों के लिए कोर्ट हाल, न्यायाधीशों के आवास, वकीलों के चैंबर तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का निर्माण और विकास संबंधित राज्य सरकारों तथा केंद्र शासित प्रदेशों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। केंद्र सरकार केवल केंद्र प्रायोजित योजना के अंतर्गत वित्तीय सहायता उपलब्ध कराती है। इसके लिए संबंधित राज्य या केंद्र शासित प्रदेश को परियोजना का प्रस्ताव भेजना आवश्यक होता है। चंडीगढ़ प्रशासन की ओर से ऐसा कोई प्रस्ताव केंद्र सरकार को नहीं भेजा गया, इसलिए इस मद में कोई आर्थिक सहायता भी जारी नहीं की गई।

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार हाईकोर्ट में कुल 85 न्यायाधीशों के स्वीकृत पद हैं, लेकिन उनके लिए केवल 69 कोर्ट हाल उपलब्ध हैं। इससे स्पष्ट है कि सभी स्वीकृत पदों के अनुरूप न्यायिक कक्ष उपलब्ध नहीं हैं।

जिला अदालत की स्थिति पर नजर डालें तो यहां 30 न्यायिक अधिकारियों के लिए 31 कोर्ट हाल उपलब्ध हैं। उनके लिए 29 सरकारी आवास बनाए गए हैं, जबकि अधिवक्ताओं के लिए 440 चैंबर उपलब्ध हैं। हालांकि वर्तमान व्यवस्था से न्यायिक कार्य संचालित हो रहा है, लेकिन भविष्य में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ने और मामलों के लगातार बढ़ते बोझ को देखते हुए अतिरिक्त बुनियादी ढांचे की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

मनीष तिवारी की पोस्ट से पंजाब कांग्रेस में नई हलचल हुई तेज

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस के प्रभारी भूपेश बघेल के शनिवार को पंजाब दौरे के बीच चंडीगढ़ से कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी की एक इंटरनेट मीडिया पोस्ट ने पार्टी के अंदरूनी हालात को लेकर नई राजनीतिक चर्चाओं को जन्म दे दिया है। तिवारी ने प्रसिद्ध उर्दू शायर हबीब जालिब की कविता की दो पंक्तियां साझा कीं, जिनका संदेश सत्ता के आगे झुकने और चापलूसी की राजनीति पर कटाक्ष के रूप में देखा जा रहा है।

मनीष तिवारी ने अपनी पोस्ट में किसी नेता, संगठन या घटना का सीधा उल्लेख नहीं किया है, लेकिन उनके द्वारा साझा की गई पंक्तियों को राजनीतिक गलियारों में अलग-अलग नजरिए से देखा जा रहा है। हबीब जालिब अपनी रचनाओं में सत्ता, व्यवस्था और अवसरवाद पर तीखे व्यंग्य के लिए जाने जाते हैं। उनकी कविताओं में अक्सर उन लोगों पर निशाना साधा गया है जो सिद्धांतों की बजाय सत्ता के करीब रहकर लाभ हासिल करने की कोशिश करते हैं।

तिवारी की पोस्ट ऐसे समय आई है जब पंजाब कांग्रेस में संगठनात्मक बदलाव को लेकर चर्चा चल रही है। हाल ही में पार्टी की ओर से किए गए फेरबदल और विभिन्न समितियों

के गठन में मनीष तिवारी को स्थान नहीं मिला था। इसके बाद भी उन्होंने इंटरनेट मीडिया के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से अपनी नाराजगी जाहिर की थी। अब उनकी नई पोस्ट को उसी राजनीतिक पृष्ठभूमि से जोड़कर देखा जा रहा है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि तिवारी की पोस्ट के कई मायने निकाले जा रहे हैं। हालांकि सांसद ने अपनी ओर से किसी तरह की नाराजगी या राजनीतिक संकेत को स्पष्ट नहीं किया है। इसके बावजूद कांग्रेस के भीतर चल रही गतिविधियों के बीच इस संदेश ने चर्चाओं को और तेज कर दिया है।

गौरतलब है कि पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चंडीगढ़ स्थित पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए थे। उस दौरान प्रधानमंत्री की ओर से सांसद मनीष तिवारी को विशेष महत्व दिए जाने के बाद भी राजनीतिक हलकों में कई तरह की चर्चाएं शुरू हुई थीं।

पंजाब कांग्रेस में गुटबाजी खत्म करने की कवायद तेज, बघेल सक्रिय

भूपेश बघेल करेंगे नेताओं संग बैठक, बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने की रणनीति तैयार

भारतेंदु संवाददाता, कपूरथला

पंजाब कांग्रेस में चल रही अंदरूनी खींचतान के बीच पार्टी हाईकमान ने संगठन को मजबूत करने और नेताओं के बीच बढ़ रही गुटबाजी को खत्म करने की दिशा में प्रयास तेज कर दिए हैं। इसी रणनीति के तहत पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल शनिवार को पटियाला और सुनाम का दौरा करेंगे। इस दौरान वह पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठकें करेंगे।

जानकारी के अनुसार पटियाला में सुबह 10 बजे और सुनाम में दोपहर 3 बजे बैठक आयोजित की जाएगी। इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करना और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करना है। कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि आगामी चुनावी चुनौती का सामना करने के लिए जमीनी स्तर पर पार्टी की पकड़ मजबूत होना बेहद जरूरी है।

वड़िंग ने आम आदमी पार्टी को लेकर किया दावा : इसी बीच पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने आम आदमी पार्टी को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के 40 से 45 विधायक पार्टी छोड़ सकते हैं। वड़िंग के अनुसार, इन विधायकों को डर है कि आगामी विधानसभा चुनाव में उनका टिकट कट सकता है। उन्होंने दावा किया कि इस संबंध में पार्टी के अंदर कई स्तरों पर बातचीत भी चल रही है।

वड़िंग ने कहा कि कई विधायक अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर चिंतित हैं और इसी कारण वह नए विकल्प तलाश रहे हैं। हालांकि आम आदमी पार्टी की ओर से इस दावे पर अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

चन्नी और वड़िंग के बीच मतभेद चुनौती : पंजाब कांग्रेस में पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और प्रदेश अध्यक्ष राजा वड़िंग के बीच नेतृत्व को लेकर मतभेद लंबे समय से चर्चा का विषय रहे हैं। चन्नी समर्थक लगातार पंजाब में दलित समुदाय की बड़ी आबादी को देखते हुए पार्टी नेतृत्व और मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर स्पष्टता की मांग करते रहे हैं।

वहीं राजा वड़िंग का कहना है कि पार्टी में अंतिम निर्णय कांग्रेस हाईकमान द्वारा लिया जाएगा और संगठन का फैसला सभी नेताओं के लिए सर्वोपरि होगा। पार्टी नेताओं के बीच तालमेल बनाना और एकजुटता कायम रखना कांग्रेस नेतृत्व के सामने बड़ी चुनौती बनी हुई है।

बघेल के सामने एकजुटता की चुनौती : पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल अपने दौरे के दौरान कई वरिष्ठ नेताओं के साथ व्यक्तिगत मुलाकात कर चुके हैं। उन्होंने चरणजीत सिंह चन्नी, सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रताप सिंह बाजवा सहित कई नेताओं से बातचीत की है।

हालांकि बघेल ने इन बैठकों को किसी विशेष समझौता अभियान का नाम नहीं दिया है, लेकिन लगातार हो रही मुलाकातों से साफ संकेत मिल रहे हैं कि हाईकमान पंजाब कांग्रेस के भीतर चल रही खींचतान को कम करने और सभी नेताओं को एक मंच पर लाने की कोशिश कर रहा है।

बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने पर जोर : कांग्रेस अब बड़े नेताओं की बयानबाजी के बजाय बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है। पार्टी का मानना है कि मजबूत कार्यकर्ता नेटवर्क चुनावी सफलता के लिए सबसे महत्वपूर्ण आधार है।

इसके लिए ब्लॉक और बूथ स्तर के पदाधिकारियों से सीधा संवाद बढ़ाया जा रहा है। सोशल मीडिया के साथ-साथ जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की योजना बनाई जा रही है। पार्टी का लक्ष्य है कि हर बूथ पर संगठन को मजबूत कर आगामी चुनावों के लिए बेहतर तैयारी की जाए।

करतारपुर कॉरिडोर खोलने की मांग फिर हुई तेज

एसजीपीसी ने केंद्र से धार्मिक भावनाओं का सम्मान करने की अपील की

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब के लिए बने करतारपुर कॉरिडोर को दोबारा खोलने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के प्रधान एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने केंद्र सरकार से अपील की है कि सिख संगत की धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए इस मार्ग को खोलने पर पुनर्विचार किया जाए।

करतारपुर मार्ग बंद रहने से श्रद्धालुओं में बढ़ रही निराशा और चिंता

एडवोकेट धामी ने कहा कि करतारपुर कॉरिडोर केवल एक प्रशासनिक या राजनीतिक विषय नहीं है, बल्कि यह दुनियाभर के करोड़ों सिख श्रद्धालुओं की आस्था और धार्मिक विश्वास से जुड़ा मामला है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से मार्ग बंद रहने से श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुंच रही है और सरकार को इस विषय पर संवेदनशीलता के साथ निर्णय लेना चाहिए।

उन्होंने संसद में केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री की ओर से दिए गए उस जवाब पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें फिलहाल करतारपुर साहिब कॉरिडोर को दोबारा शुरू नहीं करने की बात कही गई थी। धामी ने कहा कि सरकार को इस फैसले पर दोबारा विचार करना चाहिए और ऐसा रास्ता निकालना चाहिए जिससे सुरक्षा व्यवस्था भी बनी रहे और श्रद्धालुओं को धार्मिक यात्रा का अवसर भी मिल सके।

एसजीपीसी प्रधान ने कहा कि गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब सिख धर्म के लिए बेहद पवित्र स्थान है। इसी स्थान पर प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी ने अपने जीवन के अंतिम वर्ष बिताए थे। उन्होंने मानवता को किरत करो, नाम जपो और वंड छको का संदेश दिया था। इसलिए विश्वभर के सिखों के लिए करतारपुर साहिब के दर्शन करना केवल यात्रा नहीं, बल्कि गहरी आस्था और श्रद्धा का विषय है। धामी ने कहा कि करतारपुर कॉरिडोर दोनों देशों के बीच धार्मिक यात्राओं और आपसी सद्भाव का प्रतीक रहा है। यह मार्ग श्रद्धालुओं को अपने पवित्र तीर्थ के दर्शन का अवसर प्रदान करता है और शांति व भाईचारे की भावना को भी मजबूत करता है।

उन्होंने यह भी कहा कि देश की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि सुरक्षा के साथ-साथ धार्मिक स्वतंत्रता और श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान करना भी जरूरी है। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि जरूरत हो तो सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम किए जाएं, लेकिन श्रद्धालुओं को लंबे समय तक धार्मिक स्थल के दर्शन से दूर रखना उचित नहीं है।

जालंधर स्पा सेंटर में देह व्यापार का भंडाफोड़

पुलिस छापेमारी में तीन युवतियां समेत चार लोग किए गिरफ्तार गए

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। शहर में स्पा सेंटर की आड़ में चल रहे अवैध देह व्यापार के खिलाफ कमिश्नरेट पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने छोटी बारादरी पार्ट-2 स्थित एक स्पा सेंटर पर छापेमारी कर तीन युवतियों सहित एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से कुछ आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, थाना डिवीजन नंबर-7 के इंस्पेक्टर रविंदर कुमार अपनी टीम के साथ शुक्रवार को इलाके में मौजूद थे। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि छोटी बारादरी पार्ट-2 में ताज मार्केट के सामने स्थित रॉयल स्पा मसाज सेंटर में स्पा की आड़ में अवैध गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की योजना बनाई और टीम के साथ स्पा सेंटर पर छापेमारी की। पुलिस कार्रवाई के दौरान मौके से तीन युवतियों और एक युवक को पकड़ा गया। पुलिस के मुताबिक, जांच के दौरान वहां से कुछ संदिग्ध और आपत्तिजनक सामान भी बरामद हुआ है।

पुलिस ने पकड़े गए सभी लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि मामले से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह गतिविधि कितने समय से चल रही थी और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि शहर में अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। किसी भी स्थान पर कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाली गतिविधियां पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कमिश्नरेट पुलिस ने लोगों से भी अपील की है कि यदि उनके आसपास किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलती है तो तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

माछीवाड़ा चोरी का खुलासा, नाबालिग बेटा निकला आरोपी

भारतेंदु संवाददाता, माछीवाड़ा। माछीवाड़ा में एक कारोबारी के घर से 15 लाख रुपये नकद और सोने के गहनों की चोरी के मामले में पुलिस ने हैरान करने वाला खुलासा किया है। जांच में सामने आया कि चोरी किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि कारोबारी के 13 वर्षीय नाबालिग बेटे ने ही की थी।

पुलिस के अनुसार कारोबारी अभय कुमार ने घर में चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। परिवार के सीसीटीवी फुटेज और बेटे के बयान के आधार पर पुलिस ने पहले एक संदिग्ध व्यक्ति और आसपास के लोगों से पूछताछ की। जांच के दौरान थाना प्रभारी चरणजीत सिंह ने मामले की कड़ियां जोड़ीं तो सच्चाई सामने आ गई। नाबालिग बेटे ने घर में बनी गुप्त तिजोरी से पैसे निकाले और उन्हें अपने शौक पूरे करने में खर्च कर दिया। उसने पुलिस और परिवार को बताया था कि दो लोग घर में घुसे थे और उसे नशीला पदार्थ सुंघाकर बेहोश कर दिया था, लेकिन जांच में यह कहानी झूठी निकली।

पुलिस के मुताबिक बच्चे ने चोरी के पैसों से 75 हजार रुपये का वीडियो गेम, महंगे मोबाइल फोन, कुछ आभूषण और अन्य सामान खरीदा। इसके अलावा उसने पिता से मिले 1.20 लाख रुपये और अपने पास के पैसे मिलाकर बुलेट मोटरसाइकिल भी खरीदी।

पंजाब और चंडीगढ़ में अगले चार दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने गरज चमक के साथ बारिश की जताई संभावना

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। मौसम विभाग ने चंडीगढ़ और पंजाब में अगले चार दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार 2 अगस्त से प्रदेश के कई हिस्सों में गरज-चमक के साथ हल्की से भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र चंडीगढ़ के निदेशक सुरिंदर पाल ने बताया कि मध्य प्रदेश और विदर्भ के ऊपर बने कम दबाव वाले क्षेत्र के कारण मानसून ट्रफ पंजाब के दक्षिणी हिस्से की ओर सक्रिय है।

भारी बारिश को देखते हुए प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने को कहा

उन्होंने बताया कि अगले 24 घंटों के दौरान अत्यधिक भारी बारिश की संभावना कम है, लेकिन पंजाब के अधिकांश क्षेत्रों में रुक-रुककर हल्की से मध्यम बारिश और गरज-चमक का दौर जारी रह सकता है। अगस्त के पहले सप्ताह में मानसून के दोबारा सक्रिय होने की संभावना जताई गई है। इससे जुलाई में हुई कम बारिश की भरपाई होने की उम्मीद है।

मौसम विभाग ने पठानकोट, गुरदासपुर, अमृतसर और होशियारपुर जिलों में बिजली गिरने और गरज के साथ भारी से भारी बारिश की संभावना जताई है। वहीं तरनतारन, नवांशहर, कपूरथला, जालंधर, रूपनगर और एसएएस नगर मोहाली में भी भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है।

बारिश के कारण तापमान में गिरावट आने की संभावना है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। हालांकि दिन के समय नमी का स्तर अधिक बना रह सकता है। स्वास्थ्य विभाग ने भी लोगों को बदलते मौसम के दौरान सावधानी बरतने और मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए जरूरी कदम उठाने की सलाह दी है।

खराब मौसम को लेकर प्रशासन की एडवाइजरी

भारी बारिश की संभावना को देखते हुए चंडीगढ़ प्रशासन ने लोगों के लिए सावधानी संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन ने लोगों से सुखना लेक, सुखना कैचमेंट एरिया और घग्गर नदी के आसपास जाने से बचने की अपील की है। इसके अलावा लोगों को गीले हाथों से बिजली के खंभों को न छूने और खुले या टूटे हुए बिजली तारों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है। यह एडवाइजरी हाल ही में पंजाब यूनिवर्सिटी के सेक्टर-25 में करंट लगने से हुई एक छात्रा की मौत के बाद जारी की गई है।

रेल वन ऐप से डिजिटल टिकटिंग को बढ़ावा, यात्रियों को सुविधा

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। रेल यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और डिजिटल टिकटिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फिरोजपुर मंडल ने विशेष जागरूकता अभियान शुरू किया है। इसी कड़ी में ढंडारी कलां रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को 'रेल वन ऐप' के माध्यम से यूटीएस और डिजिटल टिकट खरीदने के लिए जागरूक किया गया।

अभियान के दौरान स्टेशन परिसर और टिकट काउंटरों के आसपास जागरूकता संबंधी बैनर और स्टैंडी लगाए गए। रेल अधिकारियों और कर्मचारियों ने यात्रियों को ऐप के इस्तेमाल की जानकारी दी और इसके फायदे समझाए। मौके पर 50 से अधिक यात्रियों के एंड्रॉइड और स्मार्टफोन में 'रेल वन ऐप' डाउनलोड करवाकर इंस्टॉल कराया गया। इसके साथ ही उन्हें ऐप के माध्यम से टिकट बुक करने की पूरी प्रक्रिया भी बताई गई।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक बसंत कुमार ने बताया कि फिरोजपुर मंडल का उद्देश्य डिजिटल सेवाओं के जरिए यात्रियों को आसान, पारदर्शी और परेशानी मुक्त सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि 'रेल वन ऐप' के उपयोग से यात्रियों को टिकट काउंटर पर लंबी कतारों में खड़े होने से राहत मिलती है।

उन्होंने बताया कि डिजिटल टिकटिंग से भुगतान प्रक्रिया भी आसान हो जाती है और खुले पैसों की समस्या खत्म होती है।

गैस कंपनियों ने उपभोक्ताओं से जल्द निशुल्क ई-केवाईसी कराने की अपील की

ई-केवाईसी नहीं कराने वालों को 15 अगस्त के बाद नहीं मिलेगा गैस सिलेंडर

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के निर्देशों के बाद अब रसोई गैस उपभोक्ताओं के लिए ई-केवाईसी करवाना अनिवार्य कर दिया गया है। जिन उपभोक्ताओं ने अभी तक अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी नहीं करवाई है, उन्हें 15 अगस्त के बाद रसोई गैस सिलेंडर की सप्लाई नहीं मिलेगी।

गैस कंपनियों के अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि बिना ई-केवाईसी वाले उपभोक्ताओं को किसी भी स्थिति में सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। इससे पहले कई उपभोक्ता अलग-अलग तरीकों से गैस एजेंसी डीलरों से सिलेंडर की सप्लाई लेते रहे हैं, लेकिन अब नियमों को सख्ती से लागू करने का निर्णय लिया गया है।

देश की तीनों प्रमुख गैस कंपनियों के उच्च अधिकारियों ने सभी गैस एजेंसियों को निर्देश जारी कर दिए हैं कि केवल उन्हीं उपभोक्ताओं को सिलेंडर की आपूर्ति की जाए, जिनकी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

इस संबंध में सराभा नगर स्थित भारत गैस कंपनी से जुड़ी रविंद्र गैस एजेंसी के प्रमुख रविंद्र सिंह ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे जल्द से जल्द अपने नजदीकी गैस एजेंसी कार्यालय में पहुंचकर निशुल्क ई-केवाईसी करवाएं। उन्होंने बताया कि ई-केवाईसी के लिए उपभोक्ताओं को अपना आधार कार्ड साथ लेकर आना जरूरी होगा।

लैंड क्रूजर वीआईपी नंबर दुरुपयोग मामले में केस दर्ज

भारतेंदु संवाददाता, फरीदकोट। जाली दस्तावेज तैयार कर लैंड क्रूजर गाड़ी के वीआईपी रजिस्ट्रेशन नंबर के कथित दुरुपयोग के मामले में थाना सिटी-2 फरीदकोट पुलिस ने लुधियाना निवासी एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी पर धोखाधड़ी, जालसाजी और फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल सहित विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, भोलूवाला रोड निवासी तेजिंदर सिंह सेखों की शिकायत की जांच के दौरान यह मामला सामने आया। शिकायत में बताया गया कि उनके रिश्तेदार नत्था सिंह ने कुछ समय पहले एक लैंड क्रूजर गाड़ी खरीदी थी। वाहन खरीदने के बाद वह विदेश चले गए थे, जहां बाद में उनकी मृत्यु हो गई। आरोप है कि इसी दौरान वाहन के स्वामित्व और रिकॉर्ड में कथित रूप से छेड़छाड़ की गई और फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए।

पंजाब के तीन शहरों में स्मार्ट सिटी परियोजनाओं पर 4485 करोड़ खर्च

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद तरुण चुघ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने स्मार्ट सिटी मिशन के तहत पंजाब के तीन प्रमुख शहरों अमृतसर, जालंधर और लुधियाना के लिए 4485 करोड़ रुपये की लागत वाली 204 विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

तरुण चुघ ने राज्यसभा में पूछे गए सवाल के जवाब का हवाला देते हुए बताया कि अमृतसर में 44 परियोजनाओं पर 1911 करोड़ रुपये, जालंधर में 78 परियोजनाओं पर 1186 करोड़ रुपये और लुधियाना में 82 परियोजनाओं पर 1388 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं में पार्किंग व्यवस्था, खेल सुविधाओं का विकास, ठोस कचरा प्रबंधन, जलापूर्ति, हरित क्षेत्रों का विस्तार और अन्य आधुनिक शहरी सुविधाओं से जुड़े कार्य शामिल हैं। उन्होंने कहा कि 31 मार्च 2026 तक तीनों शहरों में 204 में से 190 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। इन पर करीब 4148 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं, जो कुल परियोजनाओं का लगभग 93 प्रतिशत है।

तरुण चुघ ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने परियोजनाओं के लिए पर्याप्त धनराशि और संसाधन उपलब्ध कराए, लेकिन पंजाब सरकार की ओर से इनके प्रभावी क्रियान्वयन में अपेक्षित सहयोग नहीं मिला।

जालंधर के 42 चौकों पर लगेगा स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम, जाम से मिलेगी राहत

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। शहर की लगातार बिगड़ रही यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए नगर निगम ने आधुनिक तकनीक का सहारा लेने की तैयारी शुरू कर दी है। शहर के प्रमुख चौकों पर अब वाहनों की संख्या के अनुसार ट्रैफिक सिग्नल संचालित किए जाएंगे। इसके लिए नगर निगम ने पूरे शहर में एडैप्टिव ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम लगाने की योजना पर काम शुरू कर दिया है।

इस हाईटेक व्यवस्था की शुरुआत शहर के सबसे व्यस्त प्रभु श्रीराम चौक से की गई है। यहां नए स्मार्ट ट्रैफिक सिग्नल लगाने का काम शुरू हो चुका है। करीब 12 करोड़ रुपये की लागत वाले इस प्रोजेक्ट के तहत शहर के 42 प्रमुख चौकों को इस आधुनिक सिस्टम से जोड़ा जाएगा।

एडैप्टिव ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम की खासियत यह होगी कि ट्रैफिक सिग्नल खुद ही वाहनों की स्थिति के अनुसार अपनी टाइमिंग तय करेंगे। चौक के चारों ओर लगाए जाने वाले कैमरे और सेंसर लगातार यातायात पर नजर रखेंगे। जिस दिशा में वाहनों की संख्या अधिक होगी, उस ओर ग्रीन सिग्नल का समय अपने आप बढ़ जाएगा। वहीं कम ट्रैफिक वाली सड़क पर ग्रीन लाइट का समय कम कर दिया जाएगा।

प्रभु श्रीराम चौक पर दिनभर वाहनों का भारी दबाव रहता है। यहां नेहरू गार्डन स्कूल, बैंकों के क्षेत्रीय कार्यालय, दवा मार्केट और नगर निगम कॉम्प्लेक्स होने के कारण बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। इस वजह से अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है। स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम शुरू होने के बाद वाहन चालकों को अनावश्यक इंतजार और लंबी कतारों से राहत मिलने की उम्मीद है।

नगर निगम के अनुसार इस प्रोजेक्ट को करीब दो से तीन महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। सिस्टम लागू होने के बाद ट्रैफिक कम होने पर भी वाहन चालकों को लंबे समय तक लाल बत्ती पर रुकना नहीं पड़ेगा। इससे लोगों का समय बचेगा और ईंधन की खपत भी कम होगी।

इस व्यवस्था का पर्यावरण पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा। वाहनों के कम समय तक खड़े रहने से प्रदूषण में कमी आने की संभावना है। इसके अलावा आपातकालीन सेवाओं के वाहनों के लिए भी विशेष व्यवस्था की जाएगी।

जांच

सत्यापन अभियान में अपात्र लाभार्थी हटाए गए, पात्र परिवारों को मिलेगा लाभ

पंजाब में 8 लाख से ज्यादा मनरेगा जॉब कार्ड रद्द

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। पिछले पांच वर्षों में राज्य में 8 लाख से अधिक जॉब कार्ड रद्द कर दिए गए हैं। इसके चलते करीब 14 लाख श्रमिक इस योजना के लाभ से बाहर हो गए हैं। यह जानकारी केंद्र सरकार के ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों में सामने आई है।

केंद्र सरकार ने 1 जुलाई से इस योजना का नाम बदलकर विकसित भारत जी राम जी कर दिया है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2021 से 2026 के बीच अयोग्य लाभार्थियों को हटाने के लिए चलाए गए सत्यापन अभियान के दौरान पंजाब में बड़ी संख्या में जॉब कार्ड रद्द किए गए।

सरकार के अनुसार, योजना में पारदर्शिता बनाए रखने और वास्तविक पात्र परिवारों तक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से समय-समय पर लाभार्थियों के रिकॉर्ड की जांच की जाती है। इसी प्रक्रिया के तहत गलत जानकारी वाले, निष्क्रिय और अपात्र लाभार्थियों के नाम हटाए गए।

सत्यापन अभियान में अपात्र पाए गए लाखों जॉब कार्ड किए गए रद्द

आंकड़ों के मुताबिक, इस अवधि में पंजाब में कुल 14.05 लाख श्रमिकों को मनरेगा के डेटाबेस से बाहर किया गया। अधिकारियों ने बताया कि कई मामलों में जॉब कार्ड धारक परिवार के सभी सदस्य अपात्र पाए गए या लंबे समय से गांव छोड़ चुके थे। ऐसे मामलों में पूरे जॉब कार्ड को ही रद्द कर दिया गया।

अधिकारियों के अनुसार, फर्जी जॉब कार्ड, मृत लाभार्थियों के नाम, नियमित रोजगार प्राप्त कर चुके लोगों और लंबे समय से निष्क्रिय पड़े जॉब कार्ड को हटाना इस कार्रवाई के प्रमुख कारण रहे हैं।

वहीं, मनरेगा के तहत रोजगार की मांग करने वाले परिवारों की संख्या में भी गिरावट दर्ज की गई है। वर्ष 2025-26 में जहां पंजाब में 6.46 लाख परिवारों ने रोजगार की मांग की थी, वहीं वर्ष 2026-27 में यह संख्या घटकर 3.02 लाख रह गई।

केंद्र सरकार का कहना है कि जॉब कार्ड रद्द करने की प्रक्रिया का उद्देश्य किसी पात्र व्यक्ति को योजना से वंचित करना नहीं, बल्कि योजना में पारदर्शिता लाना है। सरकार अब यह सुनिश्चित करने पर जोर दे रही है कि मनरेगा का लाभ केवल वास्तविक जरूरतमंद ग्रामीण परिवारों को मिले।

इसके साथ ही योजना के तहत बनाई जाने वाली परिसंपत्तियों की गुणवत्ता सुधारने और रोजगार व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने पर भी ध्यान दिया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि सत्यापन प्रक्रिया भविष्य में भी जारी रहेगी, ताकि योजना का सही लाभ सही लोगों तक पहुंच सके।

आधुनिक शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और पर्यटन परियोजनाओं के संगम से ऐतिहासिक मुकाम की ओर बढ़ रहा है नगरोटा बगवां

आर. एस. बाली (जानू)
चेयरमैन, टूरिज्म विभाग हिमाचल प्रदेश सरकार

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जनपद में स्थित नगरोटा बगवां विधानसभा क्षेत्र आज विकास, संस्कृति और आस्था का ऐसा संगम बनकर उभर रहा है, जिसकी चर्चा प्रदेश की सीमाओं से बाहर भी होने लगी है। कभी अपनी धार्मिक पहचान के लिए प्रसिद्ध यह क्षेत्र अब शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना और पर्यटन के क्षेत्र में लगातार नई उपलब्धियां अर्जित कर रहा है। यही कारण है कि नगरोटा बगवां को आज प्रदेश के सर्वाधिक विकसित और संभावनाशील विधानसभा क्षेत्रों में गिना जाने लगा है।

नगरोटा बगवां की पहचान सदियों पुरानी धार्मिक परंपराओं से जुड़ी रही है। मां नारदा शारदा मंदिर, विश्वविख्यात मां चामुंडा धाम और बाबा बड़ोह जैसे सिद्धपीठ इस क्षेत्र की आध्यात्मिक विरासत को समृद्ध बनाते हैं। वर्षभर हजारों श्रद्धालु यहां पहुंचकर न केवल आस्था का अनुभव करते हैं, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक परंपराओं से भी परिचित होते हैं। यही धार्मिक विरासत नगरोटा बगवां को अन्य विधानसभा क्षेत्रों से अलग पहचान प्रदान करती है।

धार्मिक महत्व के साथ-साथ बीते तीन दशकों में इस क्षेत्र ने विकास के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय परिवर्तन देखा है। स्थानीय लोगों का मानना है कि पूर्व मंत्री, युग पुरुष एवं विकास पुरुष के नाम से विख्यात श्री जी. एस. बाली के नेतृत्व में नगरोटा बगवां में विकास की ऐसी नींव रखी गई, जिसने इस क्षेत्र को नई दिशा दी। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन और सार्वजनिक सुविधाओं के विस्तार ने नगरोटा बगवां को आधुनिक विकास के मानचित्र पर प्रमुख स्थान दिलाया। इसी कारण जनमानस आज भी उन्हें विकास पुरुष के रूप में स्मरण करता है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, टांडा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। यह संस्थान न केवल हिमाचल प्रदेश बल्कि पड़ोसी राज्यों के लाखों लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में टांडा मेडिकल कॉलेज ने प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई है।

नगरोटा बगवां आज शिक्षा का भी एक प्रमुख केंद्र बन चुका है। यहां स्थापित डिग्री कॉलेज, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), फार्मेसी कॉलेज, बी.एससी. नर्सिंग कॉलेज, जी.एन.एम. प्रशिक्षण संस्थान, इंजीनियरिंग कॉलेज तथा अनेक विद्यालय हजारों विद्यार्थियों के भविष्य को नई दिशा दे रहे हैं। आधुनिक शिक्षण संस्थानों की उपलब्धता ने क्षेत्र के युवाओं को घर के निकट गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर दिया है, जिससे सामाजिक और आर्थिक विकास को भी नई गति मिली है।

परिवहन और आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में भी नगरोटा बगवां ने उल्लेखनीय प्रगति की है। एचआरटीसी बस डिपो एवं वर्कशॉप, सामुदायिक भवन, विभिन्न सार्वजनिक संस्थान तथा अन्य विकास परियोजनाएं क्षेत्र की बदलती तस्वीर को स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं। इन सुविधाओं ने न केवल लोगों का जीवन आसान बनाया है बल्कि क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को भी मजबूत आधार प्रदान किया है।

अब नगरोटा बगवां एक और बड़े परिवर्तन की दहलीज पर खड़ा दिखाई देता है। प्रस्तावित योजनाओं के अनुसार मां नारदा शारदा मंदिर परिसर में लगभग 300 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक फाउंटेन पार्क, आधुनिक सिनेमा कॉम्प्लेक्स, पर्यटन विभाग का भव्य होटल तथा अन्य पर्यटन सुविधाएं विकसित किए जाने की योजना है। ये परियोजनाएं समयबद्ध ढंग से साकार होने का स्वरूप ले रहीं हैं, तो नगरोटा बगवां धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ आधुनिक पर्यटन का भी एक प्रमुख केंद्र बन रहा है। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे, छोटे व्यापारियों को लाभ मिलेगा और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

नगरोटा बगवां की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां विकास केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, संस्कृति और सामाजिक उत्थान को समान महत्व दिया गया। यही संतुलित दृष्टिकोण किसी भी क्षेत्र को स्थायी विकास की दिशा में आगे बढ़ाता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

बढ़ते जल संकट और प्रदूषण के बीच जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की आवश्यकता

सुखदेव सिंह
स्वतंत्र लेखक

जल प्रकृति का सबसे अमूल्य उपहार है। पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व जल के कारण ही संभव है। मनुष्य पशु पक्षी पेड़ पौधे और समस्त जीव जगत जल पर निर्भर हैं। इसलिए कहा जाता है कि जल ही जीवन है। आज बढ़ती जनसंख्या शहरीकरण औद्योगीकरण और जलवायु परिवर्तन के कारण स्वच्छ जल का संकट लगातार गहराता जा रहा है। यदि समय रहते जल संरक्षण और स्वच्छ जल की व्यवस्था पर गंभीरता से कार्य नहीं किया गया तो आने वाली पीढ़ियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

कुछ वर्ष पहले तक विद्यालयों सरकारी भवनों और सार्वजनिक स्थानों की दीवारों पर जल बचाओ जीवन बचाओ जैसे संदेश आसानी से दिखाई देते थे। इन संदेशों का उद्देश्य लोगों को जल के महत्व के प्रति जागरूक करना था। आज आवश्यकता है कि इन संदेशों को फिर से जन आंदोलन बनाया जाए। विद्यालयों में विद्यार्थियों को जल संरक्षण पर निबंध वाद विवाद चित्रकला और विज्ञान परियोजनाओं के माध्यम से प्रेरित किया जाना चाहिए ताकि बचपन से ही जल बचाने की आदत विकसित हो।

स्वच्छ जल केवल प्यास बुझाने का साधन नहीं बल्कि अच्छे स्वास्थ्य की पहली शर्त है। दूषित जल पीने से हैजा टाइफाइड पेचिश डायरिया पीलिया और अनेक संक्रामक रोग फैलते हैं। बरसात के मौसम में यह खतरा और अधिक बढ़ जाता है क्योंकि वर्षा का पानी खेतों से बहकर कीटनाशकों रासायनिक उर्वरकों और गंदगी को जल स्रोतों तक पहुंचा देता है। यदि इस पानी का उचित शोधन न किया जाए तो यह सीधे लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालता है।

आजकल लोग सुरक्षित पानी की तलाश में बोतलबंद पानी और आरओ प्रणाली पर अधिक निर्भर होते जा रहे हैं। हालांकि आवश्यकता से अधिक आरओ का उपयोग भी चिंता का विषय है क्योंकि इसमें बड़ी मात्रा में पानी व्यर्थ बह जाता है। दूसरी ओर गरीब परिवारों के लिए प्रतिदिन बोतलबंद पानी खरीदना संभव नहीं है। इसलिए सबसे बेहतर उपाय है कि घरों में उपलब्ध पानी को उबालकर ठंडा करके पिया जाए। उबालने से अधिकांश हानिकारक जीवाणु और विषाणु नष्ट हो जाते हैं और जल अपेक्षाकृत सुरक्षित बन जाता है।

सरकारों द्वारा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जल भंडारण टंकियों का निर्माण कराया गया है लेकिन उनका नियमित रखरखाव भी उतना ही आवश्यक है। यदि जल टंकियों की समय समय पर सफाई न हो तो उनमें गंदगी शैवाल और सूक्ष्म जीव पनपने लगते हैं जो पूरे क्षेत्र की जल आपूर्ति को दूषित कर सकते हैं। जल शक्ति विभाग तथा स्थानीय निकायों को जलाशयों की नियमित सफाई क्लोरीनीकरण और गुणवत्ता परीक्षण सुनिश्चित करना चाहिए। पाइप लाइनों में रिसाव भी एक बड़ी समस्या है क्योंकि इससे गंदा पानी स्वच्छ जल में मिल जाता है।

कृषि क्षेत्र में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अत्यधिक प्रयोग भी जल प्रदूषण का प्रमुख कारण बन गया है। खेतों से बहकर यह रसायन नदियों तालाबों और भूमिगत जल तक पहुंच जाते हैं। इसलिए किसानों को जैविक खेती संतुलित उर्वरक उपयोग और प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। इससे भूमि की उर्वरता भी बनी रहेगी और जल स्रोत भी सुरक्षित रहेंगे।

मानव शरीर का लगभग दो तिहाई भाग जल से बना है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से पाचन क्रिया बेहतर रहती है शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है और विषैले तत्व बाहर निकलते हैं। कम पानी पीने से गुर्दे की पथरी मूत्र संक्रमण कब्ज और अन्य अनेक रोगों का खतरा बढ़ जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार व्यक्ति को अपनी आयु मौसम और शारीरिक गतिविधि के अनुसार पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पानी अवश्य पीना चाहिए। बहुत अधिक ठंडा पानी पीने की आदत भी स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं मानी जाती।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> ‘**जब** आप किसी लक्ष्य को चाहते हैं तो पूरी सृष्टि आपकी सहायता करती है।
>
> **-पाउलो कोएल्हो**

संपादकीय

स्वस्थ जीवन का आयुर्वेदिक मार्ग

आयुर्वेद भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धति ही नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित और दीर्घायु जीवन जीने की एक समग्र जीवनशैली है। ‘आयु’ अर्थात जीवन और ‘वेद’ अर्थात ज्ञान। इस प्रकार आयुर्वेद का अर्थ है जीवन का विज्ञान। हजारों वर्षों से भारत में विकसित यह ज्ञान केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं रहा, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित कर स्वस्थ जीवन जीने की कला भी सिखाता है। वर्तमान समय में जब आधुनिक जीवनशैली तेज गति, तनाव, अनियमित दिनचर्या और असंतुलित खानपान से प्रभावित हो चुकी है, तब आयुर्वेद की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। आज विश्वभर में लोग प्राकृतिक और समग्र स्वास्थ्य प्रणाली की ओर आकर्षित हो रहे हैं और आयुर्वेद इस दिशा में एक प्रभावी विकल्प के रूप में उभर रहा है।

आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य को अनेक सुविधाएँ प्रदान की हैं। तकनीकी विकास, तेज संचार व्यवस्था, आधुनिक परिवहन, डिजिटल सेवाएँ और चिकित्सा विज्ञान की प्रगति ने जीवन को सरल बनाया है। इसके बावजूद जीवनशैली से जुड़ी अनेक समस्याएँ तेजी से बढ़ी हैं। अनियमित भोजन, देर रात तक जागना, शारीरिक श्रम में कमी, जंक फूड का अत्यधिक सेवन, प्रदूषित वातावरण, मानसिक तनाव और स्क्रीन पर बढ़ती निर्भरता ने लोगों के स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा, हृदय रोग, अनिद्रा, मानसिक तनाव और पाचन संबंधी विकार आज सामान्य समस्याएँ बनती जा रही हैं। ऐसे समय में आयुर्वेद केवल दवाओं का नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित बनाने का मार्ग प्रस्तुत करता है।

आयुर्वेद का मूल सिद्धांत है कि शरीर, मन और प्रकृति के बीच संतुलन बना रहे। आयुर्वेद के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति की प्रकृति अलग होती है और उसी के अनुसार उसका भोजन, दिनचर्या तथा जीवनशैली निर्धारित होनी चाहिए। आयुर्वेद वात, पित्त और कफ इन तीन दोषों के संतुलन को स्वास्थ्य का आधार मानता है। जब इनका संतुलन बिगड़ता है, तब विभिन्न प्रकार के रोग उत्पन्न होते हैं। इसलिए आयुर्वेद रोग होने के बाद उपचार करने के बजाय पहले से ही शरीर को स्वस्थ रखने पर अधिक बल देता है। यही कारण है कि इसे निवारक चिकित्सा पद्धति भी कहा जाता है।

आधुनिक जीवनशैली में आयुर्वेद की सबसे बड़ी विशेषता इसकी दिनचर्या और ऋतुचर्या की अवधारणा है। आयुर्वेद समय पर जागने, शुद्ध और संतुलित भोजन करने, नियमित व्यायाम करने, पर्याप्त नींद लेने और मानसिक शांति बनाए रखने की सलाह देता है। ब्रह्ममुहूर्त में उठना, योग और प्राणायाम करना, भोजन को अच्छी तरह चबाकर खाना, समय पर भोजन करना तथा सूर्यास्त के बाद हल्का भोजन करना जैसी आदतें शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में सहायक होती हैं। आज जब लोग देर रात तक जागते हैं और सुबह देर से उठते हैं, तब आयुर्वेद की यह जीवनशैली स्वास्थ्य सुधार का प्रभावी माध्यम बन सकती है।

आयुर्वेद में भोजन को औषधि का स्थान दिया गया है। इसके अनुसार भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि शरीर के पोषण और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का प्रमुख माध्यम है। ताजा, संतुलित और प्राकृतिक भोजन को सर्वोत्तम माना गया है। मौसमी फल, हरी सब्जियाँ, साबुत अनाज, दालें, दूध, घी और पारंपरिक भारतीय आहार शरीर को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करते हैं। इसके विपरीत अत्यधिक तला-भुना भोजन, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, शीतल पेय और अत्यधिक चीनी तथा नमक का सेवन अनेक रोगों का कारण बन सकता है। यदि आधुनिक जीवनशैली में आयुर्वेदिक खानपान के सिद्धांतों को अपनाया जाए, तो अनेक जीवनशैली संबंधी रोगों से बचा जा सकता है।

मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी आयुर्वेद अत्यंत उपयोगी है। वर्तमान समय में तनाव, चिंता, अवसाद और मानसिक थकान तेजी से बढ़ रही है। आयुर्वेद मन और शरीर के गहरे संबंध को स्वीकार करता है तथा ध्यान, योग, प्राणायाम और सकारात्मक सोच को मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक मानता है। नियमित ध्यान करने से मानसिक एकाग्रता बढ़ती है, तनाव कम होता है और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। इसी प्रकार प्राणायाम शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाकर मन को शांत और संतुलित बनाता है।

आयुर्वेद में औषधीय पौधों का विशेष महत्व है। तुलसी, अश्वगंधा, गिलोय, आंवला, हरड़, बहेड़ा, नीम, हल्दी, अदरक और एलोवेरा जैसे अनेक औषधीय पौधों का उपयोग लंबे समय से स्वास्थ्य संवर्धन के लिए किया जाता रहा है। इनका उद्देश्य केवल रोगों का उपचार करना नहीं, बल्कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाना भी है। कोविड महामारी के दौरान भी लोगों में प्राकृतिक प्रतिरक्षा बढ़ाने के लिए आयुर्वेदिक उपायों के प्रति जागरूकता बढ़ी। इससे यह स्पष्ट हुआ कि आधुनिक चिकित्सा के साथ-साथ आयुर्वेद भी स्वास्थ्य संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

-शिवांश धाकड़

कविता

मज़ाक नहीं, संवाद हो

संजय एम तराणेकर,(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)

मतभेदों का हक़ सबको है, लोकतंत्र की यहीं पहचान,
पर शब्दों में मर्यादा हो, यही तो है हिंदुस्तान की शान।
तर्कों से यदि गर सको तभी, विचारों का मान बढ़ाओ,
यूं कटाक्षों की तेज़ धार से, संवादों को मत भरमाओ।
जिस विद्वान से असहमति हो, खुलके स्वयं बात कहो,
परंतु हँसी का पात्र बनाकर, ज्ञान का अपमान न करों।
संसद सिर्फ ‘शोर’ नहीं है, ‘जनविश्वास’ की है दीवार,
यहाँ शब्दों से दीप जलें, ना ही उठे तिरस्कार की धार।
राजनीति में जीत-हार तो, हर मौसम की एक कहानी,
पर ‘सम्मान’ बचा रह जाए, बस इतनी हो निगहबानी।
व्यक्ति नहीं, विचारों पे हो, लोकतंत्र का हर एक प्रहार, मज़ाकों से नहीं
सजेगा, प्रियंका का उज्ज्वल व्यवहार।

दरकते पहाड़ बढ़ते भूस्खलन और प्राकृतिक आपदाओं के बीच सुरक्षित हिमाचल की चुनौती

तुलसी राम डोगरा
(स्वतंत्र लेखक),पालमपुर।

हिमाचल प्रदेश को देवभूमि के नाम से जाना जाता है। बर्फ से ढके पर्वत घने वन निर्मल नदियां और शांत प्राकृतिक वातावरण इस प्रदेश की पहचान रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह शांत और सुंदर प्रदेश लगातार प्राकृतिक आपदाओं का सामना कर रहा है। मानसून के दौरान होने वाली अत्यधिक वर्षा बादल फटना भूस्खलन पहाड़ों से चट्टानों का गिरना और नदियों का उफान पर आना अब सामान्य घटनाएं बनती जा रही हैं। इन आपदाओं ने न केवल जनजीवन को अस्तव्यस्त किया है बल्कि लोगों के मन में भय और असुरक्षा की भावना भी पैदा कर दी है। आज स्थिति यह है कि बरसात के मौसम में घर से निकलने वाला प्रत्येक व्यक्ति इस चिंता में रहता है कि पता नहीं कब कोई चट्टान पहाड़ से टूटकर गिर जाए या अचानक भूस्खलन उसकी जान ले ले।

हाल ही में लाहौल स्पीति जिले के उदयपुर किलाड़ मार्ग पर कढ़ू नाला के समीप हुई दर्दनाक दुर्घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया। घर लौट रहे लोगों से भरी एक टैक्सी पर अचानक विशाल चट्टान गिर गई और कुछ ही क्षणों में कई लोगों की जान चली गई। इस हादसे ने अनेक परिवारों की खुशियां छीन लीं। किसी घर का बेटा चला गया तो किसी परिवार का सहारा हमेशा के लिए समाप्त हो गया। एक ही परिवार के कई सदस्यों की मृत्यु ने इस त्रासदी को और भी दर्दनाक बना दिया। जिन घरों में विवाह की तैयारियां चल रही थीं वहां मातम छा गया। यह घटना केवल एक सड़क दुर्घटना नहीं बल्कि पहाड़ी क्षेत्रों में बढ़ते भूगर्भीय खतरे की गंभीर चेतावनी है।

हिमाचल प्रदेश का अधिकांश भाग पर्वतीय है जहां सड़क निर्माण अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य है। विकास के लिए सड़कें आवश्यक हैं लेकिन कई स्थानों पर वैज्ञानिक अध्ययन और पर्यावरणीय संतुलन की अनदेखी करके पहाड़ों की कटाई की जाती है। भारी मशीनों और विस्फोटकों से पहाड़ों को काटने के कारण उनकी प्राकृतिक मजबूती कमजोर पड़ जाती है। मानसून के दौरान जब लगातार वर्षा होती है तो मिट्टी ढीली हो जाती है और चट्टानें खिसकने लगती हैं। परिणामस्वरूप भूस्खलन और चट्टान गिरने जैसी घटनाएं बढ़ जाती हैं। इसलिए विकास कार्यों में आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों और पर्यावरणीय मानकों का पालन करना अत्यंत आवश्यक है।

जलवायु परिवर्तन भी इन आपदाओं का एक महत्वपूर्ण कारण बनकर सामने आया है। पहले जहां वर्षा सामान्य और संतुलित होती थी वहीं अब कम समय में अत्यधिक वर्षा हो रही है। बादल फटने की घटनाएं बढ़ रही हैं और छोटी नदियां भी अचानक विकराल रूप धारण कर लेती हैं। इससे सड़कें पुल खेत मकान और सार्वजनिक संपत्ति भारी नुकसान का शिकार होती है। कांगड़ा चंबा मंडी कुल्लू शिमला और लाहौल स्पीति जैसे जिले पिछले कुछ वर्षों में बार बार ऐसी आपदाओं का सामना कर चुके हैं। इन घटनाओं ने हजारों लोगों को बेघर किया है और करोड़ों रुपये की संपत्ति नष्ट हुई है।

बोह घाटी में बादल फटने से अनेक परिवारों के घर उजड़ गए। हालांकि प्रशासन की तत्परता से लोगों की जान बचा ली गई लेकिन जिन लोगों ने वर्षों की मेहनत से अपना आशियाना बनाया था उनके लिए यह क्षति जीवनभर का दर्द बन गई। घर केवल ईंट पत्थरों से नहीं बनता बल्कि उससे लोगों की भावनाएं सपने और जीवन की पूंजी जुड़ी होती है। जब प्राकृतिक आपदा एक पल में सब कुछ छीन लेती है तो उसका दर्द शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मोटापे की चपेट में आता बचपन देश के स्वस्थ भविष्य के लिए बड़ी चुनौती

केशव शर्मा
स्वतन्त्र लेखक, गांव-कोटला, घुमारवीं

भारत में बच्चों के बीच बढ़ता मोटापा आज एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या बन चुका है। कुछ दशक पहले तक मोटापे को केवल विकसित देशों की समस्या माना जाता था, लेकिन अब यह स्थिति भारत में भी तेजी से बदल रही है। महानगरों से लेकर छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों तक अधिक वजन वाले बच्चों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यह केवल शरीर का वजन बढ़ने की समस्या नहीं है बल्कि आने वाले समय में देश के स्वास्थ्य ढांचे पर बड़ा दबाव डालने वाली चुनौती बन सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बच्चों में बढ़ते मोटापे को नियंत्रित करने के लिए अभी प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में मधुमेह, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा तेजी से बढ़ सकता है।

बच्चों में मोटापे के बढ़ने का सबसे बड़ा कारण बदलती जीवनशैली है। पहले बच्चे अपना अधिकतर समय बाहर खेलकूद में बिताते थे। दौड़ना, साइकिल चलाना, मैदान में खेलना और अन्य शारीरिक गतिविधियां उनके दैनिक जीवन का हिस्सा हुआ करती थीं। इससे उनका शरीर सक्रिय रहता था और ऊर्जा का संतुलन बना रहता था। लेकिन आज तकनीक के बढ़ते प्रभाव ने बच्चों की दिनचर्या को काफी बदल दिया है। मोबाइल फोन, टीवी, कंप्यूटर और वीडियो गेम बच्चों के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गए हैं। लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठे रहने से शारीरिक गतिविधियां कम हो रही हैं और शरीर में जमा अतिरिक्त ऊर्जा वसा के रूप में परिवर्तित होने लगती है।

बच्चों के खानपान में आया बदलाव भी मोटापे की बड़ी वजह है। आज बाजार में उपलब्ध जंक फूड बच्चों को आसानी से आकर्षित कर रहा है। पिज्जा, बर्गर, चिप्स, फ्रेंच फ्राइज, कोल्ड ड्रिंक्स, चॉकलेट और अन्य तले हुए खाद्य पदार्थ बच्चों की पसंद बनते जा रहे हैं। इन खाद्य पदार्थों में अधिक मात्रा में चीनी, नमक, कैलोरी और अस्वास्थ्यकर वसा होती है, जो शरीर के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है। दूसरी ओर फल, हरी सब्जियां, दालें, दूध और घर का पौष्टिक भोजन बच्चों की थाली से धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। स्वाद को प्राथमिकता देने के कारण पोषण की अनदेखी बच्चों के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही है।

बचपन का मोटापा केवल शारीरिक बदलाव तक सीमित नहीं रहता बल्कि इसका असर बच्चे के पूरे जीवन पर पड़ सकता है। मोटापे से ग्रस्त बच्चों में कम उम्र में ही टाइप-2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप, फैटी लिवर और हड्डियों तथा जोड़ों से जुड़ी समस्याएं विकसित होने का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा सांस संबंधी परेशानियां भी सामने आ सकती हैं। कई बार मोटापे के कारण बच्चों को सामाजिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अधिक वजन के कारण उनमें आत्मविश्वास की कमी, दूसरों से दूरी बनाना, तनाव और अवसाद जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

इस समस्या से निपटने में अभिभावकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। बच्चों की आदतें काफी हद तक घर के वातावरण से प्रभावित होती हैं। यदि माता-पिता स्वयं संतुलित भोजन और स्वस्थ जीवनशैली अपनाते हैं तो बच्चे भी उससे प्रेरित होते हैं। बच्चों को बचपन से ही पौष्टिक भोजन की आदत डालना जरूरी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

सूर्य देव की आराधना, आध्यात्मिक चिंतन और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है रविवार का पवित्र दिन

सुभाष चंद कासव
राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक
कवि लेखक एवं साहित्यकार

भारतीय संस्कृति में सप्ताह के प्रत्येक दिन का अपना धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व माना गया है। इन्हीं दिनों में रविवार का स्थान विशेष है। रविवार को सूर्य देव का दिन माना जाता है। भारतीय परंपरा में सूर्य को जीवन, ऊर्जा, प्रकाश और चेतना का प्रतीक माना गया है। सूर्य के बिना पृथ्वी पर जीवन की कल्पना संभव नहीं है। इसलिए धार्मिक दृष्टि से रविवार का दिन सूर्य देव की आराधना, आत्मचिंतन और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करने का अवसर माना जाता है।

सूर्य देव की पूजा का महत्वः हिंदू धर्म में सूर्य देव को प्रत्यक्ष देवता कहा गया है क्योंकि उनका दर्शन हर व्यक्ति कर सकता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सूर्य देव स्वास्थ्य, सफलता, आत्मविश्वास और सम्मान प्रदान करने वाले देवता हैं। रविवार के दिन प्रातःकाल स्नान करने के बाद सूर्य को जल अर्पित करने की परंपरा है। माना जाता है कि श्रद्धा और विश्वास के साथ सूर्य को जल चढ़ाने से मन को शांति मिलती है और जीवन में सकारात्मकता आती है।

सूर्य पूजा केवल धार्मिक कर्मकांड तक सीमित नहीं है बल्कि इसके पीछे स्वास्थ्य संबंधी महत्व भी छिपा है। सुबह जल्दी उठकर सूर्य की किरणों के संपर्क में आने से शरीर को प्राकृतिक ऊर्जा मिलती है। नियमित दिनचर्या और अनुशासन का पालन करने की प्रेरणा भी सूर्य उपासना से जुड़ी हुई है।

रविवार और धार्मिक परंपराएंः भारतीय समाज में रविवार को कई लोग व्रत और पूजा करते हैं। सूर्य देव की कृपा प्राप्त करने के लिए लोग इस दिन विशेष नियमों का पालन करते हैं। कुछ लोग नमक का त्याग करते हैं और सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं। लाल रंग के वस्त्र, लाल फूल और गुड़ जैसे पदार्थ सूर्य पूजा में विशेष रूप से उपयोग किए जाते हैं।

धार्मिक ग्रंथों में सूर्य देव को शक्ति और ज्ञान का स्रोत बताया गया है। मान्यता है कि सूर्य की आराधना करने से व्यक्ति के भीतर आत्मविश्वास बढ़ता है और वह जीवन की कठिन परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम बनता है।

रविवार का आध्यात्मिक महत्वः रविवार को केवल आराम का दिन नहीं बल्कि आत्ममंथन का अवसर भी माना जा सकता है। भागदौड़ भरी जिंदगी में व्यक्ति अपने परिवार, समाज और स्वयं के लिए समय नहीं निकाल पाता। रविवार का दिन व्यक्ति को अपनी दिनचर्या पर विचार करने और जीवन को बेहतर बनाने का अवसर देता है।

धार्मिक दृष्टि से यह दिन मन को शांत करने, ईश्वर का स्मरण करने और अच्छे कार्यों के लिए प्रेरणा लेने का समय है। ध्यान, प्रार्थना और आध्यात्मिक चिंतन से मानसिक तनाव कम होता है और मन में सकारात्मक विचार उत्पन्न होते हैं।

दान और सेवा का महत्वः भारतीय परंपरा में रविवार के दिन दान और सेवा कार्यों को भी शुभ माना गया है। जरूरतमंद लोगों की सहायता करना, भोजन कराना और समाज के कमजोर वर्गों के प्रति सहयोग की भावना रखना धार्मिक दृष्टि से पुण्य कार्य माना जाता है।

धर्म का वास्तविक उद्देश्य मानवता की सेवा करना है। इसलिए रविवार को केवल पूजा तक सीमित न रखकर अच्छे कार्यों और समाज कल्याण के लिए भी समर्पित किया जा सकता है। दूसरों की सहायता करने से मन को संतोष और आत्मिक आनंद प्राप्त होता है।

परिवार के साथ समय बिताने का अवसरः आधुनिक जीवन में काम की व्यस्तता के कारण परिवार के सदस्यों के बीच संवाद कम होता जा रहा है। रविवार का दिन परिवार के साथ समय बिताने और रिश्तों को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

भारत के प्रथम वैज्ञानिक उद्योगपति

आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय
जन्म : 2 अगस्त 1861

आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय भारत के महान वैज्ञानिक, रसायनशास्त्री, शिक्षक और उद्योगपति थे। उनका जन्म **2 अगस्त 1861** को बंगाल के ररुली-कटिपारा गांव में हुआ था, जो वर्तमान में बांग्लादेश में स्थित है। उन्हें भारत में आधुनिक रसायन विज्ञान का जनक माना जाता है। उन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देकर भारतीय वैज्ञानिक परंपरा को मजबूत किया और देश में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा दिया।

प्रफुल्ल चंद्र राय ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा के बाद उच्च शिक्षा के लिए कोलकाता का रुख किया। विज्ञान में उनकी विशेष रुचि थी। उन्होंने आगे की पढ़ाई के लिए एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया और वहां से रसायन विज्ञान में उच्च शिक्षा प्राप्त की। भारत लौटने के बाद उन्होंने कोलकाता के प्रेसीडेंसी कॉलेज में अध्यापन कार्य शुरू किया। एक शिक्षक के रूप में उन्होंने विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि पैदा की और कई प्रतिभाशाली वैज्ञानिक तैयार किए।

आचार्य राय का सबसे बड़ा योगदान रसायन विज्ञान के क्षेत्र में उनके शोध कार्य थे। उन्होंने पारे के यौगिकों पर महत्वपूर्ण शोध किया और वर्ष 1896 में मरक्यूरस नाइट्राइट नामक यौगिक की खोज की। यह खोज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित हुई और भारतीय विज्ञान को नई पहचान मिली। उनके शोध पत्र दुनिया की प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए।

प्रफुल्ल चंद्र राय केवल वैज्ञानिक ही नहीं बल्कि एक दूरदर्शी उद्योगपति भी थे। उन्होंने वर्ष 1901 में बंगाल केमिकल्स एंड फार्मास्युटिकल्स की स्थापना की। यह भारत की शुरुआती स्वदेशी औषधि कंपनियों में से एक थी। उनका उद्देश्य भारत में वैज्ञानिक उद्योगों को बढ़ावा देना और देश को विदेशी उत्पादों पर निर्भरता से मुक्त करना था।

उन्होंने भारतीय विज्ञान के इतिहास पर भी महत्वपूर्ण कार्य किया। उनकी प्रसिद्ध पुस्तक हिस्ट्री ऑफ हिंदू केमिस्ट्री ने भारत के प्राचीन रसायन विज्ञान के ज्ञान को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया। वह सामाजिक सुधारों के समर्थक भी थे और शिक्षा के प्रसार को समाज के विकास का आधार मानते थे।

‘भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

रूफटॉप सोलर ऊर्जा: देश में लखनऊ का पहला स्थान, शीर्ष सौ में उत्तर प्रदेश के 17 जिले

एजेंसी, लखनऊ। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत उत्तर प्रदेश ने रूफटॉप सोलर ऊर्जा विस्तार में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश के 17 जिले देश के शीर्ष 100 जिलों में शामिल हुए हैं। राजधानी लखनऊ 1,24,167 रूफटॉप सोलर संयंत्रों के साथ लगातार देश में पहले स्थान पर बना हुआ है। वहीं वाराणसी ने 10वां और कानपुर नगर ने 14वां स्थान हासिल किया है। यूपी नेडा के अनुसार, राज्य में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सरकारी योजनाओं, जागरूकता अभियानों और सरल ऑनलाइन प्रक्रिया का सकारात्मक असर दिख रहा है। रूफटॉप सोलर से उपभोक्ताओं को बिजली बिल में बचत के साथ अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजकर आर्थिक लाभ भी मिल रहा है।

लॉ कॉलेजों के मानकों की होगी जांच, मां विन्ध्यवासिनी विवि ने बनाई टीम

एजेंसी, मीरजापुर। मां विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय से संबद्ध मीरजापुर और सोनभद्र के लॉ कॉलेजों में बार काउंसिल ऑफ इंडिया के मानकों की जांच की जाएगी। विश्वविद्यालय प्रशासन कॉलेजों में आधारभूत सुविधाओं, शिक्षक-छात्र अनुपात, कक्षाओं की व्यवस्था और निर्धारित गाइडलाइन के पालन की समीक्षा करेगा। कुलपति प्रो. शोभा गौड़ ने बताया कि जांच के बाद रिपोर्ट तैयार कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मानकों के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित संस्थानों पर नियमानुसार कार्रवाई संभव है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने सभी विश्वविद्यालयों को संबद्ध लॉ कॉलेजों की जांच के आदेश दिए हैं। जांच के लिए कुलसचिव राम नारायण को नोडल अधिकारी बनाया गया है। उनकी टीम कॉलेजों का निरीक्षण करेगी।

यूपी में अगले सात दिन बारिश के आसार कई जिलों में भारी वर्षा की चेतावनी

एजेंसी, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में अगले सात दिनों तक बारिश और गरज-चमक का दौर जारी रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. एस.एन. सुनील पांडेय ने बताया कि 3 से 5 अगस्त के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भारी वर्षा हो सकती है। किसानों को मौसम पूर्वानुमान के अनुसार कृषि कार्य करने और फसलों को जलभराव से बचाने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार एक और दो अगस्त को भी कई क्षेत्रों में बारिश की संभावना है। 6 और 7 अगस्त को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में गरज-चमक के साथ वर्षा हो सकती है। किसानों को खेतों में जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई है।

देवरिया में डीएम ने तुरंत सुधरवाया राजस्व रिकॉर्ड, महिला को सौंपी नई खतौनी

एजेंसी, देवरिया। देवरिया में संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने फरियादी की खतौनी में नाम सुधार की समस्या का तत्काल समाधान कराया। ग्राम जद्दु परसिया निवासी महिला ने नाम गलत दर्ज होने की शिकायत की थी। जिलाधिकारी के निर्देश पर राजस्व अधिकारियों ने अभिलेखों की जांच कर त्रुटि को ठीक किया और नई खतौनी तैयार की। संशोधित खतौनी जिलाधिकारी ने स्वयं फरियादी को सौंपी। समस्या का शीघ्र निस्तारण होने पर महिला ने प्रशासन का आभार जताया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व अभिलेखों में होने वाली त्रुटियों का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को परेशानियों का सामना न करना पड़े। इस पहल से प्रशासन की कार्यप्रणाली में जनता का विश्वास और मजबूत हुआ है। जिलाधिकारी ने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस का उद्देश्य लोगों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करना है। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई करते हुए समय सीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित करें।

विजिलेंस ने एलडीए अवर अभियंता समेत तीन लोगों को रिश्वत लेते पकड़ा, 7.50 लाख रुपए बरामद

निर्माण कार्य पर कार्रवाई का डर दिखाकर मांगी थी 15 लाख रुपये की रिश्वत

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) की टीम ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के अवर अभियंता, सुपरवाइजर और एक निजी व्यक्ति को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से रिश्वत की रकम के रूप में 7.50 लाख रुपये बरामद किए गए हैं। विजिलेंस के अनुसार, तीनों आरोपी एक निर्माण कार्य को लेकर शिकायतकर्ता से 15 लाख रुपये की रिश्वत मांग रहे थे।

मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान, लखनऊ सेक्टर से की गई थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि एलडीए के अवर अभियंता दिनेश कुमार वर्मा ने उसके निर्माणाधीन स्थल पर पहुंचकर काम बंद कराने की धमकी दी थी। अवर अभियंता ने कहा था कि उसके खिलाफ आईजीआरएस पोर्टल पर श्रवण कुमार नामक व्यक्ति की ओर से शिकायत की गई है और मामले को निपटाने के लिए उससे संपर्क करना होगा।

शिकायतकर्ता के अनुसार, इसके बाद निजी व्यक्ति श्रवण कुमार ने उसे राम मनोहर लोहिया अस्पताल के गेट पर बुलाया और कहा कि उसकी अवर अभियंता से बात हो चुकी है। यदि 15 लाख रुपये दे दिए जाते हैं तो निर्माण कार्य के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। इसके बाद शिकायतकर्ता एलडीए कार्यालय पहुंचा, जहां उसकी मुलाकात अवर अभियंता दिनेश कुमार वर्मा और सुपरवाइजर चंद्र प्रकाश से हुई।

आरोप है कि अवर अभियंता ने शिकायतकर्ता से 15 लाख रुपये की मांग की और आगे की बातचीत के लिए सुपरवाइजर चंद्र प्रकाश से संपर्क करने को कहा। सुपरवाइजर ने भी रिश्वत की पूरी रकम देने का दबाव बनाया। शिकायतकर्ता ने इतनी बड़ी रकम देने में असमर्थता जताते हुए 7.50-7.50 लाख रुपये की दो किस्तों में भुगतान करने की बात कही।

शिकायतकर्ता ने रिश्वत देने से इनकार करते हुए विजिलेंस से आरोपियों को पकड़वाने की इच्छा जताई। इसके बाद विजिलेंस ने शिकायत की गोपनीय जांच शुरू की। जांच के दौरान आरोपों की पुष्टि के लिए साक्ष्य जुटाए गए।

जांच में सामने आया कि अवर अभियंता दिनेश कुमार वर्मा, सुपरवाइजर चंद्र प्रकाश और निजी व्यक्ति श्रवण कुमार कथित रूप से आपसी मिलीभगत कर आईजीआरएस पोर्टल पर की गई शिकायत का इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए कर रहे थे। विजिलेंस टीम ने पूरी योजना के तहत कार्रवाई करते हुए एक अगस्त को शिकायतकर्ता से रिश्वत की रकम लेते समय तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम समेत संबंधित धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। विजिलेंस अधिकारियों ने बताया कि भ्रष्टाचार के मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

दशाश्वमेध घाट पर कांवड़ियों ने गंगा स्वच्छता और संरक्षण का संदेश दिया

एजेंसी, वाराणसी

धार्मिक नगरी वाराणसी में सावन मास के तीसरे दिन शनिवार को आस्था, देशभक्ति और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संगम देखने को मिला। दशाश्वमेध घाट पर कांवड़ियों ने कंधे पर कांवर और हाथों में तिरंगा लेकर गंगा की निर्मलता तथा जल संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान घाट पर हर हर महादेव, बम-बम भोले और भारत माता की जय के जयघोष गूंजते रहे। गेरुआ वस्त्र धारण किए कांवड़ियों ने गंगा जल से भरी कांवर उठाकर धार्मिक परंपरा का निर्वहन किया।

अशोक चौरसिया ने महान विभूतियों को किया याद

वहीं, नमामि गंगे के स्वयंसेवकों के साथ मिलकर उन्होंने गंगा घाटों की स्वच्छता और जल संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया। कांवड़ियों के इस प्रयास को देखकर घाट पर मौजूद श्रद्धालुओं और स्नानार्थियों ने भी उत्साह के साथ हर-हर महादेव के उद्घोष लगाए। गंगा सेवक राजेश शुक्ला के आह्वान पर श्रद्धालुओं ने गंगा किनारे स्वच्छता बनाए रखने और जल संरक्षण का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान तिरंगा लेकर जल संरक्षण का संदेश देना समाज के लिए प्रेरणादायक पहल है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और देश प्रेम की भावना को मजबूत करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को जल बचाने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। कार्यक्रम में कांवड़िया अभिनव सिंह और नकुल पाण्डेय सहित अन्य श्रद्धालुओं ने लोगों को गंगा की स्वच्छता और जल बचाने के लिए प्रेरित किया।

आयोजकों ने कहा कि धार्मिक आयोजनों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि गंगा सहित सभी जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण केवल अभियान नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए आवश्यक जिम्मेदारी है। कांवड़ियों की इस पहल से धार्मिक यात्रा के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी मजबूत हुआ।

जिलाधिकारी ने एसपी के साथ सड़क दुघर्टना में घायल व्यक्ति को अस्पताल भिजवाया

एजेंसी, सोनभद्र

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में शनिवार को सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद कर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया। चोपन थाना क्षेत्र के वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर हुए हादसे के बाद दोनों अधिकारियों ने अपना काफिला रोककर घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया।

आहूजा अस्पताल बिहार के मुजफ्फरनगर की पारुल तोमर को छात्र आयुष कुमार की किडनी लगाई गई थी

जानकारी के अनुसार, जिलाधिकारी चर्चित गौड़ और पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा दुद्धी तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान वे गुरूमुरा के पास पहुंचे, जहां वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर ट्रैक्टर और बाइक की टक्कर हो गई थी।

हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर पड़ा था। दुर्घटना देखकर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने तुरंत वाहन रुकवाया और घायल व्यक्ति के पास पहुंचे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंत्री हंसराज विश्वकर्मा का धूमधाम से मनाया जन्मदिन

एजेंसी, वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के सेवापुरी क्षेत्र में शनिवार को राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा के 57वें जन्मदिन के अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, पार्षदों और स्थानीय लोगों ने कार्यक्रम आयोजित कर शुभकामनाएं दीं। कार्यकर्ताओं ने केक काटकर आपस में वितरित किया और राज्य मंत्री के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने हंसराज विश्वकर्मा को फूलों की माला पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने उनके सामाजिक और राजनीतिक योगदान की सराहना करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने कहा कि वह अपने जीवन में केक काटकर जन्मदिन नहीं मनाते हैं, लेकिन भाजपा के समर्पित कार्यकर्ताओं का प्रेम और स्नेह उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए कहा कि यही अपनापन उन्हें जनसेवा के कार्यों में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

देवरिया में एचआईवी जागरूकता के लिए रेड रन मैराथन, 108 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

एजेंसी, देवरिया

एचआईवी और एड्स के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से शनिवार को स्वर्गीय रवींद्र किशोर शाही स्टेडियम में 'रेड रन मैराथन' का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति के सहयोग से यूथ फेस्ट सप्ताह के तहत आयोजित पांच किलोमीटर की इस मैराथन को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल कुमार गुप्ता और जिला क्रीड़ा अधिकारी अनुराग श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मैराथन में पुरुष और महिला वर्ग के कुल 108 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पुरुष वर्ग में अभिषेक कुमार ने प्रथम, रितेश निषाद ने द्वितीय और रोहित यादव ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं शंभु कुमार को सांत्वना पुरस्कार मिला। महिला वर्ग में काजल पासवान प्रथम, आंचल पासवान द्वितीय और पूजा पांडे तृतीय रहीं, जबकि प्रीति चौरसिया को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। विजेताओं को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने एचआईवी संक्रमण के कारणों, बचाव के उपायों और समय पर जांच व उपचार के महत्व की जानकारी दी। दिशा के क्लस्टर प्रोग्राम मैनेजर डॉ. नीतीश राय ने नाको हेल्पलाइन 1097 के बारे में बताया।

बरसाती नहर में डूबी तीनों बच्चियों के शव बरामद, 12 घंटे बाद खत्म हुआ सर्च ऑपरेशन

एजेंसी, कुशीनगर

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के दुबौली गांव के पास शुक्रवार शाम बरसाती नहर में डूबी तीनों बच्चियों के शव शनिवार सुबह बरामद कर लिए गए। हादसे के बाद पुलिस, प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम ने करीब 12 घंटे तक लगातार रेस्क्यू अभियान चलाया। काफी मशक्कत के बाद तीनों बच्चियों को नहर से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार शाम गांव की तीन बच्चियां खेलते-खेलते पुल के पास पहुंच गई थीं। बताया जा रहा है कि वे पुल पर बैठी थीं, तभी अचानक संतुलन बिगड़ने से तीनों बरसाती नहर में गिर गईं। नहर में पानी का बहाव तेज होने के कारण बच्चियां देखते ही देखते गहरे पानी में चली गईं और लापता हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम को भी राहत एवं बचाव कार्य में लगाया गया। टीम ने देर रात तक सर्च ऑपरेशन चलाया और शनिवार सुबह तीनों बच्चियों के शव बरामद किए।

मृतक बच्चियों की पहचान सपना (14), कुंजन (11) और छोटी (10) के रूप में हुई है। तीनों बच्चियां एक ही परिवार की बताई जा रही हैं। शव मिलने के बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई और पूरे गांव में शोक का माहौल फैल गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौके पर पहुंचे पडरौना एसडीएम राजीव निगम और तहसीलदार अभिषेक मिश्रा ने पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वाराणसी विद्यालय में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत बच्चों ने पौधे लगाए

एजेंसी, वाराणसी

पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वाराणसी के ग्रामीण क्षेत्र चौबेपुर स्थित भंदहा कला संविलियन विद्यालय परिसर में शनिवार को पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों ने उत्साह के साथ पौधे लगाए और उनके संरक्षण का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट और विद्यालय परिवार के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया गया।

वाराणसी में विद्यार्थियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

अभियान के तहत बच्चों ने विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए और पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के प्रति अपनी भागीदारी दर्ज कराते हुए पौधों की देखभाल करने की जिम्मेदारी भी ली। आशा ट्रस्ट के समन्वयक वल्लभाचार्य पाण्डेय ने कहा कि मानव जीवन के लिए हरियाली का विशेष महत्व है। पेड़-पौधे न केवल पर्यावरण को संतुलित रखते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य का आधार भी तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और सुरक्षा करना भी हमारी जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों चन्द्रावती देवी, रमेश कुमार, अर्चना सिंह, स्मिता सिंह, श्वेत कमल रघुवंशी, प्रतिमा भारती, नीलम शाह, सरिता सिंह, विजय लक्ष्मी यादव, शिखा राय, रमाशंकर यादव और मंजू यादव सहित अन्य लोगों ने सहभागिता की। सभी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया।

पति ने पत्नी के प्रेमी की गला घोंटकर हत्या की, पत्नी गिरफ्तार

एजेंसी, रायबरेली। उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में हत्या की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। डलमऊ थाना क्षेत्र के पूरे रजऊ गांव में पति ने पत्नी के प्रेमी की गला घोंटकर हत्या कर दी और शव को घर के अंदर ही गड्ढा खोदकर दफना दिया। मामले का खुलासा होने के बाद पुलिस ने साजिश में शामिल पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मुख्य आरोपी पति फरार है। जानकारी के अनुसार, रीता की शादी भदोखर निवासी रामप्रकाश से हुई थी। पति-पत्नी के बीच अनबन के कारण रीता अपने मायके में रह रही थी। इसी दौरान उसका अमित नामक युवक से प्रेम संबंध हो गया। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ समय से दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था।

जब अमित रीता के घर पहुंचा, उसी दौरान रामप्रकाश भी वहां आ गया। दोनों के बीच विवाद बढ़ गया और गुस्से में रामप्रकाश ने अमित का गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद पकड़े जाने के डर से पति-पत्नी ने मिलकर घर के अंदर गड्ढा खोदकर शव को दफना दिया और ऊपर से फर्श बनवा दिया। कुछ दिनों बाद शव सड़ने से घर से तेज बदबू आने लगी। ग्रामीणों को शक हुआ तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर खुदाई कराई, जहां से अमित का शव बरामद हुआ। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फरार आरोपी रामप्रकाश की तलाश में दबिश दी जा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में जांच जारी है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस ने बताया कि मामले में साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी और आरोपी को जल्द पकड़ा जाएगा।

मुरादाबाद मोमबत्ती फैक्टरी में भीषण आग, 50 दमकलों से पाया काबू

एजेंसी, मुरादाबाद

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में मोमबत्ती फैक्टरी और गोदाम में लगी भीषण आग से इलाके में हड़कंप मच गया। थाना सदर कोतवाली क्षेत्र के बुध बाजार स्थित सागर सराय मोहल्ले में शुक्रवार देर रात फैक्टरी से अचानक आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने पूरी फैक्टरी और गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी विकराल थी कि उसका धुआं और तपिश आसपास के घरों तक पहुंचने लगी, जिससे स्थानीय लोगों में अफरातफरी मच गई।

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। जिला प्रशासन, पुलिस और अग्निशमन विभाग की संयुक्त टीमों ने पूरी रात अभियान चलाकर आग को नियंत्रित करने का प्रयास किया। आग की गंभीरता को देखते हुए जिले में उपलब्ध सभी दमकल वाहनों को घटनास्थल पर लगाया गया। करीब 50 से अधिक फायर ब्रिगेड गाड़ियों की मदद से आग बुझाने का काम किया गया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग को आसपास के क्षेत्रों में फैलने से रोक लिया। लगातार चले अभियान के बाद शनिवार सुबह करीब 10 बजे आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका। राहत की बात रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। हालांकि फैक्टरी और गोदाम में रखा सामान आग की चपेट में आ गया।

जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि प्रशासन, पुलिस और अग्निशमन विभाग के बेहतर समन्वय और त्वरित कार्रवाई के कारण स्थिति को समय रहते नियंत्रित कर लिया गया। घटना के कारणों और नुकसान का आकलन किया जा रहा है। फैक्टरी संचालकों से भी जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि घटना की पूरी वजह स्पष्ट हो सके।

बदलाव बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जिले में बढ़ाई जा रही आवासीय सुविधाएं

10 करोड़ की लागत से बने दो आवासीय विद्यालय, 800 छात्राओं को मिलेगा लाभ

एजेंसी, बांदा

बांदा जिले में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों को बेहतर शैक्षणिक माहौल और आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में दो नए कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय बनकर तैयार हो गए हैं। बबेरू और नरैनी क्षेत्र में तैयार इन विद्यालयों को बेसिक शिक्षा विभाग को सौंप दिया गया है। करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से बने इन दोनों विद्यालयों में कक्षा नौ से 12 तक की छात्राओं को शिक्षा के साथ रहने की सुविधा भी मिलेगी।

बबेरू ब्लॉक के पल्हरी और नरैनी ब्लॉक के रगौली भटपुरा करतल में स्थित इन विद्यालयों का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद निर्माण एजेंसी सीएनडीएस ने इन्हें बेसिक शिक्षा विभाग को हैंडओवर कर दिया है। दोनों विद्यालयों में कुल 800 छात्राओं के अध्ययन और आवास की व्यवस्था की गई है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं को उच्च कक्षाओं की पढ़ाई के लिए दूर जाने की परेशानी से राहत मिलेगी।

जिले में बालिका शिक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से करीब दो वर्ष पहले चार कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों को मंजूरी दी गई थी। इनमें बबेरू, नरैनी, बिसंडा और बड़ोखर खुर्द शामिल हैं। प्रत्येक विद्यालय के निर्माण के लिए लगभग पांच करोड़ रुपये की धनराशि निर्धारित की गई थी। इनमें से बबेरू और नरैनी के विद्यालयों का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि बिसंडा और बड़ोखर खुर्द में भी निर्माण कार्य पूरा होने के बाद उन्हें विभाग को सौंपने की प्रक्रिया चल रही है।

नए तैयार किए गए विद्यालयों में छात्राओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया है। यहां पढ़ाई के लिए आधुनिक एकेडमिक ब्लॉक बनाए गए हैं, जबकि रहने के लिए बालिका छात्रावास की व्यवस्था की गई है। विद्यालयों में छात्राओं को सुरक्षित वातावरण में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। प्रत्येक विद्यालय में कक्षा नौ, दस, 11 और 12 के लिए 100-100 छात्राओं के प्रवेश की क्षमता तय की गई है। इस प्रकार एक विद्यालय में 400 और दोनों विद्यालयों में कुल 800 छात्राएं अध्ययन कर सकेंगी।

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय योजना का उद्देश्य आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग की छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। नए विद्यालयों के शुरू होने से जिले की बड़ी संख्या में छात्राओं को लाभ मिलेगा। विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों की बेटियों को अब अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, विद्यालयों में आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी की जा रही हैं, ताकि जल्द ही छात्राओं का प्रवेश और शैक्षणिक गतिविधियां शुरू की जा सकें। इन विद्यालयों के संचालन से न केवल छात्राओं की शिक्षा का स्तर बेहतर होगा, बल्कि उनके आत्मनिर्भर बनने के अवसर भी बढ़ेंगे।

ट्रेन से बिहार ले जाई जा रही 21 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी, मीरजापुर

रेलवे स्टेशन पर अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के पास से 21 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की है, जिसे वे बिहार ले जाने की तैयारी में थे। दोनों आरोपितों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

मीरजापुर स्टेशन पर 21 लीटर शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

शराबबंदी वाले बिहार में सप्लाई की तैयारी, यूपी में पकड़े गए आरोपी

जीआरपी प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार वर्मा के निर्देशन में शनिवार को रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान प्लेटफॉर्म नंबर दो पर हावड़ा छोर स्थित पानी की टंकी के पास दो युवकों की गतिविधियां संदिग्ध नजर आईं। जीआरपी, आरपीएफ और सीआईबी की संयुक्त टीम ने दोनों को रोककर पूछताछ की और उनके बैग की तलाशी ली। तलाशी के दौरान बैग से 750-750 मिलीलीटर की 28 बोतल रॉयल स्टेज अंग्रेजी शराब बरामद हुई।

शराब की कुल मात्रा 21 लीटर पाई गई। पुलिस ने मौके से दोनों युवकों को गिरफ्तार कर शराब को कब्जे में ले लिया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बिहार के पटना निवासी अमित कुमार और आकाश कुमार के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि बिहार में शराबबंदी लागू होने के कारण वे उत्तर प्रदेश से शराब खरीदकर ट्रेन के माध्यम से बिहार ले जाते थे। वहां ऊंचे दामों पर बेचकर मुनाफा कमाने की योजना थी। जीआरपी अधिकारियों ने बताया कि रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों के माध्यम से होने वाली अवैध शराब तस्करी पर लगातार नजर रखी जा रही है।

इसी अभियान के तहत संदिग्ध यात्रियों की जांच बढ़ाई गई है। अधिकारियों का कहना है कि शराब तस्करी में शामिल अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा सके। पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की जांच जारी है। पुलिस अब तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।

अंबाला छावनी की 1065 एकड़ भूमि फ्रीहोल्ड नीति पर विज के विरोध से फिलहाल टला फैसला

जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ का मुद्दा उठाते हुए विज ने नीति पर पुनर्विचार की मांग की

भारतेन्दु संवाददाता, अंबाला

हरियाणा सरकार की मंत्रिमंडल बैठक में अंबाला छावनी की 1065 एकड़ एक्साइज भूमि को फ्रीहोल्ड करने से संबंधित नीति पर चर्चा हुई, लेकिन परिवहन मंत्री एवं अंबाला छावनी से विधायक अनिल विज के कड़े विरोध के बाद इस प्रस्ताव पर फिलहाल रोक लगा दी गई। विज ने तर्क दिया कि प्रस्तावित नीति लागू होने से दशकों से इस भूमि पर रह रहे हजारों परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ेगा।

फ्रीहोल्ड नीति पर पुनर्विचार की मांग करते परिवहन मंत्री अनिल विज।

उन्होंने कहा कि जनहित को ध्यान में रखते हुए नीति पर दोबारा गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान अनिल विज ने अधिकारियों द्वारा तैयार किए गए प्रस्ताव पर आपत्ति जताते हुए कहा कि किसी भी नीति का उद्देश्य आम नागरिकों को राहत देना होना चाहिए, न कि उन पर अतिरिक्त वित्तीय भार डालना।

उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष सुझाव रखा कि नीति लागू करने से पहले संबंधित अधिकारियों, मुख्यमंत्री और जनप्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा कर इसके सभी पहलुओं का मूल्यांकन किया जाए। विज के विरोध के बाद मुख्यमंत्री ने मामले की समीक्षा कराने के निर्देश दिए, जिसके चलते फिलहाल इस नीति को मंजूरी नहीं दी गई। सरकार अब प्रस्तावित फ्रीहोल्ड नीति के आर्थिक और सामाजिक प्रभावों का दोबारा अध्ययन करेगी। समीक्षा पूरी होने के बाद ही इस संबंध में आगे का निर्णय लिया जाएगा। बताया जा रहा है कि अंबाला छावनी की इस एक्साइज भूमि पर लंबे समय से हजारों परिवार निवास कर रहे हैं। प्रस्तावित फ्रीहोल्ड नीति के तहत उन्हें भूमि का मालिकाना अधिकार मिलने की प्रक्रिया तय की जानी थी, लेकिन इसके लिए निर्धारित शुल्क और अन्य शर्तों को लेकर कई सवाल उठाए गए।

अनिल विज का कहना है कि यदि वर्तमान स्वरूप में नीति लागू की गई तो बड़ी संख्या में लोगों को अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ेगा, जिससे आम परिवार प्रभावित होंगे। सरकार का कहना है कि किसी भी नीति का अंतिम उद्देश्य लोगों के हितों की रक्षा करना है। इसी कारण मंत्रिमंडल ने जल्दबाजी में निर्णय लेने के बजाय विस्तृत समीक्षा का रास्ता चुना है। अब संबंधित विभाग सभी पहलुओं का परीक्षण करेगा और आवश्यक संशोधनों के बाद ही प्रस्ताव को दोबारा मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाएगा।

अब आयुर्वेदिक डाक्टरों को नहीं कह सकेंगे 'झोलाछाप' या 'फर्जी डाक्टर

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा सहित देशभर में कार्यरत मान्यता प्राप्त आयुर्वेदिक चिकित्सकों को अब 'झोलाछाप' या 'फर्जी डॉक्टर' जैसे अपमानजनक शब्दों से संबोधित नहीं किया जाएगा। केंद्र सरकार के निर्देश पर भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएसएम) ने सभी राज्यों को स्पष्ट किया है कि विधिवत प्रशिक्षित और पंजीकृत आयुष चिकित्सकों के लिए ऐसी शब्दावली का प्रयोग अनुचित और नियमों के विरुद्ध है।

आयोग के अनुसार बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएएमएस), बैचलर ऑफ यूनानी मेडिसिन एंड सर्जरी (बीयूएमएस), बैचलर ऑफ सिद्ध मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएसएमएस) तथा बैचलर ऑफ सोवा-रिग्पा मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएसआरएमएस) जैसी मान्यता प्राप्त डिग्री रखने वाले और संबंधित राज्य परिषदों में पंजीकृत चिकित्सक कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त चिकित्सा व्यवसायी हैं। ऐसे चिकित्सकों को सार्वजनिक मंचों, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया या सोशल मीडिया पर अपमानजनक शब्दों से संबोधित करना उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाला माना जाएगा।

आयोग ने कहा कि भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम और एनसीआईएसएम अधिनियम-2020 के तहत इन चिकित्सकों को वैधानिक अधिकार प्राप्त हैं। इसलिए किसी भी व्यक्ति, संस्था या मीडिया संगठन द्वारा उन्हें 'झोलाछाप' या 'फर्जी डॉक्टर' कहना नियमों के विपरीत माना जाएगा। हरियाणा के ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में बड़ी संख्या में आयुर्वेदिक चिकित्सक सेवाएं दे रहे हैं। आयुष मंत्रालय भी आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। ऐसे में सरकार ने स्पष्ट किया है कि भारतीय चिकित्सा पद्धति से जुड़े सभी विधिवत पंजीकृत चिकित्सकों का सम्मान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। आयोग ने संबंधित विभागों, संस्थानों और मीडिया संगठनों से निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने तथा सम्मानजनक भाषा के प्रयोग की अपील की है।

न्यूज ब्रीफ

हरियाणा के स्कूलों में अगस्त का मिड-डे मील मेन्यू जारी, त्योहारों पर बनेंगे विशेष पकवान

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। हरियाणा के राजकीय विद्यालयों में अगस्त माह के दौरान विद्यार्थियों को पौष्टिक और स्वादिष्ट मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। मौलिक शिक्षा विभाग ने अगस्त का मिड-डे मील मेन्यू जारी करते हुए संतुलित आहार के साथ त्योहारों पर विशेष व्यंजन शामिल किए हैं। मेन्यू में मिलेट परांठा, सोया खिचड़ी, मीठा दलिया, चना दाल खिचड़ी, दाल-चावल, मिस्सी रोटी, राजमा-चावल और मौसमी सब्जियां शामिल हैं। विभाग ने विद्यालयों को भोजन परोसने से पहले विद्यार्थियों के हाथ धुलवाने तथा प्रतिदिन ताजा और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार मेन्यू में आवश्यक बदलाव की अनुमति भी दी गई है। स्वतंत्रता दिवस और तीज पर्व के अवसर पर विशेष हरियाणवी व्यंजन परोसे जाएंगे। विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों के पोषण स्तर, नियमित उपस्थिति और सीखने की क्षमता को बेहतर बनाना है।

स्क्रीनिंग टेस्ट पास करने वाले शिक्षकों को मिलेगी उत्कृष्ट विद्यालयों में तैनाती

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राजकीय मॉडल संस्कृति, पीएमश्री और मुख्यमंत्री अर्ली इंग्लिश एंड एक्सीलेंस विद्यालयों में शिक्षकों की तैनाती के लिए नई शिक्षक स्थानांतरण नीति-2026 लागू कर दी है। अब पोस्टिंग वरिष्ठता के बजाय 100 अंकों की मेरिट आधारित स्क्रीनिंग प्रक्रिया से होगी। इसमें 40 अंक शैक्षणिक योग्यता (कुछ श्रेणियों में 30) और 60 अंक स्क्रीनिंग परीक्षा के होंगे। समान अंक होने पर स्क्रीनिंग परीक्षा में अधिक अंक पाने वाले तथा उसके बाद अधिक आयु वाले शिक्षक को प्राथमिकता मिलेगी। स्क्रीनिंग में सफल होने मात्र से किसी विशेष विद्यालय में तैनाती का अधिकार नहीं मिलेगा। रिक्त पद, मेरिट और शिक्षक की वरीयता के आधार पर ऑनलाइन विद्यालय आवंटित किए जाएंगे। स्क्रीनिंग से नियुक्त शिक्षक एक विद्यालय में अधिकतम 10 वर्ष तक कार्य कर सकेंगे, जबकि परीक्षा की वैधता तीन वर्ष रहेगी।

कैथल में भाजपा मंच से कांग्रेस सांसद सुरजेवाला का जताया सार्वजनिक आभार और सम्मान

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल। कैथल में भाजपा के एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंत्री कंवरपाल गुर्जर का बयान चर्चा का विषय बन गया। कार्यक्रम में उन्होंने कांग्रेस के राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला की सार्वजनिक रूप से सराहना करते हुए कहा कि गांव के विकास कार्यों के लिए उन्होंने जमीन के साथ करीब 70 लाख रुपये की सहायता उपलब्ध कराई थी। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और राजनीतिक हलकों में इसकी चर्चा है। कार्यक्रम में मौजूद भाजपा नेताओं के सामने दिए गए इस वक्तव्य को लेकर विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। वायरल वीडियो में कंवरपाल गुर्जर सुरजेवाला के योगदान का उल्लेख करते नजर आते हैं। हालांकि, इस बयान पर भाजपा या कांग्रेस की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। मामला अब राजनीतिक चर्चाओं का केंद्र बना हुआ है।

हरियाणा के सात बॉक्सर कॉमनवेल्थ फाइनल में, स्वर्ण पदक जीतने की बड़ी उम्मीद

भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी। ग्लास्गो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स में हरियाणा के सात मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। शनिवार को सभी खिलाड़ी स्वर्ण पदक के लिए रिंग में उतरेंगे। फाइनल में पहुंचने वालों में भिवानी की प्रिया घनघस, साक्षी चौधरी, जैस्मिन लंबोरिया, प्रीति पंवार और सचिन सिवाच, हिसार के अंकुश पंघाल तथा हांसी के नरेंद्र बेरवाल शामिल हैं। सेमीफाइनल में छह मुक्केबाजों ने अपने-अपने मुकाबले 5-0 के एकतरफा अंतर से जीतकर दमदार प्रदर्शन किया। अंकुश पंघाल की कहानी भी प्रेरणादायक रही, जिन्होंने एक समय मुक्केबाजी छोड़ने का मन बना लिया था, लेकिन वापसी कर अब स्वर्ण पदक से केवल एक जीत दूर हैं।

हमले से बची छात्रा ने छोड़ा स्कूल आरोपी अब तक गिरफ्त से दूर

भारतेन्दु संवाददाता, अंबाला

हरियाणा के अंबाला में चार दिन पहले हमले से बच निकली सातवीं कक्षा की छात्रा अभी भी मानसिक आघात से जूझ रही है। घटना के बाद से उसने स्कूल जाना बंद कर दिया है। हालांकि परिजनों के अनुसार उसकी हालत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है, लेकिन घटना की याद आते ही वह घबरा जाती है। दूसरी ओर, पुलिस अब तक आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है और उसकी तलाश जारी है।

मानसिक आघात से जूझ रही सातवीं की छात्रा।

परिजनों ने बताया कि छात्रा अब पहले की तुलना में सामान्य बातचीत करने लगी है और घर के माहौल में समय बिता रही है। पुलिस जांच, न्यायालय और बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) की कानूनी प्रक्रियाओं में शामिल होने के बाद वह घर पर ही रह रही है। परिवार फिलहाल उस पर पढ़ाई या स्कूल लौटने का कोई दबाव नहीं बना रहा, बल्कि उसे मानसिक रूप से मजबूत करने का प्रयास कर रहा है ताकि वह धीरे-धीरे सामान्य जीवन में लौट सके।

बताया गया कि घटना के दौरान छात्रा ने साहस दिखाते हुए आरोपी के चंगुल से खुद को छुड़ाया था। बाद में जांच के दौरान उसने सीसीटीवी फुटेज देखकर संदिग्ध की पहचान भी की। इसके बावजूद चार दिन बीत जाने के बाद भी आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है।

रेवाड़ी में कार की टक्कर से कंपनी कर्मी की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी। शहर के दिल्ली रोड स्थित बालाजी मार्केट के पास शुक्रवार देर रात तेज रफ्तार कार की टक्कर से पैदल जा रहे दो कंपनी कर्मचारियों में से एक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद कार चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। सूचना पर शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, उत्तर प्रदेश के फैजाबाद निवासी मोनू ने शिकायत में बताया कि वह अपने साथी शिव के साथ बालाजी मार्केट से अभय सिंह चौक की ओर पैदल जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने दोनों को जोरदार टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने शिव को मृत घोषित कर दिया, जबकि मोनू का उपचार जारी है।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को जनआंदोलन बनाएं, राज्यसभा सांसद सुभाष बराला का आह्वान

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए वृक्षारोपण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने प्रत्येक नागरिक से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना हम सभी का कर्तव्य है।

बराला शनिवार को अपने पैतृक गांव डांगरा स्थित कम्युनिटी सेंटर में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों के साथ पौधे लगाए और गांव में चल रहे हरित अभियान की सराहना की। उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल शुद्ध वायु ही नहीं देते, बल्कि जल संरक्षण, जैव विविधता को बढ़ावा देने और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। तेजी से बदल रहे जलवायु परिदृश्य और बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण करना समय की जरूरत बन गया है।

यदि पौधारोपण के साथ उनका संरक्षण भी सुनिश्चित किया जाए, तभी स्वच्छ वातावरण और पर्याप्त ऑक्सीजन उपलब्ध कराई जा सकेगी। सुभाष बराला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशभर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान जनभागीदारी के साथ चलाया जा रहा है।

यह अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि मातृत्व, प्रकृति और पर्यावरण के प्रति सम्मान प्रकट करने का एक सशक्त माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार भी पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार प्रयास कर रही है और हाल ही में प्रदेशभर में 77वां वन महोत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया। बराला ने गांव डांगरा के ग्रामीणों, सरपंच उर्मिला मूंड, पूर्व ब्लॉक समिति चेयरमैन सुरजीत सिंह और अन्य जनप्रतिनिधियों की सराहना करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से गांव के कम्युनिटी सेंटर, स्टेडियम, तालाबों, श्मशान घाट और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर सैकड़ों पौधे लगाए जा रहे हैं।

पानीपत में 12 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म का आरोप मां-बेटा फरार, महिला आयोग ने संज्ञान लिया

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत

हरियाणा के पानीपत जिले के तहसील कैंप थाना क्षेत्र में 12 वर्षीय बच्ची से कथित दुष्कर्म और प्रताड़ना का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित बच्ची के पिता की शिकायत पर पुलिस ने सौतेले बेटे के खिलाफ दुष्कर्म और पाक्सो अधिनियम सहित अन्य गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। वहीं, सौतेली मां पर बच्ची के साथ मारपीट, प्रताड़ना और अपराध में सहयोग करने के आरोप लगाए गए हैं। घटना के बाद आरोपी मां-बेटा एक छह वर्षीय बच्ची को साथ लेकर फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस उनकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है।

नाबालिग से यौन उत्पीड़न मामले में महिला आयोग सक्रिय, पुलिस को दिए सख्त निर्देश।

शिकायत के अनुसार, पीड़ित पिता की पहली पत्नी से तीन बच्चे हैं। लगभग दस वर्ष पहले पारिवारिक विवाद के चलते दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद वर्ष 2019 में उन्होंने एक तलाकशुदा महिला से कोर्ट मैरिज की। महिला अपने पहले विवाह से हुए बेटे को भी साथ लेकर आई थी। आरोप है कि विवाह के बाद से ही सौतेली मां 12 वर्षीय बच्ची के साथ मारपीट और प्रताड़ना करती थी। पिता का यह भी आरोप है कि महिला की शह पर उसके 18 वर्षीय बेटे ने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया।

मामले की शिकायत मिलते ही पुलिस ने बच्ची का चिकित्सकीय परीक्षण कराने के साथ साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है और आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं। इस मामले का हरियाणा राज्य महिला आयोग ने भी स्वत: संज्ञान लिया है। आयोग ने पानीपत के पुलिस अधीक्षक और संबंधित थाना प्रभारी को पत्र भेजकर मामले में त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने जांच की प्रगति और उठाए गए कदमों की विस्तृत रिपोर्ट भी मांगी है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित बच्ची की सुरक्षा और आवश्यक कानूनी सहायता सुनिश्चित की जा रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मामले की जांच पूरी होने के बाद उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है। अधिकारियों का कहना है कि फरार आरोपियों को जल्द पकड़कर न्यायालय में पेश किया जाएगा। साथ ही पीड़ित बच्ची की काउंसलिंग, सुरक्षा और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय किया जा रहा है।

आठ माह की गर्भवती पत्नी का उजड़ा सुहाग, सड़क हादसे में पति की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र

हरियाणा के कुरुक्षेत्र में हिट एंड रन की एक दर्दनाक घटना में 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। तेज रफ्तार कार की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हुए युवक ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। इस हादसे ने उसके परिवार की खुशियां छीन लीं। मृतक की पत्नी आठ माह की गर्भवती है और पति की मौत के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। हादसे के बाद आरोपी कार चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के फिरोजपुर गांव निवासी परमजीत के रूप में हुई है। वह पिछले करीब 20 वर्षों से कुरुक्षेत्र के रतगल गांव में अपने परिवार के साथ रह रहा था। परमजीत रंगाई-पुताई का काम करके परिवार का पालन-पोषण करता था। करीब तीन वर्ष पहले उसकी शादी सुधा से हुई थी और वह परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था। मृतक के मामा-ससुर ओमप्रकाश ने पुलिस को बताया कि दोनों मोटरसाइकिल पर सेक्टर-13 से सब्जी लेने जा रहे थे। जब वे 100 फुटा रोड पर सर्किट हाउस के सामने पहुंचे, तभी पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों सड़क पर गिर गए। परमजीत के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं, जबकि ओमप्रकाश भी घायल हो गए।

दोनों को पहले एलएनजेपी अस्पताल ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने परमजीत की गंभीर हालत देखते हुए चंडीगढ़ रेफर कर दिया। बाद में निजी अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपी की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

रजत जीतने वाले नीरज को सीएम सैनी की बधाई, खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का दम दिखाते हुए पुरुष जेवलिन थ्रो स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। उनकी इस उपलब्धि पर पूरे देश में खुशी की लहर है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नीरज चोपड़ा को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से एक बार फिर हरियाणा और भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन किया है।

रजत पदक जीतकर नीरज बने युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत।

मुख्यमंत्री ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि नीरज चोपड़ा देश के युवाओं के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के बल पर विश्व खेल जगत में अपनी अलग पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि नीरज भविष्य की प्रतियोगिताओं में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश के लिए नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे।

कॉमनवेल्थ गेम्स में हरियाणा के खिलाड़ियों का दबदबा भी लगातार देखने को मिल रहा है।

विशेष रूप से मुक्केबाजी स्पर्धाओं में प्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में अपनी जगह बनाई है। विभिन्न भार वर्गों के फाइनल मुकाबलों में भारत के कुल 10 मुक्केबाज उतर रहे हैं, जिनमें से 7 खिलाड़ी हरियाणा से हैं। इसे प्रदेश के खेल ढांचे, खिलाड़ियों की मेहनत और प्रशिक्षकों के समर्पण का परिणाम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने फाइनल में पहुंचे सभी भारतीय मुक्केबाजों, विशेषकर हरियाणा के खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि सभी खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश के लिए अधिक से अधिक पदक जीतेंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने और खेल संस्कृति को मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

नीरज चोपड़ा का रजत पदक और मुक्केबाजी में हरियाणा के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन भारतीय खेल जगत के लिए उत्साहजनक संकेत माना जा रहा है। खेल प्रेमियों को उम्मीद है कि आने वाले मुकाबलों में भारतीय खिलाड़ी और अधिक पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाएंगे। मुख्यमंत्री ने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें पूरे प्रदेश की ओर से शुभकामनाएं दीं। आगामी मुकाबलों में भी भारतीय खिलाड़ियों से स्वर्णिम प्रदर्शन और अधिक पदकों की उम्मीद खेल प्रेमी लगा रहे हैं।

शादी से इनकार किया तो महिला ने प्रेमी को मौत के घाट उतारा

शराब पिलाकर चाकू से गला रेतने का आरोप, वारदात के बाद कमरे में ताला लगाकर हुई फरार

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद

हरियाणा के फरीदाबाद जिले के गांव अनंगपुर में प्रेम संबंधों से जुड़ा एक सनसनीखेज हत्याकांड सामने आया है। पुलिस ने हत्या के आरोप में एक महिला को मध्य प्रदेश के रीवा जिले के सतना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोप है कि महिला ने शादी से इनकार करने पर अपने प्रेमी की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी महिला को अदालत में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। रिमांड के दौरान हत्या में प्रयुक्त हथियार, घटना से जुड़े अन्य साक्ष्य और वारदात के सभी पहलुओं की गहन जांच की जाएगी।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, 30 जुलाई को थाना सूरजकुंड पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव अनंगपुर के डोमका मोहल्ला स्थित एक मकान में एक व्यक्ति का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के रामपुर शाहपुर निवासी 36 वर्षीय सदाकत के रूप में हुई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि उसकी धारदार हथियार से गला काटकर हत्या की गई थी। मृतक के भाई नजाकत अली की शिकायत पर थाना सूरजकुंड में हत्या का मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच अपराध शाखा डीएलएफ को सौंपी गई।

पुलिस टीम ने तकनीकी विश्लेषण, मोबाइल लोकेशन और अन्य महत्वपूर्ण सुरागों के आधार पर एक महिला को मध्य प्रदेश के रीवा जिले से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का दावा है कि सूचना मिलने के 24 घंटे के भीतर आरोपी तक पहुंचने में सफलता मिली। पूछताछ में सामने आया कि सदाकत और आरोपी महिला फरीदाबाद की एक निजी सोसायटी में काम करते थे। सदाकत पेंटिंग का कार्य करता था, जबकि महिला घरेलू सहायिका के रूप में झाड़ू-पोंछा करती थी। दोनों पहले से शादीशुदा थे। पुलिस के अनुसार, महिला को उसका पति छोड़ चुका था और इसी दौरान उसकी सदाकत से जान-पहचान हुई, जो बाद में प्रेम संबंध में बदल गई। जांच में यह भी सामने आया कि महिला लगातार सदाकत पर शादी करने का दबाव बना रही थी, लेकिन वह इस बात को टालता रहा।

इसी बात से नाराज होकर महिला ने कथित रूप से हत्या की साजिश रची। पुलिस के अनुसार, 25 जुलाई को महिला ने सदाकत को अपने कमरे पर बुलाया। वहां उसने उसे शराब पिलाई। देर रात जब वह नशे की हालत में सो गया, तब महिला ने चाकू से उसका गला रेत दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के

ओमेक्स सोसाइटी के सहकर्मी निकले प्रेमी-प्रेमिका, हत्या से सनसनी

बाद आरोपी महिला ने कमरे को बाहर से ताला लगा दिया और मौके से फरार हो गई, ताकि किसी को उस पर संदेह न हो। पुलिस का कहना है कि फरारी के दौरान वह मध्य प्रदेश पहुंच गई थी, जहां से उसे गिरफ्तार किया गया।

फिलहाल पुलिस आरोपी महिला से गहन पूछताछ कर रही है। रिमांड के दौरान हत्या में इस्तेमाल किए गए हथियार की बरामदगी, घटना के दौरान उपयोग किए गए अन्य सामान और वारदात की पूरी परिस्थितियों की जांच की जाएगी। पुलिस का कहना है कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार रिमांड के दौरान आरोपित महिला से वारदात की पूरी योजना, फरारी के दौरान उसके संपर्क में रहे लोगों और घटनाक्रम से जुड़े अन्य तथ्यों के बारे में भी पूछताछ की जाएगी। जांच पूरी होने के बाद साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया जाएगा।

घर में चल रहे हेरोइन सेवन के ठिकाने का भंडाफोड़, महिला सहित 16 गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद

फतेहाबाद पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए गुरुनानकपुरा मोहल्ला स्थित एक मकान में चल रहे हेरोइन के अवैध सेवन और खरीद-बिक्री के अड्डे का भंडाफोड़ किया है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में पुलिस ने एक महिला और 15 युवकों सहित कुल 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि मामले में शामिल एक नाबालिग को किशोर न्याय अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई के लिए लिया गया है।

पुलिस ने नशे के अड्डे से 5.64 ग्राम हेरोइन बरामद की।

थाना शहर फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र ने बताया कि गुरुनानकपुरा पुलिस चौकी को सूचना मिली थी कि एक मकान के ऊपरी कमरे में नाबालिग युवकों को हेरोइन उपलब्ध कराकर सामूहिक रूप से नशा करवाता है। सूचना मिलते ही पुलिस ने रेडिंग टीम गठित कर मकान की घेराबंदी की और अचानक दबिश दी। छापेमारी के दौरान कमरे में 15 युवक, एक महिला और एक नाबालिग हेरोइन का सेवन करते मिले। पुलिस को देखकर सभी भागने लगे, लेकिन टीम ने उन्हें मौके पर ही पकड़ लिया।

तलाशी के दौरान पुलिस ने 5.64 ग्राम हेरोइन, 25 लाइटर, 18 सिल्वर फॉयल पन्नियां तथा करेंसी नोटों से बनाई गई 15 पाइपें बरामद कीं, जिनका उपयोग नशा सेवन के लिए किया जा रहा था। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे आपस में पैसे इकट्ठे कर नाबालिग से हेरोइन खरीदते थे और वहीं बैठकर उसका सेवन करते थे। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नाबालिग से उसके परिजनों की मौजूदगी में पूछताछ की जा रही है और उसे किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया जाएगा। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि नाबालिग तक हेरोइन की सप्लाई कौन कर रहा था। अधिकारियों का कहना है कि जांच का उद्देश्य केवल उपभोक्ताओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे नेटवर्क का खुलासा कर मुख्य नशा तस्करों तक पहुंचकर उनके खिलाफ भी कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि नशा तस्करी या अवैध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

आगरा के हॉस्टल से राष्ट्रीय खिलाड़ी लापता स्वजनों ने लगाया मारपीट का आरोप

एजेंसी ,नई दिल्ली। आगरा के एकलव्य स्टेडियम हॉस्टल से राष्ट्रीय स्तर के टेबल टेनिस खिलाड़ी वंश सिंह के लापता होने का मामला सामने आया है। शुक्रवार सुबह वंश हॉस्टल से अचानक गायब हो गए। काफी तलाश करने के बाद भी जब उनका कोई सुराग नहीं मिला तो स्वजनों ने शुक्रवार दोपहर पुलिस को सूचना दी। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस टीम ने हॉस्टल में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच करने का प्रयास किया, लेकिन कैमरे खराब पाए गए। इसके बाद खिलाड़ी की तलाश के लिए पुलिस स्मार्ट सिटी के अंतर्गत लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि वंश की गतिविधियों के बारे में जानकारी मिल सके। वहीं, खिलाड़ी के स्वजनों ने हॉस्टल में उनके साथ मारपीट किए जाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि घटना के पीछे कुछ कारण हो सकता है, जिसकी जांच जरूरी है। पुलिस ने स्वजनों की शिकायत और सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि खिलाड़ी की तलाश प्राथमिकता के आधार पर की जा रही है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में भी जानकारी जुटा रही है और हॉस्टल से जुड़े लोगों से पूछताछ की जा रही है। फिलहाल वंश सिंह का पता लगाने के लिए पुलिस की टीमें लगातार प्रयास कर रही हैं। मामले में जांच के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

आजमगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, गो तस्कर तमंचे और कारतूस समेत पकड़ा गया

एजेंसी, नई दिल्ली। आजमगढ़ में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने मुठभेड़ के बाद एक गो-तस्कर को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई अतरौलिया थाना पुलिस ने गुरुवार देर रात की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जहानागंज थाना क्षेत्र के समस्तीपुर गांव निवासी संतोष यादव के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, मुठभेड़ के दौरान संतोष यादव के दाहिने पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे पकड़ लिया गया। पुलिस ने उसके पास से एक तमंचा, कारतूस और एक बाइक बरामद की है। वहीं, मौके का फायदा उठाकर उसके दो साथी अंधेरे में फरार हो गए, जिनकी तलाश की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में अपराध और अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के तहत संदिग्ध गतिविधियों में शामिल लोगों पर नजर रखी जा रही थी। जांच के दौरान पुलिस को गो-तस्करी से जुड़े लोगों की जानकारी मिली, जिसके आधार पर कार्रवाई की गई।

नोएडा में फ्लैट खरीदारों को बड़ी राहत, द फॉरेस्ट स्पा में शुरू हुई रजिस्ट्री प्रक्रिया

एजेंसी, नई दिल्ली। नोएडा के सेक्टर-93बी स्थित द फॉरेस्ट स्पा सोसायटी के फ्लैट खरीदारों के लिए लंबे इंतजार के बाद राहत की खबर सामने आई है। करीब 10 साल बाद सोसायटी में पहली रजिस्ट्री पूरी हुई, जिसके बाद खरीदारों में खुशी का माहौल है। यह रजिस्ट्री सेक्टर-33 स्थित निबंधन विभाग कार्यालय में संपन्न हुई। रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी होने के बाद एआईजी प्रथम अरुण कुमार शर्मा ने खरीदार को दस्तावेज सौंपे। अपनी वर्षों पुरानी मांग पूरी होने पर फ्लैट खरीदार ने खुशी जाहिर की और मिठाई बांटकर अपनी खुशी का इजहार किया। जानकारी के अनुसार, द फॉरेस्ट स्पा सोसायटी में लंबे समय से कई फ्लैट खरीदारों की रजिस्ट्री अटकी हुई थी। खरीदारों को अपने घरों के कानूनी दस्तावेज मिलने का इंतजार था। रजिस्ट्री का रास्ता तब साफ हुआ, जब अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन (एओए) और बिल्डर के बीच हाईकोर्ट में लिखित समझौता हुआ। इस समझौते के बाद रजिस्ट्री की प्रक्रिया आगे बढ़ी और पहली रजिस्ट्री पूरी की गई।

गाजियाबाद की बेटी ने बढ़ाया देश का मान,जूडो में भारत को दिलाया ऐतिहासिक स्वर्ण

अस्मिता डे की ऐतिहासिक जीत, जूडो में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी

एजेंसी, नई दिल्ली

गाजियाबाद की महिला दारोगा और अंतरराष्ट्रीय जूडो खिलाड़ी अस्मिता डे ने देश के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों में अस्मिता ने महिला 48 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर तिरंगा लहराया। उनकी इस सफलता से गाजियाबाद के साथ पूरे देश का गौरव बढ़ा है। शुक्रवार को खेले गए महिला 48 किलोग्राम वर्ग के फाइनल मुकाबले में अस्मिता डे का सामना कनाडा की हाइडी क्वाच से हुआ। बेहद रोमांचक मुकाबले में अस्मिता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिद्वंद्वी को हराया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इस जीत के साथ उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में जूडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। अस्मिताडे वर्तमान में गाजियाबाद जिले में महिला दारोगा के पद पर तैनात हैं। पुलिस सेवा के साथ-साथ उन्होंने खेल के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बनाई है। उनकी मेहनत, अनुशासन और लगातार अभ्यास का परिणाम है कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन किया है। अस्मिता की इस उपलब्धि पर पुलिस विभाग, खेल जगत और जिले के लोगों में खुशी का माहौल है। अधिकारियों और सहकर्मियों ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने अपनी प्रतिभा और मेहनत से देश के युवाओं के लिए प्रेरणा का उदाहरण पेश किया है। अस्मिता डे की यह सफलता भारतीय जूडो के लिए भी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है। इससे देश में इस खेल को नई पहचान और प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। उन्होंने साबित कर दिया है कि कड़ी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के बल पर किसी भी क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है। उनकी जीत आने वाले खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी और भारतीय जूडो के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अस्मिता डे को इस ऐतिहासिक जीत पर देशभर से उन्हें शुभकामनाएं मिल रही हैं। पुलिस सेवा के साथ खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उन्होंने युवाओं के सामने मेहनत और समर्पण की मिसाल पेश की है। उनकी उपलब्धि भारतीय जूडो के लिए नई प्रेरणा मानी जा रही है।

अस्मिता डे की शानदार उपलब्धि के बाद गाजियाबाद पुलिस विभाग और खेल प्रेमियों में उत्साह का माहौल है। अधिकारियों ने उनकी सफलता को देश और विभाग के लिए गौरव का क्षण बताया। अस्मिता ने अपनी मेहनत, अनुशासन और प्रतिभा के दम पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन किया है। उनकी यह जीत जूडो खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी और देश में इस खेल को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

गुरुग्राम में ट्रैफिक नियम तोड़ना पड़ेगा महंगा, एआई कैमरे भेजेंगे सीधे चालान

एजेंसी, नई दिल्ली

गुरुग्राम में अब ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित सिस्टम से निगरानी की जाएगी। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) और गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस शहर में एआई आधारित ट्रैफिक इन्फोर्समेंट सिस्टम लागू करने की तैयारी कर रहे हैं। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य ट्रैफिक नियमों का पालन बढ़ाना और सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाना है।

प्रस्तावित सिस्टम के तहत लेन ड्राइविंग का उल्लंघन करने वाले वाहनों और 'नो एंट्री' क्षेत्र में बिना अनुमति प्रवेश करने वाले भारी वाहनों की पहचान सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से की जाएगी। एआई तकनीक कैमरों से प्राप्त जानकारी का विश्लेषण कर नियम तोड़ने वाले वाहनों को चिन्हित करेगी। इसके बाद संबंधित वाहन का ऑनलाइन चालान तैयार कर सीधे वाहन मालिक के पते पर भेजा जाएगा। जीएमडीए अधिकारियों के अनुसार, शहर में पहले से लगाए गए सीसीटीवी कैमरों को एआई तकनीक से जोड़ा जाएगा। इससे ट्रैफिक पुलिस को हर समय निगरानी रखने में मदद मिलेगी और नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों पर प्रभावी कार्रवाई की जा सकेगी। अधिकारियों का कहना है कि इस व्यवस्था के लागू होने से प्रमुख सड़कों पर लेन अनुशासन बेहतर होगा और वाहन चालकों में नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। इसके अलावा ट्रैफिक जाम की समस्या कम होने और सड़क दुर्घटनाओं में कमी आने की उम्मीद है।

मोदीनगर में कांवड़ यात्रा के लिए हर किलोमीटर पर तैनात पुलिस के 35 जवान

एजेंसी, नई दिल्ली

कांवड़ यात्रा को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए मोदीनगर में पुलिस प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। कांवड़ यात्रा शुरू होने के बाद बड़ी संख्या में कांवड़िए जिले में प्रवेश करने लगे हैं। यात्रियों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए मोदीनगर क्षेत्र को आठ सेक्टरों में बांटा गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रत्येक सेक्टर को लगभग एक किलोमीटर क्षेत्र में विभाजित किया गया है। हर सेक्टर में 35 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। इसके अलावा सभी यू-टर्न, प्रमुख चौराहों और सड़क किनारे भी पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

यात्रा मार्ग पर विशेष निगरानी रखने के लिए राजचौपला, सीकरी पेट्रोल पंप और कादराबाद जैसे प्रमुख स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल लगाया गया है। पुलिस ने यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए दिल्ली-मेरठ मार्ग पर बड़े वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी है। साथ ही निवाड़ी गंगनहर पटरी मार्ग को भी कांवड़ियों की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए बंद कर दिया गया है। प्रशासन का कहना है कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए लगातार निगरानी की जा रही है। पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचकर सुरक्षा इंतजामों का जायजा ले रहे हैं। कांवड़ मार्ग पर सीसीटीवी कैमरों और अन्य माध्यमों से भी निगरानी रखी जा रही है। प्रशासन ने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने और पुलिस व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की है।

पुलिसकर्मी पर हमला और युवती का अपहरण,फरीदाबाद पुलिस ने दिखाई तत्परता

एजेंसी, नई दिल्ली

फरीदाबाद में एएसआई से मारपीट, महिला मित्र बरामद

फरीदाबाद में एक एएसआई के साथ मारपीट कर बदमाशों द्वारा उसकी महिला मित्र का कार समेत अपहरण करने का मामला सामने आया है। घटना के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कुछ ही समय में युवती को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और आरोपितों की तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार, एएसआई अपनी महिला मित्र के साथ कार में मौजूद थे। इसी दौरान कुछ बदमाशों ने उन्हें घेर लिया और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि बदमाशों ने एएसआई को पीटने के बाद महिला को उसी की कार में जबरन बैठाकर अपने साथ ले गए। घटना के बाद एएसआई ने तुरंत इसकी सूचना अपने थाना और क्राइम ब्रांच की टीमों को दी।

मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस विभाग सक्रिय हो गया और अलग-अलग टीमों ने कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने तेजी से जांच करते हुए कुछ समय बाद युवती को सुरक्षित बरामद कर लिया। घटना में शामिल आरोपितों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयास कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि वारदात के पीछे बदमाशों का उद्देश्य क्या था और इसमें कितने लोग शामिल थे। फिलहाल युवती सुरक्षित है और पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है। इस घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। पुलिस के अनुसार, घटना की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कार्रवाई की गई और युवती को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। अब पुलिस आरोपितों की पहचान, घटना के कारण और पूरी साजिश का पता लगाने में जुटी है। अधिकारियों ने मामले में सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

प्रयागराज में फर्जी आधार कार्ड गिरोह का पर्दाफाश, मास्टरमाइंड समेत दो गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रयागराज में फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए मास्टरमाइंड समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साइबर क्राइम थाने की टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, आरोपी भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण की सुरक्षा व्यवस्था को बायपास कर अनधिकृत तरीके से आधार नामांकन और अपडेट का काम करते थे। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी अवैध तरीके से लोगों के आधार कार्ड में बदलाव और नए नामांकन की प्रक्रिया को अंजाम दे रहे थे।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बड़ी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और दस्तावेज बरामद किए हैं। बरामद सामान में तीन लैपटॉप, कई स्टोरेज डिवाइस, तीन एंड्रॉयड मोबाइल फोन, एक आईफोन, चार सिम कार्ड, फिंगर स्कैनर, 19 चेकबुक, पासबुक और एटीएम कार्ड शामिल हैं। इसके अलावा तीन हिसाब-किताब की बुक और अन्य जरूरी उपकरण भी बरामद किए गए हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, गिरोह लंबे समय से इस तरह की गतिविधियों में शामिल था और तकनीकी माध्यमों का इस्तेमाल कर फर्जीवाड़ा करता था।

आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों और उनकी गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस गिरोह ने कितने लोगों के आधार दस्तावेजों में छेड़छाड़ की और क्या इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क काम कर रहा था। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे अपने आधार से जुड़ी जानकारी सुरक्षित रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत शिकायत करें। पुलिस का कहना है कि डिजिटल पहचान से जुड़े इस अपराध में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

दिल्ली-देहरादून हाईवे पर कांवड़ रूट की बैरिकेडिंग बनी चर्चा का विषय

एजेंसी, नई दिल्ली

मेरठ में कांवड़ यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए लगाई गई बैरिकेडिंग को लेकर स्थानीय लोगों ने चिंता जताई है। दिल्ली-देहरादून हाईवे पर परतापुर तिराहे से लेकर दौराला क्षेत्र के दादरी तक विभिन्न कटों पर एनएचएआई द्वारा लोहे के पाइप लगाकर बैरिकेडिंग की गई है। इसके अलावा नगर निगम ने भी कई स्थानों पर बल्लियों के बैरिकेड लगाए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि लोहे के पाइपों से बनी बैरिकेडिंग बरसात के मौसम में सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती है। लोगों ने आशंका जताई है कि बारिश के दौरान यदि इन पाइपों में करंट उतर गया तो बड़ा हादसा हो सकता है। वहीं, तेज धूप में लोहे के पाइप अधिक गर्म होने से श्रद्धालुओं और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि सुरक्षा व्यवस्था की दोबारा समीक्षा की जाए और ऐसी बैरिकेडिंग लगाई जाए जिससे श्रद्धालुओं और आम नागरिकों को किसी तरह का खतरा न हो।

नोएडा कॉलेज की बड़ी उपलब्धि, एआई डिवाइस को मिला यूके से डिजाइन रजिस्ट्रेशन

एजेंसी, नई दिल्ली

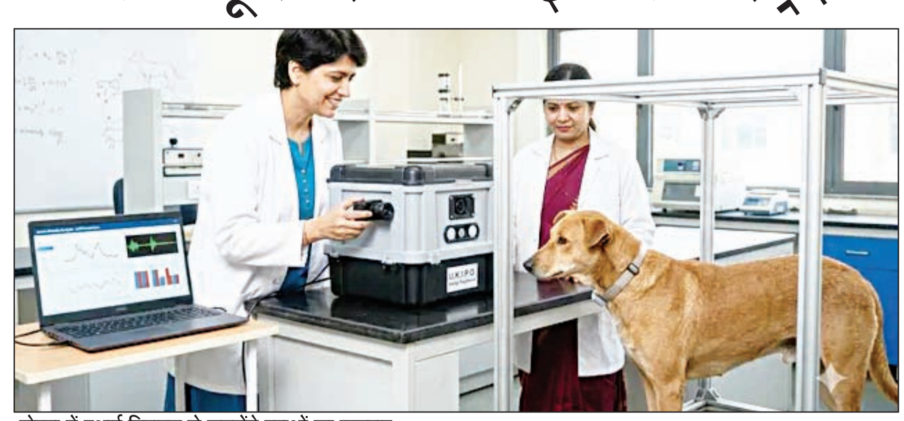

नोएडा में एआई डिवाइस से समझेंगे पशुओं का व्यवहार

नोएडा के राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग की दो प्राध्यापकों ने पशुओं के व्यवहार को समझने के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण तकनीकी पहल की है। डॉ. प्रिया बजाज और डॉ. अंजनी रानी ने एक एआई-सक्षम कंप्यूटर डिवाइस विकसित की है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से बेजुबान पशुओं के व्यवहार का विश्लेषण करने में सक्षम होगी।

इस डिवाइस का नाम एआई-इनेबल्ड कंप्यूटर डिवाइस फॉर एनिमल बिहेवियर एनालिसिस रखा गया है। इसका उद्देश्य पशुओं की गतिविधियों, संकेतों और व्यवहारिक बदलावों को समझना है, जिससे उनके स्वास्थ्य और जरूरतों को बेहतर तरीके से पहचाना जा सकेगा। यह तकनीक पशु विज्ञान, अनुसंधान और देखभाल के क्षेत्र में उपयोगी साबित हो सकती है। इस नवाचार को यूनाइटेड किंगडम इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी ऑफिस (यूकेआईपीओ) से डिजाइन रजिस्ट्रेशन भी मिल चुका है। डिजाइन पेटेंट की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब इस डिवाइस की एप्लीकेशन तैयार करने के लिए फंड का इंतजार किया जा रहा है। डॉ. प्रिया बजाज और डॉ. अंजनी रानी का कहना है कि इस तकनीक के जरिए इंसानों और पशुओं के बीच संवाद को बेहतर समझने में मदद मिलेगी।

वर्तमान समय में पशुओं की भावनाओं और व्यवहार को समझना एक चुनौती है, लेकिन एआई आधारित यह उपकरण इस दिशा में नई संभावनाएं खोल सकता है। फंड मिलने के बाद डिवाइस का एप्लीकेशन वर्जन तैयार किया जाएगा, जिससे इसे व्यापक स्तर पर उपयोग में लाया जा सकेगा। यह शोध पशु कल्याण और वैज्ञानिक अध्ययन के क्षेत्र में एक नई दिशा प्रदान कर सकता है। एआई आधारित यह डिवाइस पशुओं के व्यवहार को समझने में मदद करेगी।

अक्टूबर में दिल्ली-उदयपुर समेत कई ट्रेनें प्रभावित,रेलवे ने जारी की रद्द और बदलाव की सूची

रेलवे का बड़ा अपडेट: निर्माण कार्य के कारण कई ट्रेनों पर असर, यात्रा से पहले जांचें स्थिति

एजेंसी, नई दिल्ली

अक्टूबर में कई ट्रेनें प्रभावित, यात्रा से पहले जांचें स्थिति

अजमेर और खड़गपुर रेल मंडलों में चल रहे निर्माण एवं आधारभूत ढांचा विकास कार्यों के चलते अक्टूबर महीने में कई महत्वपूर्ण ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। रेलवे प्रशासन ने बताया है कि ट्रैक दोहरीकरण और अन्य तकनीकी कार्यों के कारण कुछ ट्रेनों को अस्थायी रूप से रद्द किया गया है, जबकि कई रेलगाड़ियां निर्धारित समय से देरी से चल सकती हैं। इसका सबसे अधिक असर दिल्ली, उदयपुर और योग नगरी ऋषिकेश के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों पर पड़ेगा। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा की योजना बनाने से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति की जानकारी लेने की अपील की है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, अजमेर मंडल के झड़वासा, बांदनवाड़ा और सिंगावल स्टेशनों के बीच दोहरीकरण का कार्य तेजी से चल रहा है। यह परियोजना भविष्य में रेल यातायात को अधिक सुरक्षित, तेज और सुचारु बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। निर्माण कार्य के दौरान ट्रैक ब्लॉक लेना आवश्यक है, जिसके कारण कुछ दिनों तक रेल सेवाओं में बदलाव करना पड़ रहा है। अधिकारियों का कहना है कि यह अस्थायी असुविधा भविष्य में यात्रियों को बेहतर और समयबद्ध रेल सेवा उपलब्ध कराने में सहायक होगी। जारी कार्यक्रम के अनुसार, उदयपुर सिटी-योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस (19609) पांच अक्टूबर से आठ अक्टूबर तक पूरी तरह निरस्त रहेगी। इसी प्रकार योग नगरी ऋषिकेश-उदयपुर सिटी एक्सप्रेस (19610) छह अक्टूबर से नौ अक्टूबर तक संचालित नहीं होगी। इसके अतिरिक्त कुछ अन्य ट्रेनों के समय, मार्ग और ठहराव में भी बदलाव किया जा सकता है। रेलवे प्रशासन समय-समय पर नई जानकारी जारी करेगा, ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

रेलवे का कहना है कि दोहरीकरण का कार्य पूरा होने के बाद ट्रेनों की परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय सुधार होगा। इससे एक ही मार्ग पर अधिक ट्रेनों का संचालन संभव हो सकेगा, ट्रेनों के क्रॉसिंग में लगने वाला समय कम होगा और समयपालन में भी सुधार आएगा। साथ ही मालगाड़ियों और यात्री ट्रेनों की आवाजाही अधिक व्यवस्थित हो सकेगी, जिससे रेलवे नेटवर्क की दक्षता बढ़ेगी। रेलवे ने यात्रियों को सलाह दी है कि यात्रा शुरू करने से पहले अपनी ट्रेन का लाइव स्टेटस, समय और संचालन संबंधी जानकारी आधिकारिक माध्यमों से अवश्य जांच लें। यदि किसी ट्रेन के रद्द होने या समय बदलने की सूचना मिले तो वैकल्पिक यात्रा योजना पहले से तैयार रखें। रेलवे का कहना है कि यह निर्माण कार्य यात्रियों की दीर्घकालिक सुविधा, सुरक्षित रेल संचालन और बेहतर परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। कार्य पूरा होने के बाद संबंधित रेल मार्गों पर यात्रा पहले की तुलना में अधिक तेज, सुरक्षित और समयबद्ध होने की उम्मीद है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि निर्माण कार्य के दौरान यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए आवश्यक तकनीकी ब्लॉक लेकर कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। प्रभावित ट्रेनों के यात्रियों को समय-समय पर अपडेट उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि वे अपनी यात्रा की बेहतर योजना बना सकें। रेलवे ने यह भी स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद ट्रेनों की गति, समयपालन और परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय सुधार होगा। इससे यात्रियों को अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित यात्रा का लाभ मिलेगा। अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि वे टिकट बुक करने या यात्रा पर निकलने से पहले रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट, मोबाइल ऐप या हेल्पलाइन के माध्यम से अपनी ट्रेन की नवीनतम स्थिति अवश्य जांच लें, जिससे किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

अलफलाह यूनिवर्सिटी के छात्रों के विदेशी सपनों पर अनिश्चितता के बादल

एजेंसी, नई दिल्ली

अलफलाह यूनिवर्सिटी के एमबीबीएस छात्र विदेश में उच्च शिक्षा और मेडिकल लाइसेंस परीक्षाओं को लेकर चिंता में हैं। हाल ही में यूनिवर्सिटी का नाम एक कथित सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल के खुलासे के बाद चर्चा में आने से छात्रों और अभिभावकों की चिंताएं और बढ़ गई हैं। इस बीच एक अभिभावक ने यूनिवर्सिटी प्रशासन से ईसीएफएमजी स्पॉन्सर नोट से जुड़ी प्रक्रिया जल्द पूरी करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि यह प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं हुई तो छात्रों के विदेश में करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इस संबंध में यूनिवर्सिटी के डीन, प्रिंसिपल और रजिस्ट्रार को ई-मेल भेजकर आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया गया है। दिल्ली के द्वारका निवासी जसवीर सिंह देसवाल, जिनका बेटा वर्ष 2023 बैच का एमबीबीएस छात्र है, ने अपने पत्र में कहा कि यूनिवर्सिटी को वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मेडिकल स्कूल्स में ईसीएफएमजी स्पॉन्सर नोट से संबंधित औपचारिकताएं जल्द पूरी करनी चाहिए।

होमबायर्स के हितों की रक्षा के लिए ईडी का बड़ा एक्शन,रहेजा डेवलपर्स पर शिकंजा

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत रहेजा डेवलपर्स लिमिटेड की 782.36 करोड़ मूल्य की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया है। एजेंसी के अनुसार, यह कार्रवाई उन आरोपों से जुड़ी है जिनमें कंपनी पर हजारों होमबायर्स से जुटाई गई धनराशि के कथित दुरुपयोग का आरोप है। ईडी का कहना है कि जांच के दौरान कई वित्तीय लेनदेन और संपत्तियों की खरीद में अनियमितताओं के संकेत मिले हैं। ताजा कार्रवाई के बाद इस मामले में अब तक कुर्क की गई कुल संपत्तियों का मूल्य बढ़कर 2399.65 करोड़ हो गया है।

जांच एजेंसी का दावा है कि कंपनी द्वारा विभिन्न परियोजनाओं के नाम पर खरीदारों से बड़ी रकम एकत्र की गई, लेकिन उसका उपयोग निर्धारित निर्माण कार्यों के बजाय अन्य उद्देश्यों में किया गया। इससे अनेक आवासीय परियोजनाएं प्रभावित हुईं और बड़ी संख्या में खरीदारों को समय पर अपने घर नहीं मिल सके। ईडी फिलहाल धन के प्रवाह, संबंधित कंपनियों और जुड़े व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच कर रही है। एजेंसी का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे भी आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दूसरी ओर, इस कार्रवाई से प्रभावित संपत्तियों और निवेश से जुड़े सभी पहलुओं की विस्तृत जांच जारी है।

मामले की सुनवाई और जांच आगे बढ़ने के साथ यदि नए तथ्य सामने आते हैं, तो अतिरिक्त कुर्की, पूछताछ या अन्य कानूनी कदम भी उठाए जा सकते हैं। फिलहाल एजेंसी ने जांच को जारी रखने की बात कही है। ईडी का कहना है कि जांच का उद्देश्य कथित वित्तीय अनियमितताओं की पूरी सच्चाई सामने लाना और प्रभावित होमबायर्स के हितों की रक्षा करना है। मामले में आगे और खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष बोले- घटना के पीछे की सच्चाई सामने आनी चाहिए

राज्य दर्जे की बहाली के मुद्दे से कुलगाम हमले को जोड़कर जताई चिंता : फारूक अब्दुल्ला

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने कुलगाम में दो गैर स्थानीय मजदूरों की हत्या की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए हमले की टाइमिंग को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में जब भी राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग जोर पकड़ती है, उसी दौरान इस तरह की घटनाएं सामने आती हैं। उत्तरी कश्मीर के टंगमर्ग बारामुला में पत्रकारों से बातचीत के दौरान फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि कुलगाम हमले से जुड़े कई पहलू अभी स्पष्ट नहीं हैं। उन्होंने कहा कि बिना जांच के किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा।

उन्होंने घटना की ईमानदार, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग करते हुए कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। उन्होंने कहा कि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि मजदूरों की हत्या किसने और किस उद्देश्य से की। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जांच के जरिए सच्चाई सामने आनी चाहिए और दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने पर भी जोर दिया।

कुलगाम घटना पर जांच की मांग

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए हर घटना की निष्पक्ष जांच जरूरी है। फारूक अब्दुल्ला ने प्रशासन से अपील की कि आम नागरिकों, विशेषकर बाहर से आए मजदूरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि आतंकवाद किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है और निर्दोष लोगों की जान लेना मानवता के खिलाफ है।

कुलगाम आतंकी हमले की फारूक-उमर समेत नेताओं ने की कड़ी निंदा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। कुलगाम में दो प्रवासी मजदूरों की आतंकी हमले में हुई हत्या को लेकर राजनीतिक और धार्मिक नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और मीरवाइज उमर फारूक ने घटना को घोर अमानवीय करार देते हुए इसकी निंदा की। उमर अब्दुल्ला ने मृतक मजदूरों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। शुक्रवार देर शाम कुलगाम के केलम इलाके में ईंट भट्ठे पर काम कर रहे छत्तीसगढ़ के दो मजदूरों को आतंकियों ने निशाना बनाया था। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सीपीआई (एम) नेता एमवाई तारिगामी और भाजपा नेता अल्ताफ ठाकुर ने भी हमले की निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। नेताओं ने कहा कि निर्दोष मजदूरों को निशाना बनाना मानवता के खिलाफ अपराध है। सुरक्षा एजेंसियां हमले के पीछे शामिल आतंकियों की तलाश तेज कर दी है। नेताओं ने कहा कि ऐसी घटनाएं घाटी में शांति और सामान्य हालात को नुकसान पहुंचाने की कोशिश हैं। उन्होंने लोगों से एकजुट रहने और हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की। सुरक्षा बलों ने इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया है और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। प्रशासन ने पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया है।

बलिदानी इंस्पेक्टर मसरूर वानी की पत्नी को मिली अनुकंपा नियुक्ति

सिन्हा ने कहा- बलिदानी जवानों का योगदान देश हमेशा याद रखेगा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को कर्तव्य निभाते हुए बलिदान हुए जम्मू कश्मीर पुलिस के इंस्पेक्टर मसरूर अली वानी की पत्नी इंशा नज़ीर को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति पत्र सौंपा। इस दौरान उपराज्यपाल ने इंस्पेक्टर मसरूर अली वानी के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

उपराज्यपाल ने कहा कि देश और समाज की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले सुरक्षाकर्मियों का योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन ऐसे परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा है, जिन्होंने अपने प्रियजन को राष्ट्र सेवा में खोया है। उन्होंने परिवार को भविष्य में भी हर संभव सहायता और सहयोग उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। यह नियुक्ति सरकार की अनुकंपा नीति के तहत प्रदान की गई है। इस नीति का उद्देश्य सेवा के दौरान जान गंवाने वाले कर्मचारियों और

मसरूर वानी परिवार को प्रशासन का सहारा

उन्होंने कहा कि बलिदानी सुरक्षाकर्मियों के परिवारों का सम्मान और सहयोग प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सरकार लगातार ऐसे परिवारों को सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उपराज्यपाल ने कहा कि इंस्पेक्टर मसरूर अली वानी का साहस और समर्पण हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उन्होंने परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

सुरक्षाकर्मियों के आश्रित परिवारों को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है, ताकि उन्हें कठिन परिस्थितियों में सहारा मिल सके।

अधिकारियों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर प्रशासन लगातार उन परिवारों की सहायता के लिए कदम उठा रहा है, जिनके सदस्य ड्यूटी के दौरान शहीद हुए हैं। अनुकंपा नियुक्ति ऐसे परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जाती है।

इंस्पेक्टर मसरूर अली वानी ने अपने कर्तव्य के दौरान अदम्य साहस और समर्पण का परिचय दिया था। उनके बलिदान को पुलिस विभाग और प्रशासन ने हमेशा सम्मान के साथ याद किया है। उपराज्यपाल ने कहा कि शहीद सुरक्षाकर्मियों की कुर्बानी आने वाली पीढ़ियों को देश सेवा और कर्तव्य के प्रति प्रेरित करती रहेगी।

न्यूज ब्रीफ

बालटाल मार्ग से फिर शुरू हुई अमरनाथ यात्रा

भारतेंदु संवाददाता, बालटाल। खराब मौसम और मरम्मत कार्य के कारण एक दिन के लिए स्थगित अमरनाथ यात्रा शनिवार को बालटाल मार्ग से दोबारा शुरू कर दी गई। मौसम में सुधार और मार्ग की मरम्मत पूरी होने के बाद श्रद्धालुओं को पवित्र गुफा के दर्शन के लिए रवाना किया गया। अधिकारियों के अनुसार, बालटाल मार्ग पर यात्रा सामान्य रूप से संचालित हो रही है। शुक्रवार को लगातार बारिश के कारण मार्ग प्रभावित हुआ था, जिसके चलते यात्रा रोकी गई थी। वहीं, पहलगाम मार्ग से यात्रा अभी स्थगित है। इस वर्ष अब तक करीब साढ़े चार लाख श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं।

श्रीनगर हत्याकांड का खुलासा, मां-बेटा छह घंटे में गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। खानयार इलाके में लावारिस हालत में मिले शव की गुत्थी श्रीनगर पुलिस ने महज छह घंटे में सुलझा ली है। पुलिस ने हत्या के आरोप में मां और बेटे को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 30 जुलाई को थाना खानयार को सूचना मिली थी कि बाबा डाउद खाकी पुल के नीचे बाबाडेम नहर में बोरियों में लिपटा अज्ञात शव पड़ा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच टीम गठित की। जांच में मृतक की पहचान नजीर अहमद भट निवासी कलांदपोरा, हवाल के रूप में हुई। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर हलीमा बानो और उसके बेटे मोमिन अहमद को गिरफ्तार किया। दोनों पर आरोप है कि पैसों के विवाद में उन्होंने किराए के मकान में हत्या कर शव नहर में फेंक दिया। आरोपी कुपवाड़ा के लोलाब से पकड़े गए। पुलिस मामले में आगे जांच कर रही है।

कुपवाड़ा स्कूल में भूस्खलन से मासूम की मौत

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा क्षेत्र में शनिवार को हुए भूस्खलन में एक सात वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। यह दर्दनाक हादसा मावर इलाके में स्थित फ्रंट लाइन स्कूल में हुआ, जहां बच्चा पढ़ाई कर रहा था। अधिकारियों के अनुसार मृतक बच्चे की पहचान रेहान अहमद डार पुत्र रियाज अहमद डार निवासी खुड़ी मावर के रूप में हुई है। बताया गया कि स्कूल परिसर में अचानक पहाड़ी से मिट्टी और मलबा खिसककर आ गया, जिसकी चपेट में रेहान आ गया। हादसे के बाद स्कूल में अफरा-तफरी मच गई। शिक्षकों और स्थानीय लोगों ने तुरंत बचाव अभियान चलाकर बच्चे को मलबे से बाहर निकाला और उसे न्यू टाइप प्राइमरी हेल्थ सेंटर कलामाबाद पहुंचाया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। रेहान की मौत की खबर मिलते ही उसके गांव में शोक की लहर फैल गई। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रशासन ने भी हादसे की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है।

जेकेपीएससी ने 1152 पदों पर की नियुक्तियां भर्ती प्रक्रिया में लाई तेजी और पारदर्शिता

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर लोक सेवा आयोग (जेकेपीएससी) ने वर्ष 2025-26 में भर्ती प्रक्रिया को तेज करते हुए 1152 पदों पर नियुक्तियां पूरी की हैं। आयोग को 1263 पदों के लिए कुल 94,546 आवेदन प्राप्त हुए थे। आयोग ने चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और तेजी लाने के लिए कई तकनीकी सुधार लागू किए हैं। इनमें 100 प्रतिशत लिखित परीक्षा आधारित चयन, ऑन-स्क्रीन मूल्यांकन और अभ्यर्थियों को एसएमएस के माध्यम से जानकारी देने की व्यवस्था शामिल है। आयोग ने शनिवार को अपनी 67वीं वार्षिक रिपोर्ट उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को श्रीनगर स्थित लोक भवन में सौंपी। आयोग के अध्यक्ष अरुण कुमार चौधरी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने रिपोर्ट प्रस्तुत की।

कश्मीर में आतंकी नेटवर्क पर और सख्ती के निर्देश : एलजी मनोज सिन्हा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। कुलगाम में गैर-स्थानीय श्रमिकों पर आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत की जा रही है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को उच्चस्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक में सुरक्षा एजेंसियों को आतंकियों के खिलाफ अभियान तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आतंकियों को किसी भी वारदात को अंजाम देने का मौका नहीं मिलना चाहिए। उनके नेटवर्क, मददगारों और आतंकी तंत्र को खत्म करने के लिए समन्वित कार्रवाई की जाए।

फर्जी ऋण और ओवरड्राफ्ट के जरिए बैंक को नुकसान पहुंचाने का आरोप

सहकारी बैंक के 3.11 करोड़ रुपए के गबन मामले में दो आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

◆ फर्जी दस्तावेजों से करोड़ों का खेल, दो आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) कश्मीर ने केंद्रीय सहकारी बैंक की लंगेट शाखा से करीब 3.11 करोड़ रुपये के कथित गबन मामले में दो आरोपियों के खिलाफ अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है। यह कार्रवाई मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हंदवाड़ा की अदालत में एफआईआर संख्या 25/2016 के तहत की गई है। आरोपियों पर धोखाधड़ी, जालसाजी, फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल और आपराधिक साजिश से जुड़ी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ईओडब्ल्यू के अनुसार, मामले की जांच जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन रजिस्ट्रार, सहकारी समितियों से मिले पत्र के आधार पर शुरू की गई थी। पत्र में बारामूला स्थित केंद्रीय सहकारी बैंक की विभिन्न शाखाओं में वित्तीय अनियमितताओं और गबन की शिकायत की गई थी।

जांच में सामने आया कि लंगेट शाखा के तत्कालीन प्रबंधक ने अन्य कर्मचारियों के साथ मिलकर कथित रूप से फर्जी ऋण स्वीकृत किए और अपनी सीमा से अधिक ओवरड्राफ्ट की अनुमति दी। इससे बैंक को लगभग 3.11 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। आरोपपत्र सेवानिवृत्त शाखा प्रबंधक गुलाम मोहम्मद बेग और कैशियर-सह-क्लर्क अब्दुल हामिद गोजरी के खिलाफ दाखिल किया गया है। ईओडब्ल्यू ने लोगों से आर्थिक धोखाधड़ी से सतर्क रहने की अपील की है।

उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने एक नई खेल नीति को दी मंजूरी

भारतेंदु संवाददाता, लेह। लद्दाख के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने नई खेल नीति 2026 को मंजूरी दी है। इस नीति का उद्देश्य युवा खिलाड़ियों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर खेलों को करियर के रूप में बढ़ावा देना है। नीति के तहत स्कूल, जिला, राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को नकद प्रोत्साहन और मासिक छात्रवृत्ति दी जाएगी। अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेताओं को एक लाख रुपये, राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेताओं को 75 हजार रुपये और राज्य स्तरीय स्वर्ण पदक विजेताओं को 10 हजार रुपये मासिक छात्रवृत्ति मिलेगी। इसके अलावा पदक विजेताओं को 5 लाख से 1 करोड़ रुपये तक एकमुश्त नकद पुरस्कार भी दिया जाएगा। नीति का उद्देश्य लद्दाख को खेल केंद्र के रूप में विकसित करना है। इस नीति में खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, संसाधन और संस्थागत सहयोग उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया है। इसके माध्यम से प्रतिभाशाली युवाओं को बिना आर्थिक बाधाओं के खेल क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

सांबा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अवैध रिवॉल्वर संग हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

◆ जेडीए कॉलोनी से हथियार समेत पकड़ा गया मुन्ना सिंह

भारतेंदु संवाददाता, सांबा। जम्मू-कश्मीर में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सांबा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कुख्यात अपराधी और हिस्ट्रीशीटर मुन्ना सिंह को अवैध रिवॉल्वर के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से हथियार बरामद होने के बाद उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी मुन्ना सिंह मूल रूप से अखनूर के सोहल गांव का रहने वाला है और वर्तमान में सांबा क्षेत्र में रह रहा था। पुलिस को सूचना मिली थी कि वह संदिग्ध गतिविधियों में शामिल है और अवैध हथियार लेकर घूम रहा है। सूचना के

आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे जेडीए कॉलोनी, बाड़ी ब्राह्मणा क्षेत्र से दबोच लिया।

बताया गया कि गिरफ्तारी के समय आरोपी दाता तालाब की ओर से किकड़ी मोड़ की तरफ जा रहा था। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध रिवॉल्वर बरामद की गई। पुलिस ने हथियार को कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है। सांबा पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में अपराधियों और अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। पुलिस आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड और हथियार के स्रोत की जानकारी जुटाने में लगी हुई है।

मजदूरों की सुरक्षा के लिए एसओपी की समीक्षा के आदेश

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उच्च स्तरीय बैठक की और सुरक्षा एजेंसियों को आतंकवादियों के खिलाफ सटीक एवं प्रभावी अभियान तेज करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव, डीजीपी समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। उपराज्यपाल ने अधिकारियों को जम्मू-कश्मीर के बाहर से आए प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) की समीक्षा करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी बाहरी मजदूरों का विवरण स्थानीय पुलिस और जिला प्रशासन के पास दर्ज हो तथा उन्हें बीमा सुविधा भी उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कुलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के सम्मानजनक अंतिम संस्कार और परिवारों को हरसंभव सहायता देने के निर्देश दिए। बैठक में अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा और सुरक्षा ग्रिड को मजबूत करने पर भी चर्चा हुई।

हाईवे बंद होने के कारण बडगाम और कटरा के बीच शुरू हुई स्पेशल ट्रेन

खराब मौसम से हाईवे बंद, यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने उठाया कदम

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। खराब मौसम के कारण जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे बंद होने से यात्रियों को हो रही परेशानी को देखते हुए नॉर्दर्न रेलवे ने बड़ा कदम उठाया है। यात्रियों की सुविधा और सुगम आवाजाही के लिए बडगाम और श्री माता वैष्णो देवी कटरा रेलवे स्टेशन के बीच स्पेशल ट्रेन सेवा शुरू की गई है। रेलवे के अनुसार, हाईवे बंद होने के कारण श्रीनगर और कटरा रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की संख्या बढ़ गई थी। इसके बाद फंसे हुए यात्रियों को राहत देने के लिए विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया। यह ट्रेन बडगाम रेलवे स्टेशन से दोपहर 1 बजे रवाना होकर शाम 4:20 बजे कटरा स्टेशन पहुंचेगी। यात्रा के दौरान ट्रेन श्रीनगर, बनिहाल और संगलदान रेलवे स्टेशनों पर ठहरेगी। वहीं वापसी में यह ट्रेन शाम 5:05 बजे कटरा से रवाना होकर रात 8:30 बजे बडगाम पहुंचेगी।

कुलगाम आतंकी हमले में छत्तीसगढ़ के दीपक की मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में हुए आतंकी हमले में छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले के 21 वर्षीय दीपक रात्रे की मौत हो गई। दीपक रोजी-रोटी की तलाश में करीब 2000 किलोमीटर दूर कश्मीर आया था और पिछले एक साल से ईंट भट्ठे पर काम कर रहा था।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार देर शाम कुलगाम के केलम क्षेत्र स्थित ईंट भट्ठे में आतंकियों ने मजदूरों से पहले उनकी पहचान पूछी और इसके बाद अंधाधुंध फायरिंग कर दी। गोली लगने से दीपक की मौके पर ही मौत हो गई। दीपक सक्ती जिले के बुंदेली गांव का रहने वाला था। उसकी एक साल पहले ही शादी हुई थी। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सुरक्षाबलों ने हमलावरों की तलाश के लिए इलाके में अभियान तेज कर दिया है।

आतंकी हमले के बाद सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन तेज

प्रवासी मजदूरों की हत्या से जुड़े नेटवर्क का पता लगाने में जुटीं खुफिया एजेंसियां

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में हुए आतंकी हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। दो प्रवासी मजदूरों की लक्षित हत्या के मामले में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर लतीफ भट और उसके सहयोगी वारिस शाह की भूमिका की जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि हमले की साजिश में पुराने आतंकी नेटवर्क और स्लीपर सेल का इस्तेमाल किया गया।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार शाम कुलगाम में आतंकियों ने प्रवासी मजदूरों को निशाना बनाकर गोलीबारी की थी। इस हमले में छत्तीसगढ़ के रहने वाले दो मजदूरों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान दीपक और भूपेंद्र के रूप में हुई है। घटना के बाद सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया है। सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि लतीफ भट घाटी में निष्क्रिय

◆ लश्कर कमांडर लतीफ भट और साथी वारिस शाह पर शक।

पड़े आतंकी नेटवर्क को दोबारा सक्रिय करने की कोशिश कर रहा है।

जांच एजेंसियां उसके सहयोगियों, मददगारों और स्थानीय संपर्कों की जानकारी जुटा रही हैं। वहीं वारिस शाह पर हमले के लिए रेकी और लॉजिस्टिक सहायता उपलब्ध कराने का शक जताया जा रहा है।

अधिकारियों के अनुसार, इस तरह के हमलों में हाइब्रिड आतंकियों का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो सामान्य नागरिकों की तरह रहते हुए आतंकी गतिविधियों को अंजाम देते हैं। हमले में पिस्तौल जैसे छोटे हथियारों के इस्तेमाल की बात भी सामने आई है। घटना के बाद सुरक्षाबलों ने संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

कुलगाम हमले के बाद कश्मीर में टारगेट किलिंग की पुरानी घटनाओं पर फिर उठे सवाल

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में एक बार फिर टारगेट किलिंग की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के केलम इलाके में आतंकियों ने दो प्रवासी मजदूरों को निशाना बनाया, जिसमें दोनों की मौत हो गई। इस घटना के बाद सुरक्षाबलों ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर तलाशी अभियान तेज कर दिया है।

◆ कश्मीर में आतंक के बदलते तरीकों पर एजेंसियां सतर्क

यह पहली बार नहीं है जब घाटी में आतंकियों ने आम नागरिकों और गैर-कश्मीरियों को निशाना बनाया है। पिछले कुछ वर्षों में जम्मू-कश्मीर में टारगेट किलिंग की कई घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें प्रवासी मजदूरों, अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों और स्थानीय नागरिकों को निशाना बनाया गया। आतंकी संगठनों की रणनीति में बदलाव के बाद छोटे हथियारों से अचानक हमला कर दहशत फैलाने की घटनाएं बढ़ी हैं।

आतंकियों द्वारा हाइब्रिड मॉड्यूल और स्थानीय मददगारों के इस्तेमाल की आशंका भी सुरक्षा एजेंसियां जताती रही हैं। कश्मीर में इससे पहले भी कई बड़े आतंकी हमले हुए हैं। गांदरबल में प्रवासी मजदूरों को निशाना बनाया गया था, वहीं पहलगाम क्षेत्र में भी आतंकी गतिविधियों ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ाई थी।

इन घटनाओं के बाद प्रशासन ने संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ाई और संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी तेज की। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि आतंकी संगठन घाटी में भय का माहौल पैदा करने के लिए आम लोगों को निशाना बनाने की कोशिश कर रहे हैं। विशेष रूप से प्रवासी मजदूरों और बाहरी राज्यों से आए लोगों को निशाना बनाकर आतंक फैलाने की साजिश रची जा रही है।

अपील

अनशन के बाद लद्दाख लौटे वांगचुक, सरकार से वादे पूरे करने की अपील

रेल की तारीफ पर ट्रोलिंग, सोनम वांगचुक ने दिया करारा जवाब

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। दिल्ली में अनशन खत्म करने के बाद पर्यावरणविद और शिक्षाविद सोनम वांगचुक लद्दाख लौट आए हैं। अपने गांव पहुंचने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से देशवासियों और सरकार के नाम संदेश जारी किया। सिंधु नदी के किनारे उगते सूरज के बीच जारी किए गए वीडियो में उन्होंने कई मुद्दों पर अपनी बात रखी।

उन्होंने सरकार से अनशन के दौरान दिए गए लिखित आश्वासनों को पूरा करने की अपील की और बेगुनाह प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई न करने की मांग भी उठाई। सोनम वांगचुक ने कहा कि अब समय आ गया है कि सरकार अपने वादों को पूरा करे। उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में

जनता की बात सुनना और किए गए वादों को निभाना जरूरी होता है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार सकारात्मक पहल करते हुए सभी मुद्दों का समाधान करेगी। इस दौरान सोनम वांगचुक ने भारतीय रेल की तारीफ को लेकर सोशल मीडिया पर हुई ट्रोलिंग पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि किसी अच्छी चीज की सराहना करने का मतलब किसी राजनीतिक विचारधारा का समर्थन करना नहीं होता।

उन्होंने देशवासियों से अपील की कि वे राजनीतिक अंधभक्ति से दूर रहें और सही को सही तथा गलत को गलत कहने का साहस रखें। उन्होंने कहा कि देश की संस्थाओं और व्यवस्थाओं में जो चीजें अच्छी हैं, उनकी प्रशंसा की जानी चाहिए,

लिखित वादे पूरे करने की उठाई मांग

पर्यावरणविद और शिक्षाविद सोनम वांगचुक ने दिल्ली में अनशन समाप्त करने के बाद लद्दाख लौटकर सरकार से किए गए लिखित वादों को जल्द पूरा करने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता से किए गए आश्वासनों को निभाना जरूरी है। वांगचुक ने सरकार से अपील की कि अनशन के दौरान दिए गए भरोसों को गंभीरता से लिया जाए और निर्दोष प्रदर्शनकारियों के खिलाफ किसी प्रकार की कार्रवाई न की जाए। उन्होंने देशवासियों से भी अपील की कि वे सही को सही और गलत को गलत कहने का साहस रखें।

साथ ही जहां सुधार की जरूरत है, वहां अपनी बात भी रखनी चाहिए। उन्होंने लोगों से संतुलित सोच अपनाने और किसी भी मुद्दे पर बिना पूर्वाग्रह के विचार करने की अपील की। सोनम वांगचुक ने अपने संदेश में कहा कि लोकतंत्र में सवाल पूछना और सुझाव देना नागरिकों का अधिकार है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति या संस्था की हर बात का समर्थन या विरोध करने के बजाय तथ्यों के आधार पर निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति के लिए सकारात्मक आलोचना और रचनात्मक संवाद बेहद जरूरी है। अनशन के दौरान मिले आश्वासनों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से जो बातें लिखित रूप में कही गई हैं, उन्हें पूरा किया जाना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

यातायात में बाधा डालने वालों पर बिलासपुर पुलिस ने कसा शिकंजा, पांच मामले किए दर्ज

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस ने सड़क और फुटपाथ पर कबाड़, रेत और बजरी रखकर यातायात बाधित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए पांच मामले दर्ज किए हैं। पुलिस अधीक्षक अभिषेक धीमान ने बताया कि थाना बरमाणा और सदर पुलिस की टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई की। बरमाणा थाना के तहत बैरी निवासी राज कुमार पर सड़क पर कबाड़ रखने, टेपरा के राजेश कुमार पर रेत का ढेर लगाने, बरमाणा कैंची मोड़ के पास बलिन्दर साहनी पर फुटपाथ पर कबाड़ फैलाने तथा सुरहाड़ के बाबु राम पर सड़क पर बजरी डालकर रास्ता बाधित करने के आरोप में मामले दर्ज किए गए। वहीं सदर थाना क्षेत्र के नौणी निवासी विपिन के खिलाफ सार्वजनिक मार्ग पर कबाड़ का ढेर लगाकर यातायात बाधित करने पर मामला दर्ज हुआ। एसपी ने लोगों से अपील की कि सड़क और फुटपाथ पर निर्माण सामग्री या कबाड़ न रखें, अन्यथा कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

घुमारवीं महाविद्यालय में मनाया स्कार्फ डे विद्यार्थियों ने लिया सेवा भाव का संकल्प

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय, घुमारवीं की रोवर्स एवं रेंजर्स इकाई द्वारा स्कार्फ डे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को रोवर्स एवं रेंजर्स के आदर्शों, अनुशासन, सेवा भावना और राष्ट्रीय एकता के प्रति प्रेरित करना रहा। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. प्रीतम लाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि रोवर्स एवं रेंजर्स जैसी गतिविधियां युवाओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से इन गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में स्कार्फ के महत्व और उसकी गरिमा पर प्रकाश डाला गया। विद्यार्थियों ने रोवर्स एवं रेंजर्स के मूल्यों का पालन करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर रोवर्स एवं रेंजर्स लीडर डॉ. प्रवीण कुमार और प्रो. अनु शर्मा उपस्थित रहे।

बिलासपुर में ईको क्लब ने किया पौधरोपण विद्यार्थियों ने लिया संरक्षण का संकल्प

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के ईको क्लब द्वारा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन 31 जुलाई को प्राचार्य डॉ. पी. एस. कटवाल की अध्यक्षता में किया गया। इस दौरान महाविद्यालय के मुख्य द्वार के समीप स्थित दोपहिया वाहन पार्किंग क्षेत्र में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। अभियान के लिए पौधे उद्यान विभाग से प्राप्त किए गए। कार्यक्रम में करीब 70 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। ईको क्लब प्रभारी प्रो. परवीन सांख्यान के मार्गदर्शन में अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। डॉ. सोनिया राठौर और प्रो. ज्योति बरवाल ने भी आयोजन में सहयोग दिया। प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने विद्यार्थियों और प्राध्यापकों के प्रयासों की सराहना करते हुए पौधों की नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियान विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और प्रकृति संरक्षण की भावना को मजबूत करते हैं।

स्पेशल एजुकेटर भर्ती परीक्षाओं के परिणाम घोषित

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग (एचपीआरसीए) ने शिक्षा विभाग में स्पेशल एजुकेटर के पदों को भरने के लिए आयोजित कंप्यूटर बेस्ड स्क्रीनिंग टेस्ट के परिणाम घोषित कर दिए हैं। आयोग की वेबसाइट पर परिणाम उपलब्ध करवा दिए गए हैं। आयोग के सचिव डॉ. विक्रम महाजन ने बताया कि स्पेशल एजुकेटर (प्री प्राइमरी से पांचवीं कक्षा तक) के 108 पदों के लिए पोस्ट कोड-25022 के तहत आयोजित परीक्षा में 290 उम्मीदवारों को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए बुलाया गया है। यह प्रक्रिया 20 अगस्त को सुबह 10 बजे आयोग परिसर में शुरू होगी। वहीं स्पेशल एजुकेटर (छठी से बारहवीं कक्षा तक) के 83 पदों के लिए पोस्ट कोड-25023 के तहत आयोजित परीक्षा में 179 उम्मीदवारों को दस्तावेज जांच के लिए बुलाया गया है। यह प्रक्रिया 26 अगस्त से शुरू होगी। उम्मीदवारों को सूचना ईमेल के माध्यम से दी जाएगी और अलग से बुलावा पत्र नहीं भेजे जाएंगे। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के दौरान अभ्यर्थियों को मूल दस्तावेज, सेल्फ अटेस्टेड प्रतियों के दो-दो सेट, आवेदन पत्र की डाउनलोड कॉपी और पहचान पत्र साथ लाना होगा। निर्धारित तिथि पर उपस्थित न होने वाले उम्मीदवारों को दोबारा अवसर नहीं दिया जाएगा।

56 जरूरतमंदों को बांटे 5.95 लाख के चेक

भारतेन्दु संवाददाता, बंगाणा। कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक विवेक शर्मा ने जोगी पंगा स्थित अपने कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 56 जरूरतमंद परिवारों को 5 लाख 95 हजार रुपये की आर्थिक सहायता के चेक वितरित किए। यह सहायता बच्चों की शादी, बुजुर्गों के इलाज, दवाइयों, विद्यार्थियों की पढ़ाई और अन्य आवश्यक जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रदान की गई। इस अवसर पर विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि जनप्रतिनिधि का सबसे बड़ा दायित्व समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसकी समस्याओं का समाधान करना है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद परिवारों की सहायता करना उनका संकल्प है और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। विधायक ने कहा कि अपने दो वर्ष के कार्यकाल में उन्होंने बिना भेदभाव जनसेवा को प्राथमिकता दी है। उनका उद्देश्य विकास कार्यों के साथ-साथ आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहायता उपलब्ध करवाना भी है।

कठाना सड़क के निर्माण पर खर्च किए जाएंगे 10 करोड़ : विक्रमादित्य सिंह

मंत्री ने की धामी में आयोजित जन शिकायत निवारण कार्यक्रम की अध्यक्षता

अनिल शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने शनिवार को शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के धामी स्थित मिनी सचिवालय में आयोजित जन शिकायत निवारण कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में विभिन्न पंचायतों और स्थानीय लोगों ने कुल 67 समस्याएं एवं मांगें मंत्री के समक्ष रखीं, जिनमें से 28 का संबंधित विभागों के अधिकारियों के सहयोग से मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया गया। शेष मामलों के शीघ्र निपटारे के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए गए।

कार्यक्रम में धामी, बठवाना-जाबरी, ओखरू, पीपलीधार, माइली-जेजवीं और घडल पंचायतों के प्रतिनिधियों सहित स्थानीय लोगों, महिला मंडलों और युवक मंडलों ने अपनी समस्याएं रखीं।

मंत्री ने सभी समस्याओं का चरणबद्ध समाधान करने का आश्वासन दिया।

विक्रमादित्य सिंह ने बताया कि धामी-हलोग लोक निर्माण उपमंडल की पंचायतों के समग्र विकास के लिए प्रदेश सरकार ने करीब 51 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। इस राशि से सड़क निर्माण, पेयजल व्यवस्था, कम वोल्टेज की समस्या के समाधान सहित अन्य विकास कार्य किए जाएंगे। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से विधायक निधि और जन सहयोग से स्वीकृत राशि का शीघ्र उपयोग करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि पंचायतों द्वारा बनाई जा रही सड़कों की गुणवत्ता सुधारने के लिए लोक निर्माण विभाग नई नीति तैयार कर रहा है, ताकि सभी सड़कें तकनीकी मानकों के अनुरूप बन सकें। कठाना सड़क के निर्माण पर करीब 10 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जबकि गलोग-नेहरा सड़क की डीपीआर अंतिम चरण में है।

मंत्री ने बताया कि घंडल पंचायत में करीब 25 करोड़ रुपये की लागत से उठाऊ पेयजल योजना की डीपीआर तैयार की जा रही है। बिजली व्यवस्था सुधारने के लिए नए ट्रांसफार्मर और बिजली पोल स्थापित किए जा रहे हैं।

उन्होंने नागरिक अस्पताल धामी को आदर्श अस्पताल के रूप में विकसित करने तथा प्रत्येक माह आईजीएमसी शिमला के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य शिविर लगाने की घोषणा की। साथ ही शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के लिए जल्द 30 नई बसें उपलब्ध करवाने की बात कही। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

अवैध खनन पर एक जेसीबी जब्त और पांच ट्रैक्टरों के काटे चालान

अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। पुलिस जिला नूरपुर ने अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस चौकी ठाकुरद्वारा (थाना इंदौरा) की टीम ने गश्त के दौरान मल्लकाना (पलाटा) और मंद भोग्रवां में ब्यास नदी के समीप अवैध खनन गतिविधियों में संलिप्त वाहनों और मशीनरी के खिलाफ कार्रवाई की।

एएसपी धर्म चंद वर्मा ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करते हुए माइनिंग एक्ट के तहत तीन ट्रैक्टरों के चालान किए और जुर्माना वसूल किया। इसके

◆ **नूरपुर पुलिस का अभियान तेज, अवैध खनन में शामिल वाहनों पर की कार्रवाई**

साथ ही एक जेसीबी मशीन को जब्त कर आगामी कानूनी कार्रवाई के लिए मामला न्यायालय भेजा जा रहा है।

इसके अतिरिक्त पुलिस थाना रेहन और पुलिस चौकी गंगथ द्वारा भी एक-एक ट्रैक्टर का चालान किया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में अवैध खनन और अन्य गैर-कानूनी गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

विधायक आरोप-प्रत्यारोप छोड़ हमीरपुर के विकास में निभाएं रचनात्मक भूमिका : वर्मा

◆ **कहा- मुख्यमंत्री विरोध तक सीमित न रहे विपक्ष जनता के मुद्दों पर करे बात**

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा ने हमीरपुर सदर विधायक पर व्यक्तिगत बयानबाजी की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि विधायक को मुख्यमंत्री विरोध से ऊपर उठकर विधानसभा क्षेत्र के विकास और जनता के मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष की भूमिका केवल आलोचना करना नहीं, बल्कि जनहित के विषयों पर सकारात्मक सुझाव देना भी है।

डॉ. वर्मा ने कहा कि विधायक के अधिकांश बयानों का केंद्र मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू की आलोचना तक सीमित रह गया है, जबकि हमीरपुर में हो रहे विकास कार्यों पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्षों से लंबित बस अड्डा परियोजना को प्रदेश सरकार ने गति दी है और इसके लिए बजट में बड़ी राशि का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने बताया कि नेरी-जसकोट में करीब 20 करोड़ रुपये की लागत से हेलीपोर्ट का निर्माण किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में हवाई संपर्क को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा सड़कों के विस्तार, सीवरेज व्यवस्था के सुधार और नगर निगम क्षेत्र में आधुनिक सुविधाओं के विकास पर भी काम किया जा रहा है।

डॉ. वर्मा ने कहा कि दोसड़का बाजार, कृष्णा नगर वार्ड और अन्य क्षेत्रों में सीवरेज सुविधाओं का विस्तार किया गया है। वहीं बिजली की तारों और पानी की पाइपों को भूमिगत करने के लिए यूटिलिटी डक्ट परियोजना तथा हीरा नगर में फूड स्ट्रीट हब जैसी योजनाएं हमीरपुर के विकास को नई दिशा देंगी।

उन्होंने विधायक से आग्रह किया कि वे व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप से बचते हुए युवाओं, किसानों, व्यापारियों और आम जनता से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विकास और सुशासन के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है तथा जनता विकास कार्यों के आधार पर कांग्रेस का समर्थन करेगी।

एम्स बिलासपुर में मरीजों को समय पर मिलेंगी दवाइयां

600 प्रकार की दवाओं की खरीद प्रक्रिया शुरू, 5.96 करोड़ का ई-टेंडर किया जारी

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को आवश्यक दवाओं की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए संस्थान ने बड़ा कदम उठाया है। अस्पताल में दवाओं की निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने और भविष्य में कमी की स्थिति से बचने के लिए 600 प्रकार की आवश्यक दवाओं की खरीद प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

इसके लिए एम्स प्रशासन ने करीब 5.96 करोड़ रुपये का ई-टेंडर जारी किया है। प्रदेश के अलावा पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में मरीज एम्स बिलासपुर में उपचार के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में ओपीडी मरीजों के साथ-साथ भर्ती मरीजों के लिए पर्याप्त मात्रा में दवाओं का स्टॉक बनाए रखना अस्पताल की प्राथमिकता है। नई खरीद प्रक्रिया के तहत टैबलेट, कैप्सूल, सिरप, ओरल सस्पेंशन, आई एवं ईयर ड्रॉप्स, मलहम सहित अन्य जरूरी दवाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। इससे मरीजों को इलाज के दौरान बाहर

से दवाएं खरीदने की परेशानी से राहत मिलेगी और स्वास्थ्य सेवाएं अधिक प्रभावी बनेंगी।

एम्स प्रशासन ने दवाओं की आपूर्ति को सुचारु रखने के लिए दो वर्ष के रेट कॉन्ट्रैक्ट का प्रावधान किया है। आवश्यकता पड़ने पर इसे एक वर्ष तक बढ़ाया भी जा सकेगा। इससे समय-समय पर दवाओं की खरीद और आपूर्ति प्रक्रिया को लगातार जारी रखा जा सकेगा।

अस्पताल प्रशासन का कहना है कि इस व्यवस्था से मरीजों को बेहतर, सुरक्षित और निर्बाध स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। भर्ती मरीजों को आवश्यक दवाएं अस्पताल से ही उपलब्ध करवाने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण साबित होगी।

एम्स बिलासपुर में फेफड़ों की बीमारियों के इलाज को मिलेगी नई तकनीकी सुविधा

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर में फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों के उपचार को और अधिक आधुनिक एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। संस्थान में फ्लेक्सिबल वीडियो ब्रोंकोस्कोप स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस अत्याधुनिक उपकरण के शुरू होने से मरीजों को फेफड़ों और श्वासनलियों की जांच एवं उपचार के लिए अब बड़े महानगरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। फ्लेक्सिबल वीडियो ब्रोंकोस्कोप एक पतली, लचीली ट्यूब होती है, जिसके सिरे पर हाई-डेफिनिशन कैमरा और एलईडी लाइट लगी होती है। इसे मरीज के नाक या मुंह के रास्ते श्वासनली में धीरे-धीरे पहुंचाया जाता है। कैमरा फेफड़ों और श्वासनलियों की लाइव तस्वीरें मॉनिटर पर दिखाता है, जिससे डॉक्टर अंदरूनी हिस्सों को स्पष्ट रूप से देखकर बीमारी का सटीक पता लगा सकते हैं। इसी प्रक्रिया के दौरान आवश्यकता होने पर बायोप्सी, बलगम (ब्रोंकोएल्वियोलर लैवेज) का नमूना लेना या श्वासनली में फंसी किसी बाहरी वस्तु को निकालना भी संभव होता है। यह उपकरण फेफड़ों में संक्रमण, टीबी, लगातार खांसी, खून की खांसी, फेफड़ों के कैंसर और अन्य श्वसन संबंधी जटिल बीमारियों की समय रहते पहचान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आधुनिक तकनीक के कारण जांच अधिक सटीक होगी और मरीजों को कम असुविधा के साथ बेहतर उपचार मिल सकेगा। इस उपकरण की स्थापना के बाद एम्स बिलासपुर की पल्मोनोलॉजी (श्वास एवं फेफड़ा रोग) सेवाएं और अधिक मजबूत होंगी। हिमाचल प्रदेश के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों के मरीजों को भी इसका लाभ मिलेगा। इससे गंभीर मामलों में अन्य राज्यों के अस्पतालों में रेफर किए जाने की आवश्यकता कम होगी और मरीजों को अपने ही क्षेत्र में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। एम्स बिलासपुर लगातार अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार कर रहा है।

इंदौरा विधानसभा क्षेत्र की सभी 58 पंचायतों में चला पौधरोपण अभियान

विधायक मलेंद्र राजन ने लगाए पौधे

अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के तहत विकास खंड कार्यालय द्वारा इंदौरा विधानसभा क्षेत्र की सभी 58 ग्राम पंचायतों में शुक्रवार को व्यापक पौधरोपण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न पंचायतों में फलदार, औषधीय और छायादार पौधे लगाए गए।

विधायक मलेंद्र राजन ने ठाकुरद्वारा, बसंतपुर और मीलवां पंचायतों में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रमों में भाग लिया और स्वयं पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता द्वारा उठाए गए मुद्दों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए।

विधायक ने कहा कि पौधरोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण देने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में यह अभियान लगातार जारी रहेगा और सभी पंचायतों में अधिक से अधिक पौधे लगाए जाएंगे।

उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों, युवाओं, महिला मंडलों, स्वयंसेवी संस्थाओं और आम नागरिकों से पौधरोपण के साथ-साथ पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार पर्यावरण संरक्षण, वन संवर्धन और हरित क्षेत्र के विस्तार के लिए लगातार कार्य कर रही है।

मलेंद्र राजन ने बताया कि अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाली तीन ग्राम पंचायतों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक यदि एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे तो इंदौरा क्षेत्र को प्रदेश के सबसे हरित क्षेत्रों में शामिल किया जा सकता है। इस अवसर पर एसडीएम डॉ. सुरिंदर ठाकुर, डीएसपी संजीव, बीडीओ सुदर्शन सिंह सहित कई मौजूद रहे।

नरेश ठाकुर ने बणी और बड़सर में किया नशा मुक्ति केंद्रों का निरीक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। राज्य नशा निवारण बोर्ड के संयोजक एवं सलाहकार नरेश ठाकुर ने शनिवार को बणी और बड़सर में नशा मुक्ति केंद्रों का निरीक्षण किया तथा इनमें प्रदान की जा रही विभिन्न सुविधाओं का जायजा लिया।

राज्य नशा निवारण बोर्ड के सदस्य रूबल ठाकुर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय अत्री, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरविंद टंडन, बड़सर के थाना प्रभारी और अन्य अधिकारियों के साथ निरीक्षण के लिए पहुंचे नरेश ठाकुर ने बणी में एनएच प्रो-केयर फाउंडेशन और बड़सर में एमएच डोर ऑफ होप फाउंडेशन द्वारा संचालित किए जा रहे नशा मुक्ति केंद्रों में विभिन्न सुविधाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने दोनों नशा मुक्ति केंद्रों के रिकॉर्ड की गहन जांच भी की तथा

संचालकों से इन केंद्रों की दैनिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी ली। नरेश ठाकुर ने कहा कि नशे से मुक्ति पाने के लिए इन केंद्रों में दाखिल होने वाले लोगों को सभी मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ अनुकूल एवं सकारात्मक माहौल भी मिलना चाहिए। तभी वे नशे के दलदल से बाहर निकलने में सक्षम होंगे। इसके लिए नशा मुक्ति केंद्रों के दैनिक रूटीन में अधिक से अधिक गतिविधियों का समावेश किया जाना चाहिए। नरेश ठाकुर ने बताया कि नशा मुक्ति केंद्रों के बेहतर संचालन और इनके माध्यम से उत्साहजनक परिणाम लाने के लिए राज्य नशा निवारण बोर्ड विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करेगा।

प्रधानमंत्री मोदी आज करेंगे 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान' का शुभारंभ

◆ **एनआईटी हमीरपुर में आयोजित किया जाएगा कार्यक्रम, प्रधानमंत्री से वर्चुअल रूप से जुड़ेंगे युवा**

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 अगस्त को देशभर के युवाओं को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान' का शुभारंभ करेंगे। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत द्वारा संचालित इस राष्ट्रव्यापी अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ, जिम्मेदार एवं नशा-मुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

यह अभियान प्रधानमंत्री के 'नशा मुक्त भारत' और 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। अभियान के शुभारंभ अवसर पर देशभर के लगभग 10,000 स्थानों से एक करोड़ से अधिक युवा वर्चुअल रूप से जुड़ेंगे। इनमें माय भारत एवं एनएसएस के स्वयंसेवक, युवा क्लबों के सदस्य, विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी, गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि तथा 125 से अधिक सहयोगी संस्थाओं के सदस्य शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागी 'नशा मुक्ति शपथ' ग्रहण करेंगे तथा समाज को नशा-मुक्त बनाने का संकल्प दोहराएंगे।

इस अवसर पर 100 सप्ताह तक प्रत्येक रविवार देशभर में सांस्कृतिक, खेल, फिटनेस, जागरूकता, माइंडफुलनेस एवं सामुदायिक सहभागिता से जुड़ी गतिविधियों का भी शुभारंभ किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत विभिन्न जिलों में लोकगीत, मूक अभिनय, शॉर्ट फिल्मध्रील, पेंटिंग, वाद-विवाद एवं स्लोगन लेखन जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन जा रहा है ।जिला स्तर के विजेता राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। इसके अतिरिक्त पदयात्रा, खेल एवं फिटनेस कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, जन-जागरूकता अभियान, विशेषज्ञों द्वारा परामर्श सत्र, ग्राम सभा आधारित 'नशा मुक्त संकल्प सभाएं', सोशल मीडिया जागरूकता अभियान तथा अभिभावकों के लिए संवेदनशीलता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। साथ ही, माय भारत पोर्टल पर ई-प्लेज अभियान भी संचालित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से नागरिक, विशेषकर युवा, नशा-मुक्त भारत के निर्माण के लिए अपना संकल्प दर्ज कर सकते हैं।

यह राष्ट्रव्यापी अभियान 14 अगस्त 2026 को नई दिल्ली में आयोजित प्रस्तावित राष्ट्रीय नशा मुक्ति युवा सम्मेलन के साथ सम्पन्न होगा, जिसमें उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं एवं संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा। जिला युवा अधिकारी, दीपमाला ठाकुर माय भारत, हमीरपुर ने बताया की हमीरपुर जिले में यह कार्यक्रम एनआईटी हमीरपुर में किया जाएगा जहां से युवा प्रधानमंत्री के साथ जुड़ेंगे।

तैयारी 306 गांवों में आधुनिक तकनीक से किसानों को जोड़ने की तैयारी, हल्दी की वैरायटी पर करना होगा फोकस

हिमाचल में कृषि को नई दिशा दे रहा जायका प्रोजेक्ट

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश में कृषि को बढ़ावा देने के लिए बेहतर सुविधाएं देने के लिए जायका प्रोजेक्ट कार्य कर रहा है। वर्ष 2011 में शुरू हुए एग्रीकल्चर के जायका प्रोजेक्ट में न केवल हमीरपुर बल्कि प्रदेश भर में कई जगह किसानों की तकदीर बदली है। किसानों को तकनीकी और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने से उनकी आर्थिकी में भी सुधार हुआ है।

पहले चरण में लगभग 250 गांव थे जहां पर पायलट प्रोजेक्ट के तहत काम किया। इस प्रोजेक्ट का पहला चरण वर्ष 2021 में समाप्त हो चुका है और दूसरे चरण में प्रदेश के 306 गांवों में किसानों को नई तकनीक से जोड़ जाएगा। इसके दूसरे चरण के काम में वैल्यू चेंज और मार्केटिंग पर खास तबज्जों दी जा रही है। यही इसकी खासियत है। प्रोजेक्ट का मुख्यालय हमीरपुर में है और इसके प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ सुनील चैहान से विशेष बातचीत में बताया कि हिमाचल में 2000 ऐसे युवाओं को जागरूक करने का लक्ष्य भी रखा गया है, जो अपने तौर पर कुछ नया करके दिखाएंगे और इस प्रोजेक्ट का जो असली मकसद है, वह द्वितीय चरण का है। उसमें कई नई चीजें हैं, जमीनी स्तर पर इसके महत्व को लोगों तक पहुंचाने के लिए बेहद जरूरी काम हो रहा है।

उनका कहना है कि प्रोडक्शन चाहे जितनी मर्जी हो जाए, लेकिन जब तक मार्केटिंग और वैल्यू चेंज करके उत्पादक यानी किसान को उसका सही दाम नहीं मिलेगा तब तक वह उसे बेचने में सफल न हो पाएंगे तो फिर उसे कामयाबी नहीं कहा जा सकता। यही वजह है कि जायका प्रोजेक्ट मार्केटिंग के आधारभूत पहलू को समझ कर सबसे जरूरी इसी चीज के महत्व को मुख्य रूप से समझा गया है। डॉ चैहान का कहना था कि प्रोजेक्ट ने प्रदेश के सभी 12 जिलों में काम शुरू कर रखा है और इसके तहत आने वाले 306 गांव में किन्नौर और लाहौल स्पीति जैसे ट्राइबल इलाकों में भी 5 और 7 गांव शामिल किए गए हैं। माइक्रो फार्मिंग पर जोर दिया गया है। प्रशिक्षण के स्तर को बहुत बेहतर बनाने और लोगों को इसका सही मायने में फायदा मिले इस पर काम को केंद्रित किया गया है। चैहान का कहना था कि अपने-अपने इलाके में जहां जैसी चेन बनी हुई है, उसे और मजबूत करने पर भी खास तवज्जो दी जा रही है। मंडी जिला के मंडी और सुंदर नगर इलाकों में टमाटर और मटर पर काफी काम पहले से ही हो रहा है। इसलिए इसे और मजबूत करने का प्रोजेक्ट के तहत काम जारी है। इसके रिजल्ट्स अच्छे आ रहे हैं। हमीरपुर जिला में कुल 22 गांव प्रोजेक्ट के तहत शामिल किए गए हैं। 17 गांव नए हैं और पांच ऐसे गांव हैं, जिनमें जल शक्ति विभाग की योजनाओं का मिश्रण करके प्रोजेक्ट को कामयाब बनाने की प्रयास हैं। हमीरपुर जिला में गेहूं और मक्की की फसलें यहां के किसानों के लिए शुरू से ही परंपरा के रूप में रही हैं। लेकिन आर्थिकी को मजबूत करने के लिए अब नगदी फसलों का भी बेहतर काम हो रहा है। कुल मिलाकर प्रोजेक्ट में 30,000 परिवार राज्य भर में जुड़े हुए हैं। 500 परिवार हमीरपुर जिला में है और अब सप्लाई चैन बनाने के जो प्रयास जारी हैं, उसके रिजल्ट्स अच्छे आ रहे हैं। हमीरपुर में जलवायु के हिसाब से दूध और हल्दी पर बेहतर काम होना चाहिए। हल्दी के लिए यहां की जलवायु उपयुक्त है और बहुत ज्यादा पानी की जरूरत भी नहीं रहती। अब सरकार ने एमएसपी घोषित कर रखा है, तो फिर हल्दी की अच्छी वैरायटी पर लोगों को फोकस करना चाहिए। अभी आज जिम्मेदारी लोगों की भी है और प्रोत्साहित करने वालों की भी।

बाजार की हल्दी से लोग मुंह फेर रहे हैं और घर की हल्दी पर फोकस करने का सिलसिला जारी हो चुका है। लेकिन असली सवाल यही है लोग इसकी वरायटी कितनी उत्तम किस्म की दे पाएंगे, इसी पर भी जायका प्रोजेक्ट में काम होगा।

2000 युवाओं को कृषि उद्यम से जोड़ने की योजना : चौहान

डॉ. चौहान ने कहा कि पढ़ा लिखा युवा फार्मिंग पर बेहतर काम कर सकता है इसलिए 2000 युवाओं को जागरूक करके उन्हें गुणात्मक तौर पर सिस्टम के लिए ऐसा चेहरा बनाया जाएगा, जिसका अनुसरण करके लोग और ज्यादा दिलचस्पी लेंगे। लेकिन उनका कहना था कि मेहनत मुकम्मल तौर पर की जा रही है और अब दोनों की कोशिशें से लक्ष्य को पाना चुनौती है, उम्मीद यही है इसमें सफलता मिलेगी।

चार्ली एक्ससीएक्स का खूबसूरत अंदाज

ब्रिटेन। चार्ली एक्ससीएक्स ब्रिटेन की प्रसिद्ध एथलीट और संगीत निर्माता हैं। उनका असली नाम चार्ली एमा एचिसन है।

स्पोर्ट्स विंडो

विश्व जूनियर स्क्वाश में पांचवें स्थान पर रही भारतीय महिला टीम

एजेंसी, ओंटारियो। भारतीय महिला टीम ने यहां 5-6वें स्थान के प्लेऑफ में इंग्लैंड को 2-0 से हराकर विश्व स्क्वाश जूनियर टीम चैंपियनशिप में पांचवां स्थान हासिल किया। रुद्र सिंह ने रेखा केमेसी को 11-5, 8-11, 11-5, 11-6 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद साव्नी कलांकी ने ईव पार्किंस पर 11-6, 11-9, 11-9 से जीत हासिल की। इससे पहले भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर प्ले-ऑफ में जगह बनाई थी। इस मुकाबले में साव्नी ने टीना मा को 11-6, 11-9, 11-4 से और रुद्र ने सर्बनी मैत्रा को 10-12, 11-5, 11-1, 11-2 से हराया। भारतीय पुरुष टीम ने इस प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था।

डेकाथलन स्पर्धा में तेजस्विन शंकर ने जीता कांस्य

एजेंसी, ग्लासगो। तेजस्विन शंकर ने इतिहास रच दिया जब वह राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य जीतकर डेकाथलन स्पर्धा में पदक हासिल करने वाले पहले भारतीय बन गए। तेजस्विन ने दस खेलों की इस स्पर्धा में 7976 अंक बनाए। उन्होंने बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में ऊंची कूद में कांस्य जीता था।

यॉर्कशर में कुलदीप और हैम्पशर में आशुतोष का चला जादू

एजेंसी, लंदन। भारत के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स को आउट किया और यॉर्कशर की वनडे कप में डरहम पर जीत में अहम भूमिका निभाई। कुलदीप ने स्टोक्स (12) को जॉर्ज हिल के हाथों कैच आउट कराने के बाद सीमित ओवरों की क्रिकेट के विशेषज्ञ कॉलिन एकरमैन (26) को भी आउट किया। कुलदीप ने 10 ओवर में 23 रन देकर दो विकेट लिए जिससे यॉर्कशर ने डरहम को 48.1 ओवरों में केवल 165 रन पर ढेर कर दिया। जेम्स व्हार्टन (नाबाद 68) और सैम व्हाइटमैन (नाबाद 52) ने अर्धशतक बनाए और यॉर्कशर ने 41 ओवर में लक्ष्य को हासिल कर लिया। एक अन्य मैच में भारतीय ऑलराउंडर आशुतोष शर्मा (51 रन देकर पांच विकेट) ने लिस्ट ए क्रिकेट में पहली बार पांच विकेट लेने का कारनामा किया, जिससे हैम्पशर ने एसेक्स को तीन विकेट से हरा दिया। आशुतोष की शानदार गेंदबाजी से हैम्पशर ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी कर रही एसेक्स को 49 ओवर में 317 रन पर रोक दिया। इसके जवाब में जेम्स फुलर (नाबाद 58), कप्तान निक गुबिन्स (53) और टॉम प्रेस्ट (51) के अर्धशतकों की बदौलत हैम्पशर ने 47.4 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर लिया।

एडवर्ड्स ने छोड़ी नीदरलैंड्स की कप्तानी, बास डे लीड नए कप्तान

एजेंसी, एम्स्टर्डम। नीदरलैंड्स क्रिकेट टीम के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनकी जगह बास डे लीड को टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है। डे लीड आईसीसी क्रिकेट विश्व कप लीग-2 के शेष मुकाबलों में पहली बार टीम की कमान संभालेंगे। एडवर्ड्स ने जून 2022 में कप्तानी संभाली थी और यूट्रेक्ट चरण में खेले गए विश्व कप लीग-2 मुकाबलों के साथ उनका कार्यकाल समाप्त हो गया। इस दौरान उन्होंने 56 एकदिवसीय मैचों में नीदरलैंड्स की कप्तानी की। टीम के साथ साझा किए गए वीडियो संदेश में एडवर्ड्स ने कहा कि कप्तानी छोड़ने का फैसला उन्होंने काफी सोच-विचार के बाद लिया है। उनका मानना है कि अब वह एक खिलाड़ी के रूप में टीम के लिए अधिक योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह फैसला सीरीज के दौरान टीम का ध्यान भटकाने से बचने के लिए पहले सार्वजनिक नहीं किया। एडवर्ड्स ने साथियों और सहयोगी स्टाफ का आभार जताते हुए कहा कि ऑरेंज जर्सी पहनना उनके लिए हमेशा गर्व की बात रहेगी और वह आगे भी टीम के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ खेलते रहेंगे।

सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने पुरानी दिल्ली को चार विकेट से हराया

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 का आगाज अरुण जेटली स्टेडियम में शुक्रवार रात रोमांचक मुकाबले के साथ हुआ, जहां सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने अनुज रावत के शानदार शतक पर पानी फेरते हुए पुरानी दिल्ली 6 को चार विकेट से हरा दिया। मुकाबले से पहले मशहूर गायक सुखबीर सिंह और सुनंदा शर्मा के रंगारंग कार्यक्रम ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।पहले बल्लेबाजी करते हुए पुरानी दिल्ली 6 की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम पांच ओवर के भीतर 30 रन पर तीन विकेट गंवा बैठी। इसके बाद कप्तान अनुज रावत और देव लाकड़ा ने चौथे विकेट के लिए 132 रन की शानदार साझेदारी कर टीम को संकट से उबारा। देव लाकड़ा ने 37 गेंदों में 53 रन की संयमित पारी खेली, जबकि अनुज रावत ने कप्तानी पारी खेलते हुए 59 गेंदों में नाबाद 105 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 11 चौके और पांच छक्के लगाए। 99 रन पर जीवनदान मिलने के बाद अगली ही गेंद पर उन्होंने इस सत्र का पहला शतक पूरा किया। उनकी बदौलत पुरानी दिल्ली 6 ने 20 ओवर में चार विकेट पर 202 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। 203 रन के लक्ष्य का पीछा करते उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने आक्रामक शुरुआत की कप्तान यश ढुल और सिद्धार्थ जून ने पहले विकेट के लिए केवल 4.5 ओवर में 65 रन जोड़ दिए। जून 14 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए, जबकि युगल सैनी ने 16 गेंदों में 22 रन का योगदान दिया। यश ढुल ने शानदार बल्लेबाजी जारी रखते हुए 45 गेंदों में 72 रन की कप्तानी पारी खेली।

कॉमनवेल्थ गेम्स: जेवलिन में नीरज को सिल्वर और यशवीर को मिला ब्रॉन्ज

जूडो में अस्मिता और हर्ष ने जीता गोल्ड

एजेंसी, ग्लासगो

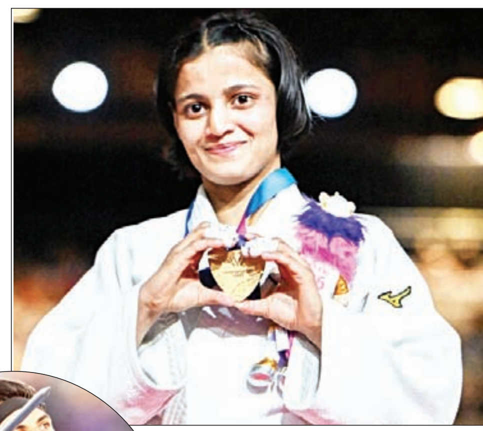

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। अस्मिता डे ने गेम्स के इतिहास में जूडो में देश को पहला गोल्ड दिलाया। इसके 15 मिनट बाद हर्ष सिंह ने दूसरा गोल्ड जीता। यामिनी मौर्य ने सिल्वर मेडल हासिल किया। जूडो में 3 मेडल आए। देश के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने 85.83 मीटर थ्रो किया। भारत के ही यशवीर सिंह ने 85.41 मीटर का पर्सनल बेस्ट प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीता। श्रीलंका के रुमेश पथिराजे ने 89.75 मीटर थ्रो के साथ गोल्ड मेडल हासिल किया।

एथलेटिक्स में तेजस्विन शंकर ने डेकाथलॉन इवेंट में ब्रॉन्ज जीतकर इतिहास रचा। वह कॉमनवेल्थ में इस इवेंट में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बने। ग्लासगो में चल रहे गेम्स के आठवें दिन भारत ने कुल 6 मेडल जीते। इनमें 2 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज शामिल रहे। भारत ने गेम्स में अब तक 5 गोल्ड, 12 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज समेत 23 मेडल जीते हैं और मेडल टैली में 10वें स्थान पर है।

नीरज चोपड़ा ने 85.83 मीटर का थ्रो कर सिल्वर मेडल जीता। मुकाबले का सबसे बड़ा सरप्राइज यशवीर सिंह रहे। उन्होंने आखिरी में 85.41 मीटर थ्रो कर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

पाकिस्तान के ओलिंपिक चैंपियन अरशद नदीम टॉप-8 में भी जगह नहीं बना सके और तीन राउंड के बाद बाहर हो गए।

तेजस्विन शंकर 7976 अंकों के साथ डेकाथलॉन में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बने। दो दिन तक चले इस इवेंट में उन्होंने तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले तेजस्विन 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में हाई जंप का ब्रॉन्ज भी जीत चुके हैं। ग्रेनाडा के लिंडन विक्टर (8096 अंक) ने गोल्ड और डेमियन वार्नर (8036 अंक) ने सिल्वर जीता। डेकाथलॉन में 10 अलग-अलग इवेंट्स होते हैं। हर इवेंट्स से मिले अंकों के आधार पर टोटल रैंकिंग बनती है। इस रैंकिंग के टॉप-3 प्लेयर्स को मेडल दिए जाते हैं। डेकाथलॉन में 100 मीटर दौड़, लॉन्ग जम्प, शॉटपुट, हाई जम्प, 400 मीटर दौड़, 110 मीटर हर्डल, डिस्कस थ्रो, पोल वॉल्ट, जेवलिन थ्रो, 1500 मीटर दौड़ होते हैं।

त्रिपुरा की 23 साल की अस्मिता डे ने फाइनल में शानदार वापसी करते हुए कनाडा की हेइडी क्वाच को हराया। मुकाबले की शुरुआत में उन्होंने एक अंक गंवाया और पेनल्टी भी मिली, लेकिन आक्रामक खेल जारी रखते हुए स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। गोल्डन स्कोर में अस्मिता ने निर्णायक अंक हासिल कर इतिहास रच दिया। 23 साल के हर्ष सिंह ने पुरुषों के 60 किग्रा वर्ग के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के जोशुआ काट्ज को वाजा-अरी (10-0) से हराया। चार मिनट तक चले मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों को अंक नहीं मिले, लेकिन अंतिम मिनट में हर्ष ने निर्णायक दांव खेलकर बढ़त बनाई और गोल्ड अपने नाम कर लिया।

तन्वी शर्मा ताइपे ओपन के फाइनल में, उन्नति हारी

एजेंसी, ताइपे सिटी

युवा भारतीय शटलर तन्वी शर्मा ने शनिवार को चीनी ताइपे की हुआंग यु सुन को सीधे गेम में हराकर ताइपे ओपन सुपर-300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल फाइनल में जगह बना ली। पंजाब की 17 वर्षीय तन्वी, जो पिछले वर्ष यूएस ओपन सुपर-300 की उपविजेता रही थीं, ने सेमीफाइनल में हुआंग को केवल 33 मिनट में 21-17, 21-11 से मात दी।

फाइनल में दो भारतीय खिलाड़ियों की भिड़ंत की संभावना थी, लेकिन दूसरे सेमीफाइनल में उन्नति हुडा को वियतनाम की विश्व नंबर-21 खिलाड़ी थूई लिन्ह गुयेन से 15-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। अब रविवार को फाइनल में तन्वी का मुकाबला छठी वरीयता प्राप्त वियतनामी खिलाड़ी थूई लिन्ह गुयेन से होगा।

विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी 2024 में बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा रही हैं। उन्होंने 2025 में ओडिशा मास्टर्स और गुवाहाटी मास्टर्स सुपर-100 में उपविजेता रहने के साथ 2024 में बॉन इंटरनेशनल और 2025 में डेनमार्क चैलेंज का खिताब जीता था। सेमीफाइनल में तन्वी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उनके तेज क्रॉस-कोर्ट स्मैश, सटीक पुश और ड्रॉप शॉट्स के सामने हुआंग टिक नहीं सकीं। पहले गेम में बढ़त बनाए रखने के बाद तन्वी ने दूसरा गेम भी शानदार अंदाज में जीता और लगातार गेमों में मुकाबला अपने नाम कर फाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

श्रीलंका दौरे से पहले धोनी की शरण में ऋषभ पंत

एजेंसी, नई दिल्ली

रांची पहुंचकर साथ में की स्पेशल ट्रेनिंग

श्रीलंका दौरे पर दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले ऋषभ पंत ने टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से मुलाकात की है। पंत और धोनी की यह मुलाकात रांची में हुई। इस मुलाकात के दौरान पंत ने एमएस धोनी के साथ ट्रेनिंग भी की।

रांची के एक जिम से पूर्व भारतीय स्पिनर शाहबाज नदीम द्वारा शेयर की गई एक तस्वीर में पंत और धोनी साथ में ट्रेनिंग करते हुए नजर आ रहे हैं, जहां धोनी नीले रंग के ट्रैकसूट में दिख रहे थे, वहीं पंत ने ब्लैक टी-शर्ट और शॉर्ट्स पहने हुए थे। सोशल मीडिया पर फोटो शेयर करते हुए नदीम ने लिखा, 'भारतीय क्रिकेट के दो बेहतरीन फिनिशर-ऋषभ पंत और माही भाई।'

बता दें कि पंत के लिए आगामी श्रीलंका दौरा काफी अहम माना जा रहा है। पंत फिलहाल भारत की वाइट-बॉल टीम से बाहर चल रहे हैं, लेकिन टेस्ट टीम में उन्हें लगातार मौका मिल रहा है। ऐसे में वह टेस्ट टीम में अपनी जगह को और मजबूत करने की कोशिश में जुटे हुए हैं। पंत जून में अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच में भी टीम इंडिया का हिस्सा थे।

नेपाल के मधेश और कोशी के कई इलाकों में तनाव कम, कई स्थानों से हटा कर्फ्यू

नेपाल में हिंसा के बाद सुरक्षा कड़ी, 38 लोग हिरासत में, संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ी

एजेंसी, काठमांडू। नेपाल के मधेश और कोशी प्रांत के कई जिलों में हाल के सांप्रदायिक तनाव के बाद स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। विभिन्न राजनीतिक दलों, स्थानीय प्रशासन, नागरिक समाज, धार्मिक नेताओं और समुदाय के प्रतिनिधियों की बैठकों तथा सुरक्षा व्यवस्था कड़ी किये जाने के बाद कई क्षेत्रों में हालात सामान्य होने लगे हैं। सुनसरी, सिराहा, सप्तरी और धनुषा के कुछ हिस्सों में अब भी कर्फ्यू लागू है, जबकि पर्सा जिले में सार्वजनिक सभाओं और प्रदर्शनों पर प्रतिबंध जारी है। स्थिति पर नजर रखने के लिए नेपाली सेना के साथ नेपाल पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल की अतिरिक्त टुकड़ियां तैनात की गयी हैं। नेपाल पुलिस मुख्यालय ने भी कोशी और मधेश प्रांत में सुरक्षा अभियानों की निगरानी के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को भेजा है।

नेपाल पुलिस के केंद्रीय प्रवक्ता और उप महानिरीक्षक (डीआईजी) अबी नारायण काफ्ले ने कहा कि राजनीतिक दलों की शांति अपीलों और स्थानीय प्रशासन की पहल के बाद तराई क्षेत्र में स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक व्यवस्था भंग करने, भड़काऊ सामग्री फैलाने और सांप्रदायिक तनाव भड़काने के आरोप में कोशी और मधेश प्रांत के विभिन्न क्षेत्रों से अब तक 38 लोगों को हिरासत में लिया गया है। संवेदनशील इलाकों में सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों की चौबीसों घंटे तैनाती की गई है तथा भीड़ और सुरक्षा जोखिमों पर नजर रखने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। डीआईजी काफ्ले ने कहा कि गृह मंत्री सुदन गुरूंग के सुनसरी और सिराहा दौरे तथा पीड़ित परिवारों और समुदाय के प्रतिनिधियों से बातचीत के बाद स्थिति में सुधार आया है। इस बीच, सिराहा के गोलबजार में हिंसा के दौरान मारे गए 15 वर्षीय गणेश यादव के परिवार और सरकार के बीच शुक्रवार देर रात सात सूत्रीय समझौता हुआ।

छात्रों को माफी नहीं, मोदी से माफीनामा चाहिए : राहुल

परीक्षा संकट और पेपर लीक को लेकर राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर साधा निशाना

- छात्रों की समस्याओं पर राहुल गांधी मुखर, बोले- व्यवस्था में ईमानदारी की जरूरत
- राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से मांगी जवाबदेही

एजेंसी, नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि देश के छात्रों को प्रधानमंत्री की माफी नहीं, बल्कि उनसे माफीनामा चाहिए क्योंकि पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने से उनका भविष्य बर्बाद हुआ है। श्री गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर शनिवार को लिखा कि किसी भी माता-पिता के लिए अपने बच्चे को खोने का दुख सबसे बड़ा होता है। हर युवा की मौत के पीछे एक ऐसा परिवार है जिसका दर्द कभी खत्म नहीं होगा और इसके साथ ही देश की जर्जर शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल भी खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि पेपर लीक, परीक्षाएं रद्द होने और वर्षों की मेहनत एक झटके में बर्बाद होने के बावजूद छात्रों से ईमानदारी की उम्मीद की जाती है, जबकि व्यवस्था स्वयं ईमानदार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छात्रों को 'माफ करने' की बात कर रहे हैं, जबकि उन्होंने न तो किसी शोकाकुल परिवार से मुलाकात की और न ही किसी ऐसे छात्र से मिले जिसका भविष्य पेपर लीक के कारण प्रभावित हुआ। श्री गांधी ने कहा कि भारत के छात्रों को प्रधानमंत्री की माफी की जरूरत नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री को उनसे माफी मांगनी चाहिए।

अमेरिकी मानवाधिकार संगठनों ने पीओके में हिंसक कार्रवाई की निंदा की, पाक सरकार से संयम की मांग

एजेंसी, नई दिल्ली। अमेरिका के एक मानवाधिकार संगठन जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी (जेएएसी) ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 50 से ज्यादा लोगों की मौत की निंदा करते हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ 'पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की हिंसक कार्रवाई' की निष्पक्ष जांच एवं जवाबदेही की मांग की है। जेएएसी के सदस्य सरदार उमर नज़ीर कश्मीरी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा कि पाकिस्तानी सुरक्षा बल अब तक 50 से ज्यादा लोगों को मार चुके हैं। उन्होंने लिखा, 'पिछले चार दिनों में सुरक्षा बलों ने 50 से ज्यादा लोगों को मारा है, और सैकड़ों को जख्मी किया है। 'पीओके में विरोध प्रदर्शनों की अगुवाई कर रहे जेएएसी ने कहा कि मुजफ्फराबाद क्षेत्र में ये प्रदर्शन देर रात तक चले हैं। प्रदर्शनकारियों ने अपने मूल अधिकारों की रक्षा और पूर्व में स्थानीय प्रशासन की ओर से किये गये वादों को लागू करने की मांग की है।

प्रियंका गोस्वामी 10 हजार मीटर पैदल चाल में चौथे स्थान पर रहीं

एजेंसी, ग्लासगो। भारतीय पैदल चाल खिलाड़ी प्रियंका गोस्वामी ने कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं की 10,000 मीटर रेस वॉक स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन वह पदक जीतने से मामूली अंतर से चूक गईं। प्रियंका ने फाइनल मुकाबले में 45 मिनट 53.93 सेकंड का समय दर्ज करते हुए चौथा स्थान हासिल किया। वह प्रतियोगिता में लंबे समय तक पदक की दौड़ में बनी रहीं, लेकिन अंतिम परिणाम में उन्हें चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा। इस प्रदर्शन के साथ प्रियंका गोस्वामी कॉमनवेल्थ गेम्स में अपना दूसरा पदक जीतने का मौका गंवा बैठीं। वहीं भारत की दूसरी खिलाड़ी रवीना गायकवाड़ को रेस के दौरान तीन रेड कार्ड मिलने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया। प्रियंका का प्रदर्शन भारतीय एथलेटिक्स के लिए उत्साहजनक माना जा रहा है।

युवाओं से माफी मांगने की बजाय खुद को पीड़ित दिखाने की कोशिश कर रहे हैं प्रधानमंत्री : जयराम रमेश

एजेंसी, नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर खुद को पीड़ित दिखाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री इस मामले में देश से माफी मांगने की बजाय खुद को पीड़ित दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री अपने विरोधियों और पूर्व प्रधानमंत्रियों पर अमर्यादित टिप्पणी करते हैं और झूठे आरोप लगाकर उन्हें बदनाम करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को एनटीए में हुए पेपर लीक, छात्रों के विरोध प्रदर्शनों पर हुई कार्रवाई, राममंदिर ट्रस्ट से जुड़े विवाद और नोटबंदी जैसे फैसलों के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।

राष्ट्रपति मुर्मू 7 को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह का करेंगी शुभारंभ

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू यहां राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में सात अगस्त को 12वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह का उद्घाटन करेंगी। केंद्रीय कपड़ा मंत्रालय के अनुसार मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले इस समारोह का मुख्य उद्देश्य भारत की समृद्ध हथकरघा विरासत का उत्सव मनाना और देश के सामाजिक-आर्थिक विकास में बुनकर समुदाय के अमूल्य योगदान को सम्मानित करना है।

भारत की विविध हथकरघा परंपराओं को समर्पित 4 विशेष डाक टिकट जारी किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान दो महत्वपूर्ण पुस्तकों- 'अर्थ, रूट, थ्रेड-आल डाइड हैंडलूम टेक्सटाइल ऑफ सेंट्रल इंडिया' और 'हैंडलूम अवार्ड बुक 2025' का लोकार्पण किया जाएगा। समारोह के दौरान वर्ष 2025 के लिए उत्कृष्ट कारीगरी और नवाचार के लिए कुल 22 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इनमें 03 संत कबीर हथकरघा पुरस्कार और 19 राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार शामिल हैं। आगंतुकों के लिए पुरस्कार विजेता हथकरघा उत्पादों की विशेष प्रदर्शनी लगाई जाएगी। साथ ही, पारंपरिक 'कानी बुनाई' और 'वॉल हैंगिंग बुनाई' का लाइव प्रदर्शन भी किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह, कपड़ा राज्यमंत्री पवित्र मार्गेरिटा, कपड़ा सचिव नीलम शमी राव और विकास आयुक्त (हथकरघा) डॉ. एम बीना समेत कई अधिकारी, जानी-मानी हस्तियां और देशभर से आए बुनकर उपस्थित रहेंगे।

हिमाचल को 996 और उत्तराखंड को 1244 करोड़, राज्यों को मिली केंद्रीय करों की किश्त

केंद्र ने राज्यों को जारी की 1.09 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त कर हस्तांतरण राशि

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने राज्यों को बड़ी वित्तीय सहायता प्रदान करते हुए केंद्रीय करों से हस्तांतरण की 1,09,019 करोड़ रुपये की अतिरिक्त किश्त जारी की है। यह राशि सामान्य मासिक हस्तांतरण से अलग है, जो अगस्त माह में निर्धारित समय पर जारी की जाएगी। केंद्र सरकार का उद्देश्य राज्यों की वित्तीय स्थिति को मजबूत करना और पूंजीगत तथा विकास संबंधी योजनाओं को तेज गति देना है। वित्त मंत्रालय के अनुसार यह राशि राज्यों को बुनियादी ढांचे के विकास, सार्वजनिक सुविधाओं के विस्तार और विभिन्न विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में सहायता करेगी। राज्यों को मिलने वाली यह अतिरिक्त धनराशि सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, जल प्रबंधन और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में खर्च की जा सकेगी। इससे राज्यों को अपनी विकास योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू करने में मदद मिलेगी। केंद्रीय करों के वितरण में उत्तर प्रदेश को सबसे अधिक 19,208 करोड़ रुपये मिले हैं। इसके बाद बिहार को 10,845 करोड़ रुपये, पश्चिम बंगाल को 7,866 करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश को 8,010 करोड़ रुपये और महाराष्ट्र को 7,022 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। वहीं हिमाचल प्रदेश को 996 करोड़ रुपये और उत्तराखंड को 1,244 करोड़ रुपये की राशि मिली है। केंद्र सरकार का यह कदम संघीय व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राज्यों के पास पर्याप्त वित्तीय संसाधन होने से वे स्थानीय जरूरतों के अनुसार विकास योजनाओं को तेजी से लागू कर सकेंगे। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और रोजगार से जुड़े कार्यों को इससे बल मिलने की उम्मीद है। आर्थिक विकास में राज्यों की भूमिका लगातार बढ़ रही है। ऐसे में केंद्र से मिलने वाली वित्तीय सहायता राज्यों को अपनी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने में सहयोग करती है।

पूंजीगत खर्च बढ़ने से निर्माण गतिविधियों में तेजी आती है और इससे रोजगार के नए अवसर भी पैदा होते हैं। कुल मिलाकर केंद्रीय करों की यह अतिरिक्त किश्त राज्यों के विकास प्रयासों को मजबूती देने वाली पहल है। इससे देशभर में बुनियादी ढांचे और विकास परियोजनाओं को गति मिलने की संभावना है।